{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 30 अगस्त 2026
भाद्रपद कृष्ण 02 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 336
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

# बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

# आम आदमी पर महंगाई की चौतरफा मार!

## गुड़-दूध से लेकर सीएनजी तक के बढ़े दाम : सीएनजी के दाम में 3.89 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी हुई

## महाराष्ट्र में दूध 9 रुपये प्रति लीटर तक महंगा होगा : प्याज की कीमत 60-65 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई

नई दिल्ली। महंगाई ने एक बार फिर आम आदमी की जेब पर दबाव बढ़ा दिया है। पिछले कुछ दिनों में रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ी कई चीजों के दाम बढ़ने से घर का बजट बिगड़ने लगा है। सीएनजी से लेकर दूध, प्याज और गुड़ तक महंगे होने का असर सीधे आम लोगों की जेब पर पड़ सकता है। खास बात यह है कि इनमें कुछ चीजें ऐसी हैं, जिनका इस्तेमाल लगभग हर घर में रोज होता है। हालांकि, सरकार के प्रयासों से चीनी कीमतों ने नरमी आने लगी है। कीमतों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी के बाद अब इसकी एक्स-मिल कीमत, यानी चीनी मिल से निकलते समय की कीमत में करीब 20 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है।

दिल्ली-एनसीआर में एक बार फिर सफ़र महंगी हो गई है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने सीएनजी की कीमत में 3.89 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की है। नई कीमतें शनिवार सुबह 6 बजे से लागू हो गई हैं। इस बढ़ोतरी का सीधा असर दिल्ली और आसपास के एनसीआर शहरों में सीएनजी वाहनों का इस्तेमाल करने वाले लोगों की जेब पर पड़ेगा। खासतौर पर रोजाना कार से सफर करने वाले लोगों का खर्च बढ़ सकता है। इतना ही नहीं, स्कूल बस, ऑटो, कैब और लोडिंग वाहनों के किराये में भी बढ़ोतरी हो सकती है। खास बात ये है कि ईरान-अमेरिका युद्ध की वजह से 6 महीने में 5वीं बार सीएनजी के कीमत में बढ़ोतरी हुई है। इससे पहले मई में 4 बार कीमतें बढ़ीं थीं।

### 100 तक पहुंचे गुड़ के दाम

पंजाब और हरियाणा में मानसून के दौरान पसंद किए जाने वाले गुड़ की कीमतों में भी तेजी आई है। पिछले एक महीने में गुड़ की अलग-अलग किस्मों के दाम में 25 से 50 रुपये प्रति किलो तक की बढ़ोतरी हुई है। मुंबई में गुड़ का थोक भाव करीब 80 से 100 रुपये प्रति किलो दर्ज किया गया। बाजार में अलग-अलग गुणवत्ता का गुड़ मिलता है, इसलिए इसकी कीमत क्वालिटी के हिसाब से बदलती है। खुदरा बाजार में ग्राहकों को इसके लिए इससे ज्यादा कीमत भी चुकानी पड़ सकती है। महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश जैसे प्रमुख गुड़ उत्पादक राज्यों में भी पिछले दो हफ्तों में कीमतों में तेज बढ़ोतरी देखने को मिली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुछ जगहों पर गुड़ के दाम करीब 25 फीसदी तक बढ़ चुके हैं।

### 60 रुपये हुई प्याज

महाराष्ट्र में प्याज की कीमतों में पिछले कुछ हफ्तों से लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इससे आम लोगों के साथ-साथ कारोबारियों की परेशानी भी बढ़ गई है। करीब दो महीने पहले प्याज 20-22 रुपये प्रति किलो बिक रहा था, लेकिन अब मुंबई के भायखला थोक बाजार में इसका भाव बढ़कर 48 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है। थोक कीमत बढ़ने का असर खुदरा बाजार में भी देखने को मिल रहा है, जहां प्याज के दाम 60-65 रुपये प्रति किलो तक पहुंचने का अनुमान है। वहीं, दिल्ली में भी प्याज की कीमत करीब 60 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है।

### 9 रुपये महंगा हुआ दूध

महाराष्ट्र में 1 सितंबर से दूध की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी होने जा रही है। राज्य में दूध के दाम 9 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ाए जाएंगे। इससे पहले 11 अगस्त 2026 से दूध प्रोड्यूसर और प्रोसेसर्स की वेलफेयर एसोसिएशन ने गाय और भैंस के दूध की कीमत में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। उस समय दही और पनीर जैसे रोजमर्रा के डेयरी प्रोडक्ट्स भी करीब 10 फीसदी तक महंगे हो गए थे। इससे पहले मई में अमूल और मदर डेयरी ने भी दूध के दाम में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। इसके बाद देश के कई हिस्सों में बड़े राष्ट्रीय ब्रांड्स के साथ-साथ स्थानीय और सहकारी डेयरियों ने भी दूध के दाम बढ़ाए हैं।

### सीएनजी 3.89 रुपए महंगी

दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी की कीमत 3.89 रुपए प्रति किलो बढ़ गई है। नई कीमत शनिवार सुबह 6 बजे से लागू हो गई। इसके बाद दिल्ली में सीएनजी 83.09 से बढ़कर 86.98 रुपए प्रति किलो हो जाएगी। इस साल सीएनजी के दाम में यह पांचवीं बढ़ोतरी है। इस बार कीमत बढ़ने की मुख्य वजह एलएनजी की बढ़ती आयात लागत, अंतरराष्ट्रीय गैस कीमतों में तेजी और सीएनजी की बढ़ती मांग है। इससे पहले मई में पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कीमतों में तेजी के चलते आईजीएल ने 10 दिनों के भीतर चार फेज में सीएनजी के दाम कुल 6 रुपए प्रति किलो बढ़ाए थे।

## खास खबर

### एथेनॉल ब्लेंडिंग पर सुप्रीम कोर्ट में कल सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट 31 अगस्त को उस जनहित याचिका पर सुनवाई करेगी, जिसमें देश के सभी पेट्रोल पंपों के नोजल और पेट्रोल बिल पर एथेनॉल की सटीक मात्रा यानी प्रतिशत लिखे होने की मांग की गई है। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले की बेंच इस मामले की सुनवाई करेगी। यह याचिका नरेंद्र कुमार गोस्वामी की ओर से दायर की गई है। याचिका में केंद्र सरकार और संबंधित अधिकारियों को यह निर्देश देने का अनुरोध किया है कि पेट्रोल पंपों की हर डिस्पेंसिंग नोजल पर एथेनॉल ब्लेंडिंग का प्रतिशत स्पष्ट रूप से लिखा जाए। इसके साथ ही, जब भी कोई ग्राहक पेट्रोल खरीदे, तो उसको मिलने वाली रसीद पर भी यह अनिवार्य रूप से लिखा हो कि उस ईंधन में कितने प्रतिशत एथेनॉल मिला हुआ है।

### एलओसी के पास दिखे पाकिस्तानी ड्रोन

राजौरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन देखे जाने के बाद सुरक्षाबलों ने शुक्रवार को तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारियों के मुताबिक, नौशेरा सेक्टर के रुमलीधारा इलाके में गुरुवार आधी रात के आसपास ड्रोन उड़ते दिखाई दिए। जवानों की फायरिंग के बाद ड्रोन सीमा पार लौट गए। इसके बाद एलओसी के पास घुसपैठ की आशंका को देखते हुए इलाके में तलाशी ली गई। सुरक्षाबलों और अन्य एजेंसियों ने सीमा पर निगरानी बढ़ा दी है। इससे पहले भी इस साल राजौरी और सांबा के सीमावर्ती इलाकों में ड्रोन की संदिग्ध गतिविधियां सामने आ चुकी हैं।

### मुंबई में दूध 100 रूपए के पार

मुंबई। त्योहारी सीजन से पहले मुंबई के लोगों को महंगाई का झटका लगा है। बॉम्बे मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन ने थोक दूध की कीमत में 9 रूपए प्रति लीटर बढ़ोतरी का ऐलान किया है। नई कीमत 1 सितंबर से लागू होगी। इसके बाद मुंबई और आसपास के मेट्रोपॉलिटन इलाकों में थोक दूध का भाव 93 से बढ़कर 102 रूपए प्रति लीटर हो जाएगा। यह नई कीमत अगले 6 महीने यानी 28 फरवरी 2027 तक लागू रहेगी। एसोसिएशन के मुताबिक, यह हाल के वर्षों में दूध की कीमत में हुई सबसे बड़ी एकमुश्त बढ़ोतरी में से एक है। दूध की कीमत बढ़ाने के पीछे डेयरी किसानों और तबेला संचालकों ने बढ़ती उत्पादन लागत को मुख्य वजह बताया है। पिछले एक साल में पशुओं के लिए जरूरी हरा चारा, चुनी और खली जैसी चीजों की कीमत लगातार बढ़ी है। इसके अलावा दूध की ढुलाई, पशुओं की देखभाल और तबेले के संचालन का खर्च भी बढ़ गया है। बढ़ती लागत के कारण दूध उत्पादकों पर आर्थिक दबाव बढ़ रहा था।

## कुछ ना कहना

## मद्रास हाई कोर्ट का अहम फैसला विधवा मां की दूसरी शादी से बेटी का संपत्ति अधिकार खत्म नहीं होगा

नई दिल्ली। मद्रास हाई कोर्ट ने हिंदू संयुक्त परिवार की पैतृक संपत्ति में उत्तराधिकार को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि विधवा मां की दूसरी शादी होने मात्र से उसकी बेटी का मृत पिता की संयुक्त पारिवारिक संपत्ति में अधिकार खत्म नहीं हो जाता। आदेश में जस्टिस पीबी बालाजी ने कहा कि हिंदू सक्सेशन एक्ट, 1956 के तहत दूसरी शादी के कारण पैदा होने वाली अयोग्यता विधवा तक सीमित रहती है। इसका असर मृत पति के दूसरे कानूनी वारिसों के अधिकार पर नहीं पड़ता। मामला एक मृत कोपार्सनर वेंकटेशन की संपत्ति से जुड़ा था। उनकी मृत्यु के बाद उनकी विधवा ने दूसरी शादी कर ली थी और उन्होंने पति की संपत्ति में कोई हिस्सा नहीं लिया। दंपती की इकलौती बेटी, जो क्लास वन की कानूनी वारिस थी, ने पिता का हिस्सा विरासत में प्राप्त किया। बाद में बेटी ने संपत्ति के कुछ हिस्सों में थर्ड-पार्टी अधिकार भी बनाए। इसी दौरान वेंकटेशन के एक रिश्तेदार ने उसके संपत्ति अधिकार को चुनौती दे दी। रिश्तेदार की ओर से तर्क दिया गया कि चूंकि वेंकटेशन की विधवा ने 2005 के संशोधन से पहले ही दूसरी शादी कर ली थी, इसलिए उस समय लागू हिंदू सक्सेशन एक्ट की धारा 24 के तहत उसका उत्तराधिकार अधिकार खत्म हो गया था। दलील यह भी दी गई कि विधवा के अयोग्य होने के बाद वेंकटेशन का हिस्सा दूसरे कोपार्सनरों को वापस मिलना चाहिए और उनके हिस्से बढ़ने चाहिए। हाई कोर्ट ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया।

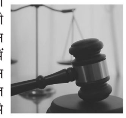

### कोर्ट ने धारा 24 की व्याख्या की

कोर्ट ने पुराने सेक्शन 24 की व्याख्या करते हुए कहा कि दूसरी शादी करने वाली विधवा को उत्तराधिकार से अयोग्य ठहराने का प्रावधान विधवा के अपने उत्तराधिकार अधिकार तक सीमित था। इससे मृत पति का कोपार्सनरी इंटरेस्ट समाप्त नहीं होता था। कोर्ट के मुताबिक मृतक का हिस्सा उसके अन्य योग्य क्लास वन वारिसों को मिलने के लिए उपलब्ध रहता है। इसमें उसकी मां और बच्चे भी शामिल हो सकते हैं।

### बेटी को मिला पिता का पूरा हिस्सा

इस मामले में वेंकटेशन की इकलौती बेटी उनकी क्लास वन कानूनी वारिस थी। इसलिए कोर्ट ने माना कि विधवा की दूसरी शादी के कारण बेटी का स्वतंत्र उत्तराधिकार अधिकार समाप्त नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मां की अयोग्यता को आधार बनाकर बेटी के विरासत के अधिकार को खत्म नहीं किया जा सकता। चूंकि विधवा ने खुद संपत्ति में कोई दावा नहीं किया था, इसलिए मृतक का हिस्सा उसकी योग्य बेटी को विरासत में मिलना था।

## इमरान हाशमी को स्वाइन फ्लू

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी स्वाइन फ्लू (एच1एन1) संक्रमित हुए हैं। देशभर में इस समय एच1एन1का खतरा बढ़ा हुआ है और इसी की चपेट में अब इमरान आ गए हैं। शुक्रवार, रक्षाबंधन के दिन उनकी मेडिकल रिपोर्ट में स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई। इमरान बीते कुछ समय से शूटिंग के सिलसिले में यात्रा कर रहे थे और हाल ही में रांची से मुंबई लौटे थे। मुंबई आने के बाद उन्हें तबीयत ठीक महसूस नहीं हुई, जिसके बाद उन्होंने अपना टेस्ट कराया। डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने और जरूरी सावधानियां बरतने की सलाह दी है। अपनी बीमारी के कारण, इमरान को शनिवार को बेंगलुरु में होने वाला एक इवेंट रद्द करना पड़ा। इस शो के लिए उनके प्रशंसक काफी उत्साहित थे। इमरान ने इंस्टाग्राम स्टोरी के माध्यम से अपने फैंस से माफी मांगी है और वादा किया है कि वे जल्द ठीक होकर उनसे मिलेंगे। इस खबर ने उनके चाहने वालों को चिंतित कर दिया है।

राहुल गांधी ने प्रोजेक्टर पर खड़गे का भाषण दिखाते हुए मांगा न्याय, कहा...

## मंच का शुद्धिकरण करने वालों के खिलाफ एक्शन लें पीएम मोदी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर केंद्र सरकार और आरएसएस पर निशाना साधा। साथ ही, कांग्रेस सांसद ने मल्लिकार्जुन खड़गे की हल्द्वानी वाली जनसभा का जिक्र कर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि राजस्थान में हमारे दलित सांसद एक मंदिर जाते हैं और बीजेपी नेता वहां 'शुद्धिकरण' की रस्म अदा करते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे जी, जिन्होंने अपना पूरा जीवन देश और संविधान को समर्पित कर दिया है, हल्द्वानी के रामलीला मैदान में भाषण देने जाते हैं और वहां भी शुद्धिकरण की रस्म अदा की जाती है। ऐसा कौन करता है? ये बीजेपी और आरएसएस के लोग करते हैं। सिर्फ भाजपा और आरएसएस के सदस्य ही ऐसा करते हैं और यह एक अपराध है।

राहुल गांधी ने इसे अपराध बताया। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान के तहत, यह एक अपराध है, एक आपराधिक गतिविधि है। 'शुद्धिकरण' वास्तव में अस्पृश्यता का ही दूसरा नाम है। अस्पृश्यता को गैरकानूनी घोषित कर दिया गया है, फिर भी बीजेपी सदस्य खुलेआम इसका पालन करते हैं। जब वे यह शुद्धिकरण करते हैं, तो वे प्रभावी रूप से यह कह रहे होते हैं कि दलितों को छुआ नहीं जाना चाहिए, दलित अपवित्र हैं और यह भारतीय संविधान के तहत एक अपराध है।

### एफआईआर दर्ज करने की मांग

लोकसभा विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह कृत्य अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति अधिनियम का उल्लंघन है। फिर भी, कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इसलिए, हम मांग करते हैं कि उत्तराखंड में यह शुद्धिकरण हवन करने वालों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए। प्रधानमंत्री हर जाति से संबंध रखने और पूरे भारत के प्रधानमंत्री होने का दावा करते हैं। फिर भी, उनकी पार्टी के प्रमुख कहते हैं कि शुद्धिकरण उचित था। हम चाहते हैं कि प्रधानमंत्री इन व्यक्तियों के खिलाफ अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति अधिनियम के तहत तत्काल एफआईआर दर्ज करने का आदेश दें। उत्तराखंड में खड़गे जी को न्याय दिलाना राज्य सरकार और केंद्र सरकार दोनों का कर्तव्य है।

### यह केवल मल्लिकार्जुन खड़गे का मुद्दा नहीं

लोकसभा विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने (मल्लिकार्जुन खड़गे) कहा कि कुछ लोग उनका समर्थन नहीं करते। उन्होंने यह बिल्कुल नहीं कहा कि कांग्रेस के अधिकांश लोग उनका समर्थन नहीं करते। मैंने उनका समर्थन किया।

## 50 उपद्रवियों के खिलाफ केस दर्ज किया

बिलासपुर। बिलासपुर में देर रात हुए बवाल को लेकर पुलिस ने उपद्रवियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस के अनुसार करीब 50 उपद्रवियों पर केस दर्ज किया गया है। इनमें कई लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया है। एफआईआर दर्ज होने के बाद इन आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग जगहों पर दबिश दी जा रही है। ड्रोन और सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से आरोपियों की पहचान को पुख्ता किया जा रहा है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए अन्य जिलों से भी अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया है।

## बीजेपी सांसदों ने की सज्जन कुमार के परिजनों से मुलाकात, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने लगा दी फटकार

नई दिल्ली। नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के 3 सांसदों को अपनी ही पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की कड़ी फटकार लगी है। यह फटकार 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामलों में दोषी ठहराए गए कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार के निधन के बाद उनके परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त करने को लेकर लगी है। इसमें बीजेपी सांसद कमलजीत सहरावत, रामवीर सिंह बिधूड़ी और योगेंद्र चंदोलिया शामिल थे, जिन्होंने सज्जन कुमार के घर जाकर शोक जाहिर किया था।

सज्जन कुमार, जिनका 20 अगस्त को निधन हुआ, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए 1984 के सिख विरोधी दंगों के कई मामलों में दो उम्रकैद की सजा काट रहे थे। बीजेपी के तीनों सांसदों के कदम पर वरिष्ठ वकील और सामाजिक कार्यकर्ता एच.एस. फूल्का ने तीव्र प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने लिखा कि वे तीनों सांसदों के दौरे की कड़ी निंदा करते हैं, और सज्जन कुमार को सामूहिक हत्यारा बताया। फूल्का ने सवाल उठाया कि बीजेपी, जिसने हमेशा दंगा पीड़ितों के लिए न्याय की लड़ाई का समर्थन किया है, उसके सांसद एक दोषी के परिवार के प्रति सहानुभूति क्यों दिखा रहे हैं, जबकि सहानुभूति पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति होनी चाहिए। सूत्रों के अनुसार, सांसदों के कदम की जानकारी पार्टी नेतृत्व को नहीं दी गई थी, इस मामले को राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन ने बेहद गंभीरता से लिया। शनिवार को उन्होंने इन तीनों सांसदों को तलब कर कड़ी फटकार लगाकर अपनी गहरी नाराजगी व्यक्त की। यह घटना तब हुई है जब पार्टी अपनी सार्वजनिक छवि और सिद्धांतों के प्रति अत्यंत सतर्क है।

## कर्नाटक के मंत्री नागेंद्र ने दो साल में दो बार दिया इस्तीफा, शिवकुमार लाए थे दोबारा

### वाल्मीकि स्कैम को लेकर था दबाव, 89 करोड़ रुपए के घोटाले से जुड़ा है मामला

बेंगलुरु। कर्नाटक में कांग्रेस नेता बी नागेंद्र ने मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया। वह दो साल में दूसरी बार मंत्री पद से हट चुके हैं। उन पर वाल्मीकि स्कैम को लेकर दबाव था। यह मामला 89 करोड़ रुपए के घोटाले से जुड़ा है। नागेंद्र अगस्त की शुरुआत में ही कैबिनेट में दोबारा शामिल किए गए थे, जब डीके शिवकुमार ने सीएम पद संभाला था। इससे पहले 2024 में वह सिद्धारमैया की सरकार में मंत्री थे।

नागेंद्र ने कहा कि मैं बेकसूर हूं, वाल्मीकि निगम घोटाले में मेरी कोई भूमिका नहीं है। क्या मैंने कहीं हस्ताक्षर किए? कोई निर्देश दिया या कोई नोटशीट लिखी? मनुवादियों और घटिया सांप्रदायिक ताकतों की साजिश को राज्य की राजनीति में हावी नहीं होने देना चाहता हूं। बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि मनुवादी नहीं चाहते कि कोई आदिवासी व्यक्ति आगे बढ़े। अगर जरूरत पड़ी तो विधायक पद से भी इस्तीफा देने को तैयार हूं और जनता की अदालत में जाने के लिए तैयार हूं।

बता दें मामला कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में कथित 89 करोड़ रुपए की अनियमितताओं से जुड़ा है। मई 2024 में निगम के अकाउंट्स ऑफिसर पी चंद्रशेखरन ने आत्महत्या कर ली थी। उन्होंने एक नोट में फंड के अनधिकृत ट्रांसफर का आरोप लगाया था। जांच में निगम के बैंक खातों से बड़ी रकम दूसरे खातों में ट्रांसफर किए जाने की बात सामने आई थी। नागेंद्र उस समय सिद्धारमैया सरकार में जनजातीय कल्याण मंत्री थे। विवाद के बाद उन्होंने जून 2024 में मंत्री पद से इस्तीफा दिया था। अब डीके शिवकुमार के सीएम बनने के बाद 3 अगस्त को उन्हें फिर कैबिनेट में शामिल किया गया था।

बीजेपी और जेडीएस ने मंत्रिमंडल में नागेंद्र की दोबारा एंट्री के बाद से ही उनके इस्तीफे की मांग की थी। विपक्ष का आरोप है कि सरकारी निगम के फंड के कथित डायवर्जन से नागेंद्र का संबंध था। हालिया मानसून सत्र में दोनों दलों ने विधानसभा के अंदर और बाहर कई प्रदर्शन किए। हंगामे के कारण सत्र तीन दिन पहले ही खत्म कर दिया गया और 24 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया।

## ममता बनर्जी के खिलाफ केस दर्ज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मामला 28 अगस्त को तृणमूल छात्र परिषद के कार्यक्रम से जुड़ा है। आरोप है कि कोर्ट ने कार्यक्रम के लिए दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक का समय दिया था। लेकिन आयोजकों ने तय समय के बाद भी कार्यक्रम जारी रखा। शिकायत के मुताबिक, टीएमसी समर्थकों ने बैरिकेड हटाए, पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की की। कैथेड्रल रोड पर ट्रैफिक ब्लॉक किया। यह मामला टीएमसीपी के दो गुटों के कार्यक्रम की अनुमति से जुड़ा था। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट ने कार्यक्रम को लेकर कोर्ट में याचिका लगाई थी। 28 अगस्त को टीएमसीपी के स्थापना दिवस पर बड़े राजनीतिक कार्यक्रम के लिए जगह, भीड़ और ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर विवाद था। दोनों गुटों ने कार्यक्रम के लिए मायो रोड की मांग की थी। कलकत्ता हाईकोर्ट ने ट्रैफिक और कानून-व्यवस्था को देखते हुए दोनों को मायो रोड पर कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी और अलग-अलग जगहों पर सीमित शर्तों के साथ कार्यक्रम की अनुमति दी।

फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष रखा प्रस्ताव

## ज्यादा नमक-शक्कर वाले खाद्य पदार्थों के पैकेट पर दिखेगा लाल षटकोण

नई दिल्ली। पैकेटबंद खाद्य पदार्थों में ज्यादा नमक, शक्कर या सैचुरेटेड फैट की मात्रा को लेकर जल्द ही उपभोक्ताओं को पैकेट के सामने ही चेतावनी मिल सकती है। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष फ्रंट-ऑफ-पैक चेतावनी लेबल लगाने का प्रस्ताव रखा है। प्रस्ताव के तहत तय सीमा से अधिक नमक, शक्कर या सैचुरेटेड फैट वाले उत्पादों के पैकेट पर लाल रंग का षटकोण (हेक्सागोन) बनाया जाएगा। यह निशान पैकेट के सामने की तरफ प्रमुखता से दिखाई देगा, ताकि खरीदारी के समय उपभोक्ता आसानी से समझ सकें कि संबंधित खाद्य पदार्थ में इनमें से किसी पोषक तत्व की मात्रा अधिक है।

मामला 3एस एंड अवर हेल्थ सोसाइटी नामक पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट की जनहित याचिका से जुड़ा है। ट्रस्ट ने पैकेट और डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों पर अनिवार्य चेतावनी लेबल लगाने की मांग की थी। 13 अगस्त को मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने नियम बनाने में देरी को लेकर फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया से सवाल किए थे। इसके बाद खाद्य नियामक ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर प्रस्तावित व्यवस्था की जानकारी दी।

### दो चरणों में लागू करने की तैयारी

फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने चेतावनी लेबल व्यवस्था को दो चरणों में लागू करने का प्रस्ताव रखा है। इसका उद्देश्य खाद्य उद्योग को नए नियमों के अनुसार अपने उत्पादों में बदलाव करने के लिए समय देना है। पहले चरण के तहत शुरुआत में उन पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर लाल चेतावनी लेबल लगाया जाएगा, जिनमें नमक, शक्कर या फैट में से कम से कम दो चीजें निर्धारित सीमा से अधिक होंगी। प्रस्ताव के मुताबिक ज्यादा शक्कर वाली कोल्ड ड्रिंक्स भी इसके दायरे में आएंगी। दूसरे चरण में नियम और व्यापक किया जाएगा। इसमें ऐसे उत्पाद भी शामिल होंगे जिनमें नमक, शक्कर या फैट में से कोई एक निर्धारित सीमा से अधिक पाया जाएगा।

### खरीदारी के समय तुरंत मिलेगी जानकारी

फ्रंट-ऑफ-पैक लेबल का उद्देश्य उपभोक्ताओं को उत्पाद की पोषण संबंधी स्थिति समझने के लिए पैकेट के पीछे लिखी लंबी जानकारी पढ़ने की जरूरत कम करना है।

# जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भुजलिया पर्व

## विधिविधान के साथ किया गया विसर्जन, भुजलियां आपस में बांटकर लिया बड़े बुर्जुगों का आर्शीवाद

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलों व ग्रामीण अंचलों में प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी भुजलिया का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।जिसके तहत जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।भाई-बहन के स्नेह और प्रेम का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन के दूसरे दिन भुजलियां पर्व की सम्पूर्ण जिले में धूम देखने को मिली।जहां बड़े ही धूमधाम से हर्षोल्लास के साथ रविवार 29 अगस्त को जिले भर में यह पर्व मनाया गया।बताया गया कि इस पर्व को कजलिया के नाम से भी जाना जाता हैं।

### सामुहिक रूप से पर्व मनाने का दिखा उत्साह

शनिवार को भुजरिया पर्व के अवसर पर स्थानीय लोगों सहित जिले के विभिन्न गांवो में भी इस पर्व को मनाने के लिए लोगों में खासा उत्साह देखा गया।जहां सामूहिक रूप से लोगों ने इस पर्व की खुशियां मनाई।भुजलियां पर घरों में श्रद्धालुओं द्वारा बोई गई भुजलियों को विसर्जन के लिये गांव व मोहल्ले के प्रमुख चौक चौराहों में महिलाओं व युवतियों द्वारा लाकर एकत्रित किया गया।जहां सामुहिक रूप से एक साथ ढोल नगाड़ों की धुनों पर नदी तट, तालाब, नहरों व अन्य जलाशयों में पहुंचकर भुजलिया की विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर विसर्जित किया गया।भुजलियां विसर्जन के पश्चात गांव के देव स्थान व घरों में पूजा स्थल में भुजली चढ़ाकर आपस में एक दूसरे को भुजलियां देकर बधाईयां दी गई।वही छोटो ने बड़े बुर्जुगों का चरण छूकर उनका आर्शीवाद प्राप्त किया।

### नगर में इन जगहों पर दिखी भुजलिया की धूम

बात अगर बालाघाट नगरी क्षेत्र की करें तो, भुजलिया के पर्व विशेष पर नगरी क्षेत्र के मोतीतालाब, देवीतालाब, जागपुर घाट, व गायखुरी घाट में भुजलियां विसर्जन के लिये मेला सा माहौल देखा गया। इसके अलावा शहर से सटी ग्राम पंचायत कोसमी व खैरी में भी भुजलियां विसर्जन के लिये डीजे की धुनों के साथ शोभायात्रा निकाली गई। ग्राम पंचायत के समीप गांव की भुजलियां एकत्रित होकर विसर्जन के लिये नदी तालाब पहुंची। इस दौरान नई शादी वाले दूल्हे व दुल्हन भी सोलह श्रंगार में नजर आये। जहा वर्षो पुरानी परंपरा के अनुसार आज दिन विशेष पर शादी की मौर व मुकुट में लगी कलगी को भुजलियां के साथ विसर्जन किया गया।

### कृषि और प्रकृति से जुड़ा है यह पर्व

बताया गया कि यह पर्व कृषि और प्रकृति से जुड़ा हुआ है।जो अच्छी वर्षा और फसल की कामना के साथ मनाया जाता है। सावन मास के पश्चात भादों मास प्रारंभ हो जाता हैं। भादो मास के प्रथम दिवस भुजलियां का पर्व मनाया जाता है।सावन मास में नवमी तिथि में बांस की टोकरी में भुजलिया बोयी गई थी।जिसकी रक्षाबंधन के दिन विधिवत पूजन हुई। दूसरे दिवस पूजन करने के पश्चात तालाब, नहर ,नदी या जहां पर जल उपलब्ध रहे वहां पर विसर्जन किया गया। ये परम्परा प्राचीन समय से चली आ रही है जिसका निवर्हन आज भी पारम्परिक रीति-रिवाज के अनुसार किया जा रहा है।परम्परा के अनुसार गांव में शादी होकर आने वाली नई नवेली दुल्हन/बहुओं द्वारा चौक चौराहों में एक साथ रखी गई भुजलियों की टोकरी की 5 से 7 बार परिक्रमा की जाती है। इस दौरान महिलाओं द्वारा पारम्परिक भुजलियां गीत का गायन किया गया। इस पर्व को मनाने के लिए सभी वर्गों में खासा उत्साह नजर आया। जहां भुजलिया विसर्जन के पश्चात देर शाम पर्व विशेष का समापन किया गया।

# मुख्यमंत्री के जिला भ्रमण पर मुस्तैद रहा स्वास्थ्य अमला, चार विकासखंडों के विशेष रूट पर आयुष चिकित्सकों ने दी सेवाएं

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बालाघाट जिले के प्रवास और जन-विश्वास अभियानके मद्देनजर सुदूर जनजातीय और पूर्व नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पीएम जनमन योजना के तहत स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक विस्तार दिया गया । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दौरे की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप के निर्देशन और जिला आयुष अधिकारी डॉ. सवेदिता कुमरे के समन्वय से जिले के चार चिन्हांकित विकासखंडों (बालाघाट, परसवाड़ा, बैहर, लांजी) में संचालित पीएम जनमन मोबाइल मेडिकल यूनिट के लिए आयुष विभाग के चिकित्सा अधिकारियों की विशेष ड्यूटी लगाई गई ।

### रूट प्लान के अनुसार विकासखंडवार तैनात चिकित्सा अधिकारी

जिला स्वास्थ्य प्रशासन द्वारा तैयार की गई व्यापक कार्ययोजना के तहत जिले के बैहर, बिरसा एवं लांजी विकासखंड के अत्यंत सुदूर, पथरीले और घने जंगलों के बीच बसे ग्राम - बोन्दारी, कोरका, देवरबेली व सर्रा को लक्षित किया गया है। इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को आसान बनाने के लिए गतिशील मोबाइल मेडिकल यूनिट्स में आयुष चिकित्सा अधिकारियों को तैनात किया गया, यह दल घने जंगलों को पार कर उन टोलों और मजरे-टोलों तक पहुंच कर सेवाएं दी।

### दौरे के दौरान ग्रामीणों को मिला सुरक्षित उपचार

इन विशेष रूटों पर तैनात डॉ . राकेश ठाकरे, डॉ. सुशील शिववंशी, डॉ. मयंक उइके व डॉ. प्रीतेश मते ने मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से बैगा बाहुल्य परिवारों और स्थानीय ग्रामीणों का गहन स्वास्थ्य परीक्षण कर सर्दी, खांसी, बुखार और बरसाती सीजन में होने वाली मौसमी व संक्रामक बीमारियों के लिए आवश्यक पारंपरिक व आधुनिक दवाइयों का नि:शुल्क वितरण किया।


**न्यायालय नजूल अधिकारी, जिला बालाघाट म.प्र.**

**आम सूचना**

**क्रमांक / 179 / नजूल रीडर / 2026    बालाघाट तारीख 27/08/2026**

प्रकरण में आवेदक शेख, मोहम्मद शफी पिता स्व. शेख मोहम्मद अर्म निवासी वा.न. 07 बैहर रोड बालाघाट तहसील व जिला बालाघाट द्वारा मौजा बालाघा स्थित नजूल शीट कमांक 30 प्लाट नं. 25/1 क्षेत्रफल 158 वर्गमीटर पर अलीमुन्निर पति अ.अलीम सिद्धीकी के नाम पर दर्ज है। अलीमुन्निसा पति अ. अलीम सिद्धीकी व मृत्यु दिनांक 09.10.1994 को हो चुकी है। धारक की मृत्यु उपरांत पुत्री रजिया पित् अब्दुल अलीम (पति शेख मोहम्मद शफी) की भी मृत्यु दिनांक 26.05.2026 को हो चुक् है। आवेदक के द्वारा पत्नि की मृत्यु उपरांत फौती कटाई जाकर आश्रित वारसान में पि शेख मोहम्मद शफी का नाम नजूल प्रलेखों में दर्ज किये जाने निवेदन किया गया । जिसके आधार पर उक्त नामांतरण कार्यवाही में हित रखने वाले व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि या तो स्वयं अथवा किसी अभिभाषक द्वारा उपस्थित होकर नामांतरण् में किसी प्रकार की आपत्ति हो तो निश्चित दिनांक 15.09.2026 को कार्यालयीन समय मे प्रस्तुत कर सकते है। नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया। जावेगा।

**नजूल अधिकारी**
**जिला बालाघाट (म.प्र)**


# सड़क किनारे खड़ी बहनों और बच्चों को देखकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रुकवाई गाड़ी, राखी बंधवाकर किया आत्मीय संवाद

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 29 अगस्त को बालाघाट जिले के नक्सल प्रभावित रहे कोरका-बोंदारी क्षेत्र का दौरा कई आत्मीय और भावुक पलों का साक्षी बना। बीमारी से प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर जब मुख्यमंत्री डॉ. यादव वापस लांजी की ओर लौट रहे थे, तभी ग्राम देवरबेली में सड़क किनारे खड़ी बहनों और बच्चों को देखकर उन्होंने अपना काफिला रुकवा दिया। मुख्यमंत्री के अचानक गाड़ी रुकवाने और ग्रामीणों के बीच पहुंचने से वहां मौजूद लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। डॉ. यादव ग्रामीणों के बीच पहुंचे और बहनों एवं बच्चों से आत्मीयता के साथ मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। रक्षाबंधन के अवसर पर जनजाति बहुल गांव की बहनों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को राखी बांधी और उन्हें शुभ आशीष दिया। मुख्यमंत्री ने भी बहनों के स्नेह और आशीर्वाद को आत्मीयता से स्वीकार किया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रामीणों से सहज संवाद करते हुए उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने गांव और क्षेत्र से जुड़ी अपनी आवश्यकताओं एवं समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की बातें गंभीरता से सुनीं और आवश्यक कार्यवाही के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

### पहली बार मुख्यमंत्री के पहुंचने से ग्रामीणों में उत्साह

ग्राम देवरबेली के ग्रामीण इस बात से बेहद प्रसन्न और प्रभावित नजर आए कि उनके क्षेत्र में पहली बार किसी मुख्यमंत्री का आगमन हुआ है। मुख्यमंत्री का अचानक उनके बीच पहुंचना ग्रामीणों के लिए किसी सुखद आश्चर्य से कम नहीं था। विशेषकर बहनों और बच्चों में मुख्यमंत्री से मिलने तथा उन्हें राखी बांधने को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। ग्रामीणों ने कहा कि मुख्यमंत्री का सड़क किनारे रुककर सीधे उनके बीच आना यह दर्शाता है कि सरकार गांवों और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की भावनाओं और समस्याओं को समझने के लिए उनके बीच पहुंच रही है। मुख्यमंत्री के इस आत्मीय व्यवहार ने ग्रामीणों के बीच अपनत्व और विश्वास की भावना को और मजबूत किया। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव और देवरबेली की बहनों के बीच हुआ यह आत्मीय संवाद क्षेत्र के लोगों के लिए यादगार बन गया। मुख्यमंत्री ने भी बहनों के स्नेह, राखी और आशीर्वाद को क्षेत्र की मातृशक्ति का स्नेह बताते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया।

# इधर मुख्यमंत्री का आगमन, उधर आंदोलन पर पुलिस का पहरा

## धरना स्थल पर डटे रहे पुलिस कर्मचारी, प्रदर्शनकारियों पर बनाए रखी नजर

**पदमेश न्यूज़। बालाघाट।** जिले के आदिवासी अंचलो में बैगा आदिवासी समाज के बच्चों की खसरा, मलेरिया, चर्मरोग सहित अन्य बीमारियों से हुई मौतों के विरोध में चल रहे आंदोलन के बीच शनिवार को पुलिस की सख्ती देखने को मिली। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बालाघाट जिले के बीमारी प्रभावित आदिवासी ग्राम के दौरे के दौरान प्रदर्शन की आशंका को देखते हुए पुलिस ने आंदोलनकारियों पर पैनी नजर बनाए रखी।बताया गया कि आदिवासी समाज के युवा पिछले कई दिनों से बच्चों की मौत के मामले में जिम्मेदारों पर कार्रवाई, प्रभावित परिवारों को सहायता और क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन आंदोलन कर रहे हैं। शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रभावित आदिवासी ग्राम पहुंचने की सूचना के बाद पुलिस को आशंका थी कि आंदोलनकारी मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल तक पहुंचकर विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं।इसी के चलते पुलिस द्वारा आंदोलनकारियों को आंदोलन स्थल से हटाकर डिटेन किए जाने की तैयारी की गई थी। हालांकि, जब आंदोलनकारियों ने आंदोलन स्थल पर ही बैठे रहने की बात कही तो पुलिस ने वहां निगरानी बढ़ा दी और आंदोलन स्थल के आसपास पुलिस बल तैनात कर दिया। पूरे घटनाक्रम के दौरान आंदोलन स्थल पर पुलिस का पहरा बना रहा।

### मुख्यमंत्री के दौरे के बीच बढ़ी सियासी हलचल

मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान बैगा बच्चों की मौत का मुद्दा प्रमुख रूप से सामने रहा। एक ओर मुख्यमंत्री प्रभावित क्षेत्र में पहुंचकर हालात का जायजा लेने पहुंचे, वहीं दूसरी ओर विपक्षी संगठनों और आदिवासी युवाओं द्वारा सरकार के खिलाफ सवाल उठाए जाते रहे। आदिवासी अंचल में लगातार बच्चों की मौत का मामला अब जिले में बड़ा जन मुद्दा बन चुका है। स्वास्थ्य

विभाग की कार्यप्रणाली और आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। आदिवासी समाज के युवाओं का कहना है कि जब तक प्रभावित परिवारों को न्याय, उचित आर्थिक सहायता और क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था सुनिश्चित नहीं की जाती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।शनिवार को मुख्यमंत्री के दौरे के बीच पुलिस की सक्रियता और आंदोलनकारियों पर नजर रखने की कार्रवाई ने इस मुद्दे को और तूल दे दिया। अब आंदोलनकारियों और प्रशासन के बीच आगे क्या स्थिति बनती है, इस पर सभी की नजर बनी हुई है।

### सीएम का जमीन जिंदा है तो वह हमसे आकर मिले- इनवाती

आंदोलनकारी युवा सत्येंद्र इनवाती ने बताया कि हमारा धरना प्रदर्शन 21 अगस्त से शुरू हुआ है आज को मिलाकर करीब 27 बैगा बच्चों की मौत हो चुकी है सिस्टम की लचर व्यवस्था के कारण इंसाफ नहीं मिल पा रहा है मलेरिया विभाग स्वास्थ्य विभाग खाद्य विभाग टीकाकरण विभाग पोषण विभाग सहित अन्य जितने भी यह विभाग है सब इसके दोषी हैं हमारी मांग है कि परिजनों को न्याय मिले कार्यवाही के नाम पर स्थानांतरण कर दिया जा रहा है यह गलत है। जिम्मेदारों को सीधे बर्खास्त किया जाना चाहिए। वहीं मृतक बच्चों के परिजनों को एक-एक करोड रुपए के मुआवजे की राशि मिलनी चाहिए, आज मुख्यमंत्री बालाघाट आए तो पुलिस ने धरना प्रदर्शन पर पहरा लगा दिया, बालाघाट और भरवेली दोनों थानों के टीआई अपने अधीनस्थ स्टाफ के साथ आए थे हमें यहां से कहीं और ले जाने की बात कर रहे थे।लेकिन हमने उनसे साफ कह दिया कि हम मुख्यमंत्री का घेराव करने नहीं जाएंगे, बल्कि शांतिपूर्ण यहीं पर धरना देंगे। ऐसी स्थिति में वे तो चले गए लेकिन यहां पुलिस कर्मचारी छोड़ कर गए हैं।


**आम सूचना**

मैं मुकेश अग्रवाल अधिवक्ता सिविल कोर्ट वारासिवनी, तह. वारासिवनी जिला बालाघाट, आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं अपने पक्षकार देवीसिंह पिता प्रकाश सिंह ठाकुर, निवासी वार्ड नं. 10 ग्राम डोंगरिया, तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र की ओर से श्रीमति देशरी मानेश्वर पति रामचरण मानेश्वर एवं लक्ष्मी, संतोष, अशोक पिता रामचरण मानेश्वर सभी निवासी ग्राम रजेगांव तह. वारासिवनी जिला बालाघट एवं आम जनता को सूचित करता हूं कि मेरे पक्षकार द्वारा उपरोक्त वर्णित व्यक्तियों के संयुक्त स्वामित्व आधिपत्य की भूमि मौजा ग्राम डोंगरिया, प.ह.नं. 47/73, रा.नि.मं. कनकी तह. लालबर्रा, जिला बालाघाट में खसरा नंबर क्रमशः 299/4, 301/2ख, 302/4, 291/4ड रकबा क्रमशः 0.016 हे., 0.518 हे., 0.291, 0.389 हे. कुल भूमि 1.214 हे. भूमि को क्रय करने का सौदा उपरोक्त वर्णित व्यक्तियों से दिनांक 14.04. 2024 को किया गया है और उपरोक्त वर्णित व्यक्तियों द्वारा अग्रिम भुगतान भी प्राप्त कर लिया गया है और इस इकरारनामा मे मेरे पक्षकार, उपरोक्त वर्णित व्यक्तियों एवं गवाहो के भी हस्ताक्षर है और इस भूमि का विक्रय पत्र निष्पादन के मेरे पक्षकार द्वारा उपरोक्त वर्णित व्यक्तियों को कई बार कहा गया कि लेकिन उपरोक्त वर्णित व्यक्ति हमेशा से ही टालमटोल करते आ रहे है और मेरे पक्षकार के चाहने के बाद भी विक्रय पत्र निष्पादित नहीं हो पाया जिसकी वैधानिक कार्यवाही मेरे पक्षकार ने शुरू कर दिया है किन्तु इसी बीच में मेरे पक्षकार को ज्ञात हुआ है कि वर्णित भूमि को उपरोक्त वर्णित व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति को विक्रय करने जा रहे है इस कारण उपरोक्त वर्णित व्यक्तियों एवं आम जनता को सूचित किया जाता है सौदा भूमि का कोई भी हस्तातंरण प्रलेख किसी भी व्यक्ति या संस्था के पक्ष मे निष्पादित ना करे अन्यथा निष्पादित हस्तांतरण प्रलेख अवैध व शून्य होगा और मेरे पक्षकार पर बंधनकारक नही होगा।

वास्ते आम सूचना प्रेषित है।

**मुकेश अग्रवाल,अधिवक्ता**
**सिविल कोर्ट वारासिवनी**
**जिला बालाघाट**


# मलेरिया जांच नेगेटिंव, उधर बुखार के बाद ढाई साल के बच्चे की मौत

## परसा टोला के बैगा टोला का मामला, परिजनों ने स्वास्थ्य विभाग पर लगाए गंभीर आरोप; मौत के कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं, अधिकारियों का नही आया कोई बयान

**पदमेश न्यूज़। बालाघाट।** जिले के आदिवासी अंचल में बच्चों की लगातार हो रही मौतों के बीच एक और बच्चे की मौत का मामला सामने आया है। परसा टोला ग्राम पंचायत के बैगा टोला में ढाई साल के बच्चे हिमांशु मिरावी की बुखार के बाद मौत हो गई।परिजनों के अनुसार बच्चे को बुधवार से बुखार था। इसके बाद गांव में पहुंचे स्वास्थ्य विभाग के सीएचओ और एएनएम द्वारा बच्चे की मलेरिया जांच की गई। परिजनों का दावा है कि जांच रिपोर्ट निगेटिव आई थी।परिजनों का आरोप है कि मलेरिया जांच निगेटिव आने के बाद बच्चे को स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोई दवा नहीं दी गई। बुखार की स्थिति बनी रहने के बाद करीब तीन दिन के भीतर बच्चे की मौत हो गई। घटना के बाद बैगा टोला सहित आसपास के क्षेत्र में चिंता का माहौल है।

### मलेरिया निगेटिव, फिर भी बुखार बना रहा

परिजनों के मुताबिक बच्चे को लगातार बुखार रहने के बावजूद मलेरिया जांच निगेटिव बताई गई। इसके बाद बच्चे को किस बीमारी के कारण बुखार था और उसे आगे किस प्रकार का उपचार दिया गया, इसे

लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। परिजनों का आरोप है कि जांच के बाद बच्चे को आवश्यक दवा नहीं मिली।

### मौत के कारण पर आधिकारिक पुष्टि बाकी

बच्चे की मौत मलेरिया से हुई या किसी अन्य बीमारी अथवा संक्रमण के कारण, इसकी अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। स्वास्थ्य विभाग अथवा प्रशासन की ओर से भी घटना और उपचार संबंधी परिस्थितियों को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। ऐसे में मौत का वास्तविक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

### लगातार सामने आ रहे बच्चों की मौत के मामले

आदिवासी बहुल क्षेत्रों में बुखार, मलेरिया, खसरा, त्वचा संबंधी बीमारी और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के बीच बच्चों की मौत के मामले लगातार चिंता का विषय बने हुए हैं। ऐसे में परसा टोला के बैगा टोला में हुई इस बच्चे की मौत ने एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं और समय पर उपचार को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब निगाहें स्वास्थ्य विभाग की जांच और आधिकारिक रिपोर्ट पर हैं।ज्ञात हो कि आज (शनिवार) सुबह ही एक 10 वर्षीय बच्ची की मौत का भी मामला सामने आया था। सुबह को सामने आए इस मामले के बाद शाम को एक ढाई साल के बच्चे की मौत होने की यहां दूसरी घटना सामने आई है।

# सेवानिवृत्त कर्मचारियों की मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** मध्य प्रदेश सेवानिवृत्त शिक्षक संगठन एवं ऑल प्रगतिशील पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी परेश उपलव को मांग पत्र सौंपा।जिला अध्यक्ष टी.एल. भालेकर, सचिव सुरेश बंसोड़, श्यामलाल डहाटे, जिला अकादमिक सदस्य सुनील मेश्राम सहित कर्मचारियों ने मांग की कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पेंशन प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण कर भुगतान किया जाए। साथ ही वित्त विभाग के 8 मार्च 2018 के आदेश के अनुसार 300 दिनों का अर्जित अवकाश स्वीकृत करने तथा जिला परामर्शदात्री समिति की बैठक में संगठन पदाधिकारियों को शामिल करने का अनुरोध किया गया।इस दौरान जिला अध्यक्ष टी.एल. भालेकर एवं अकादमिक सदस्य सुनील मेश्राम ने बताया कि श्रीमती अनुसूईया भालेकर, एएनएम, को 30 अप्रैल 2022 की सेवानिवृत्ति के बाद 259 दिनों के अर्जित अवकाश का लाभ दिया गया है, जबकि शेष 41 दिनों का आर्थिक भुगतान अब तक नहीं हुआ है। उन्होंने शीघ्र भुगतान की मांग की।जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने मांग पत्र का अवलोकन कर शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। साथ ही आगामी जिला परामर्शदात्री समिति की बैठक में संगठन पदाधिकारियों को आमंत्रित करने की बात कही।


**बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध**

**लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध**

निर्माता

**तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स**

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

## न्यूज गैलरी

### राष्ट्रीय खेल दिवस पर हुआ खेल प्रतिभाओं का सम्मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 'खेलेगा भारत, जीतेगा भारत' अभियान के तहत जिला मुख्यालय सहित विभिन्न

विकासखंडों में 28 से 30 अगस्त तक खेल गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। जिला खेल एवं कल्याण विभाग द्वारा जिला खेल अधिकारी राहुल बरेसा के मार्गदर्शन में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।जिला मुख्यालय स्थित मुलना स्टेडियम के कराते हॉल में कराते प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हॉकी के जादूगर एवं महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर जिला खेल अधिकारी सहित खिलाड़ियों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता में लगभग 60 बालक-बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।प्रतियोगिता समापन अवसर पर विजेता एवं सहभागी खिलाड़ियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कराते प्रशिक्षक संतोष पारधी के मार्गदर्शन में जिले के खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों के सहयोग से प्रतियोगिता संपन्न हुई।

#### कटंगी में खो-खो और फुटबॉल प्रतियोगिताएं

इसी क्रम में विकासखंड कटंगी में भी राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। शासकीय कन्या माध्यमिक शाला में प्रधान पाठक एम.एल. भलावी, ब्लॉक युवा समन्वयक संतोष पारधी सहित अन्य सहयोगियों की मौजूदगी में खिलाड़ियों ने खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया। वहीं ग्राम बनेरा में सरपंच, खेल प्रशिक्षक आनंद रोकड़े सहित अन्य युवाओं के सहयोग से खो-खो एवं फुटबॉल खेल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लक्ष्मी मेरावी, पुस्तलता शेडे, उषा मासूरकर, अनीता देशमुख, दुर्गा रंहगडाले सहित खेल प्रशिक्षकों एवं खिलाड़ियों ने सहभागिता की। जिला खेल विभाग के योगेंद्र पटले, केदार ठाकरे, अरविंद पटले, धीरज डोंगरे, दीपक औचट, लव कुमार नगपुरे, दिव्या मोहारे, शुभम मनेश्वर, संजू मेश्राम, मौली कावेरी, ईशा चौरागढ़, डॉली माहुरकर, नेहा झाडे, सतीश, शिवम सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित इन गतिविधियों का उद्देश्य बच्चों एवं युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना तथा उनमें खेल भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना रहा।

# मुख्यमंत्री का घेराव करने जा रहे एनएसयूआई युवाओ को पुलिस ने किया गिरफ्तार

## बैगा बच्चों के परिजनों को 50-50 लाख मुआवजा और छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग, जिला अध्यक्ष बोले—न सवाल रुकेंगे, न संघर्ष

**पदमेश न्यूज़। बालाघाट।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के लांजी आगमन के दौरान सीएम का घेराव करने जा रहे एनएसयूआई कार्यकर्ताओ को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। एनएसयूआई कार्यकर्ता बैगा अंचल में हुई बच्चों की मौत और छात्रसंघ चुनाव के मुद्दे को लेकर सरकार से जवाब मांगने के लिए सीएम का घेराव करने जा रहे थे।एनएसयूआई जिला अध्यक्ष शिवम शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ता मुख्यमंत्री से मुलाकात कर दो प्रमुख मांगें रखना चाहते थे। संगठन का आरोप है कि मुख्यमंत्री से मिलने और अपनी बात रखने जा रहे कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रास्ते में ही रोक दिया।एनएसयूआई ने बैगा आदिवासी अंचल में बीमारी से हुई बच्चों की मौत के मामले में प्रत्येक मृतक बच्चे के परिवार को 50-50 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की है। संगठन का कहना है कि प्रभावित परिवारों ने अपने बच्चों को खोया है और सरकार की जिम्मेदारी है कि उन्हें आर्थिक सहायता के साथ न्याय भी मिले। शिवम शर्मा ने कहा कि यह केवल मुआवजे का मामला नहीं है, बल्कि पीड़ित आदिवासी परिवारों के प्रति सरकार की जवाबदेही का सवाल है।

### छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की भी मांग

एनएसयूआई ने प्रदेश में छात्रसंघ चुनाव जल्द बहाल किए जाने की मांग भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखने का प्रयास किया। संगठन का कहना है कि उच्च न्यायालय के आदेश के अनुरूप छात्रसंघ चुनाव कराए जाने चाहिए, ताकि विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक तरीके से अपनी समस्याएं और मांगें उठाने का अवसर मिल सके। एनएसयूआई ने सरकार से चुनाव की प्रक्रिया जल्द शुरू करने की मांग की है।

### पुलिस ने रोक ली क्या,संघर्ष हमारा जारी रहेगा

कार्यकर्ताओ ने स्पष्ट किया कि बैगा बच्चों की मौत के मामले में पीड़ित परिवारों को न्याय और छात्रहित के मुद्दों को लेकर एनएसयूआई का संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कहा, न सवाल रुकेंगे, न संघर्ष रुकेगा।

एनएसयूआई ने सरकार से मांग की है कि बैगा अंचल में हुई बच्चों की मौत के मामले में प्रभावित परिवारों को उचित आर्थिक सहायता दी जाए और छात्रसंघ चुनाव को लेकर आवश्यक प्रक्रिया जल्द पूरी कर विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व का अधिकार दिया जाए।

### कार्यकर्ताओं को रोकना गलत जिम्मेदारी ने नही भाग सकते सीएम- शिवम

एनएसयूआई जिला अध्यक्ष शिवम शर्मा ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री से लोकतांत्रिक तरीके से सवाल करने जा रहे कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रास्ते में ही रोक दिया। उन्होंने कहा कि यदि सरकार छात्रों और बैगा पीड़ित परिवारों की समस्याओं को सुनने के लिए तैयार है तो कार्यकर्ताओं को रोकने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए।सवालों से रास्ता रोककर नहीं, जवाब देकर लोकतंत्र मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि पुलिस की कार्रवाई के बावजूद संगठन अपने मुद्दों से पीछे नहीं हटेगा।

# डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एकेडमी ने मनाया राष्ट्रीय खेल दिवस

## खिलाडियों व संस्थाओं का किया सम्मान, दीक्षा कटरे को बालाघाट एकलव्य व मनोज उपवंशी द्रोणाचार्य पुरस्कार से हुए सम्मानित

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद का जन्मदिवस राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में पूरे देश में 29 अगस्त को मनाया गया। इसी कड़ी में डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एकेडमी द्वारा शहर मुख्यालय स्थित निजी लॉन में खेल दिवस व सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें पहली बार बालाघाट एकलव्य पुरस्कार व बालाघाट द्रोणाचार्य पुरस्कार एक-एक खिलाड़ी को प्रदान किया गया। इसमें दीक्षा कटरे को बालाघाट एकलव्य व मनोज उपवंशी को द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अलावा जिले का नाम राष्टीय एवं अंतरराष्टीय स्तर रोशन करने वाले खिलाड़ी व उन कोचों व खेल संगठनों का जिन्होंने ऐसे खिलाडियों को तैयार किया है उन्हें भी स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित अतिथियों द्वारा मेजर ध्यानचंद के छायाचित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस दौरान क्लब अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी, अध्यक्षता पूर्व नपाध्यक्ष रमेश रंगलानी, विशेष अतिथि नपा उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, सांसद प्रतिनिधि सुशील वर्मा, शतरंज संघ अध्यक्ष विरेन्द्र जैन, अग्रवाल समाज अध्यक्ष हरिओम अग्रवाल, पूज्य सिंधी समाज अध्यक्ष अमर मंगलानी, अमर लोढ़ा सहित अन्य उपस्थित रहे।

### जिले के खिलाड़ी कर रहे बेहतर प्रदर्शन-किरण भाई

आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि किरण भाई ने कहा कि जिले में विभिन्न खेल संगठनों द्वारा साल भर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। जिले के खिलाडियों द्वारा विभिन्न खेलों में राज्य व नेशनल एवं अंतर्राष्टीय प्रतियोगिता में शामिल होकर जिले व संस्थाओं का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि खेल मैदान व कुशल प्रशिक्षकों का अभाव होने के बाद भी खिलाड़ी बेहतर खेल का प्रदर्शन कर रहे है।

### 23 वर्षो से लगातार हो रहा आयोजन-तपेश

इस संबंध में डिस्टिक स्पोर्ट्स एकेडमी के अध्यक्ष तपेश असाटी ने कहा कि लगातार 23 वर्ष से संस्था द्वारा राष्टीय खेल दिवस पर खिलाडियों का सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। खेल संगठनों द्वारा साल भर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। लेकिन शासन द्वारा किसी भी तरह से आर्थिक रूप से मदद नहीं की जाती है। खिलाडियों को खेल संगठनों द्वारा राज्य व राष्टीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए तैयार किया जाता है। जिन खिलाडियों का चयन राष्टीय स्तर पर किया जाता है उन्हें भी संगठन व खिलाड़ी स्वयं अपनी राशि व्यय कर प्रतियोगिता में शामिल होने पहुंचते है। उन्होंने शासन से प्रतिभावान खिलाडियों के लिए आर्थिक सहयोग राशि प्रदान किए जाने व मेजर ध्यानचंद जो हॉकी के जादूगर थे उन्हें खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किए जाने की मांग रखी है।

### इन्होंने भी रखे अपने विचार

इस अवसर पर पूर्व नपाध्यक्ष रमेश रंगलानी ने कहा कि खेल गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए खेल संगठनों द्वारा काफी प्रयास किया जाता है। इससे विभिन्न खेलों में बच्चे अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाते हुए जिले का नाम गौरान्वित कर रहे है। वहीं सांसद प्रतिनिधि सुशील वर्मा ने कहा कि जिले में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। लेकिन उन्हें मैदान व पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिल पाती है। बावजूद इसके बच्चे खेलों में स्टेट व नेशनल प्रतियोगिता में चयनित होकर बेहतर प्रदर्शन कर मेडल जीत रहे है। इस दौरान नपा उपाध्यक्ष योगेश बिसेन ने कहा कि साइकिलिंग प्रतियोगिता में संसाधनों के अभाव के बावजूद जिले के खिलाड़ी बड़ी संख्या में संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित होकर नेशनल प्रतियोगिता में भी बेहतर प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन कर रहे है। इन खिलाडियों को शासन व किसी संगठनों द्वारा साइकिल के लिए आर्थिक सहायता नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि आज प्रतियोगिता के लिए रेसर साइकिल डेढ़ लाख से अधिक की मिल रही है। लेकिन गरीब व मध्यमवर्गीय परिवार के बच्चें इतनी महंगी साइकिल नहीं खरीद पाते है। उन्होंने शासन-प्रशासन से मांग की है वे इस ओर ध्यान दे व किसी भी खेलों में प्रतिभावान खिलाडियों को आगे बढ़ाने यथासंभव सहायता पहुंचाने का प्रयास करें। इस अवसर पर देवेन्द्र चंदेल, नरेश धुवारे, आदित्य पंडित, सुभाष गुप्ता, इकबाल मंसूरी, अभिषेक पांडे, दशरथ बिसेन, दिलीप राजपूत, सुधीर तोमर, सौरभ बाघरेचा, श्रीवास्तव जी, कमल तिलासी, सहित डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एकेडमी के पदाधिकरी आशीष मिश्रा, विपिन अग्रवाल, चंद्रहास शर्मा सहित उपस्थित रहे।

# महिला लोधी क्षत्रिय महासभा की जिला एवं ब्लॉक कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आज

## कमला नेहरू हॉल में होगा भव्य आयोजन, शपथ ग्रहण के बाद निकलेगी रैली और होगा भुजली विसर्जन

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** जिला महिला लोधी क्षत्रिय महासभा, बालाघाट द्वारा नवगठित जिला एवं ब्लॉक कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह एवं भुजली (कजरिया) कार्यक्रम 30 अगस्त, रविवार को भव्य रूप से आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात: 11 बजे कमला नेहरू हॉल, सर्किट हाउस रोड, बालाघाट में होगा। आयोजन को लेकर महिला महासभा द्वारा सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।इस गरिमामय आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में जालम सिंह पटेल, प्रदेश अध्यक्ष मध्यप्रदेश लोधा-लोधी क्षत्रिय महासभा एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री मध्यप्रदेश शासन, भोपाल, श्रीमती अनुभा मुंजारे, विधायक बालाघाट विधानसभा क्षेत्र, श्रीमती कमलेश वर्मा, महिला प्रदेश अध्यक्ष मध्यप्रदेश लोधा-लोधी क्षत्रिय महासभा, लोकेश कुमार लिल्हारे, जीएसटी कमिश्नर मध्यप्रदेश शासन, भोपाल तथा राजकुमार करांहे, विधायक लांजी विधानसभा क्षेत्र की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।कार्यक्रम में प्रमुख अतिथियों के रूप में योगेश उर्फ राजा लिल्हारे, उपाध्यक्ष जिला पंचायत बालाघाट, उदय सिंह नागपुर, उपाध्यक्ष मध्यप्रदेश लोधा-लोधी क्षत्रिय महासभा, श्रीमती रुक्मणी मिगेश माहुले, जिला पंचायत सदस्य बालाघाट, श्रीमती चेतन अजय कुर्राहे, जिला पंचायत सदस्य बालाघाट, श्रीमती ज्योति ईश्वर उमरे, जिला पंचायत सदस्य बालाघाट, श्रीमती मीना सुधीर दशरीये, जिला पंचायत सदस्य बालाघाट तथा श्रीमती सुनीता मानसिंह बहेटवार, जिला पंचायत सदस्य बालाघाट उपस्थित रहेंगी।कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अशोक लिल्हारे, जिला अध्यक्ष लोधा-लोधी क्षत्रिय महासभा बालाघाट द्वारा की जाएगी।

### शपथ ग्रहण के साथ रैली और भुजली विसर्जन

आयोजन की रूपरेखा के अनुसार प्रात: 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक नवगठित जिला एवं ब्लॉक महिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होगा। इस दौरान नवनियुक्त पदाधिकारियों को संगठन एवं समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की शपथ दिलाई जाएगी।इसके पश्चात दोपहर 2 बजे से 3 बजे तक भोजन की व्यवस्था रहेगी। वहीं दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक रैली एवं भुजली विसर्जन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। रैली के माध्यम से सामाजिक एकता, महिला सशक्तिकरण और समाज की गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाने का संदेश दिया जाएगा।

### महिलाओं की सामाजिक सहभागिता को मिलेगा नया आयाम-शीला नगपुरे

जिला महिला लोधा-लोधी क्षत्रिय महासभा की जिला अध्यक्ष श्रीमती शीला नगपुरे ने कहा कि नवगठित जिला एवं ब्लॉक कार्यकारिणी का यह शपथ ग्रहण समारोह केवल संगठनात्मक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज की महिलाओं को एकजुट कर उन्हें सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के लिए प्रेरित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। महिलाओं की सक्रिय सहभागिता से समाज को नई दिशा और मजबूती मिलेगी।उन्होंने कहा कि महासभा का उद्देश्य समाज की महिलाओं को संगठन से जोड़ना, सामाजिक समरसता एवं एकजुटता को मजबूत करना तथा समाजहित में रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देना है। भुजली कार्यक्रम हमारी सांस्कृतिक एवं सामाजिक परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण आयोजन है, जिसे सामूहिक सहभागिता के साथ मनाया जाएगा।श्रीमती शीला नगपुरे ने जिला एवं ब्लॉक कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों, समाज की मातृशक्ति, युवाओं एवं समस्त स्वजातीय बंधुओं से 30 अगस्त को प्रात: 11 बजे कमला नेहरू हॉल, सर्किट हाउस रोड, बालाघाट पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।उन्होंने कहा कि समाज की एकता, महिलाओं की भागीदारी और नई कार्यकारिणी के उत्साह को देखते हुए यह आयोजन ऐतिहासिक एवं यादगार बनने जा रहा है।

# राष्ट्रीय खेल दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन,हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को किया नमन

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस स्थानीय शहीद चंद्रशेखर एस्ट्रोटर्फ हॉकी मैदान में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया।नेहरू स्पोर्टिंग क्लब के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल प्रेमियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रमुख अतिथि रमेश रंगलानी ने कहा कि मेजर ध्यानचंद ने अपने अद्भुत खेल से भारत को ओलंपिक में स्वर्ण पदक दिलाकर देश का मान बढ़ाया था। उन्होंने कहा कि आज जिले में खेलों के प्रति बच्चों का रुझान तेजी से बढ़ रहा है, जो एक शुभ संकेत है। जो बच्चा मैदान में खेलेगा, वह कक्षा में भी बेहतर प्रदर्शन करेगा। खेल से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि अनुशासन और टीम भावना भी विकसित होती है।

### ध्यानचंद जी को दुनिया हॉकी का जादूगर कहती है-किरण भाई

वही नेहरू स्पोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि मेजर ध्यानचंद को दुनिया हॉकी का जादूगर कहती है। उनकी जयंती को पूरे देश में राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि नेहरू स्पोर्टिंग क्लब पिछले कई वर्षों से जिले की छिपी हुई खेल प्रतिभाओं को निखारने का काम कर रहा है।हमारे जिले के खिलाड़ी आज राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर बालाघाट का नाम रोशन कर रहे हैं।

### इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष रमेश रंगलानी रहे, जबकि अध्यक्षता नेहरू स्पोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में हॉकी मध्यप्रदेश के उपाध्यक्ष विजय वर्मा, वरिष्ठ समाजसेवी सुभाष गुप्ता, ऋषभ दास वैद्य, सतीश चिले एवं कमलजीत सिंह छाबड़ा मंचासीन रहे।इस अवसर पर क्लब के उपाध्यक्ष सुशील वर्मा, सहसचिव मकरंद अंधारे, प्रभात तिवारी, संदीप नेमा, वामन उके, गोपाल धुर्वे, विजय डेनियल, फिरोज खान, सत्यम वर्मा सहित हॉकी प्रशिक्षक दिव्या मोहारे, छाया सौलखे एवं बड़ी संख्या में युवा खिलाड़ी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन उपाध्यक्ष सुशील वर्मा द्वारा किया गया।

# आस-पास की खबरें

## बहनों ने भाईयों की कलाईयों पर बांधी प्रेम की डोर

खमरिया क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भाई-बहन के अटूट स्नेह का महापर्व रक्षाबंधन

**पद्मेश न्यूज। खमरिया/लालबर्रा।** जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत ग्राम पंचायत खमरिया सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में रक्षाबंधन की धुम रही। भाई बहन के अटूट स्नेह का पर्व रक्षाबंधन 28

अगस्त को उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने अपने भाईयों की कलाई पर स्नेह की डोर सजाई तो भाई ने भी बहन को उपहार दिये और जीवन भर उसकी रक्षा करने का संकल्प लिया। जिसमें रक्षाबंधन का उल्लास बहनों के चेहरों पर था और भाई भी बहनों की खुशी में आन्दित नजर आये। विशेष कर छोटे भाईयों ने भी अपनी नन्ही बहनों के हाथों से राखी बंधवाई और खुशिया मनाई। रक्षाबंधन को लेकर क्षेत्र में खुशियों भरा माहौल रहा। कई बहने दूर दराज अपने ससुराल से आकर अपने भाईयों के घर रक्षासूत्र बांधने पहुंची तो भाई भी अपनी बहनों से मिलने के लिये उपहार लेकर पहुंचे। जहां थाल सजाकर चंदन रोली का तिलक कर भाईयों के कलाईयों पर रक्षासूत्र बांधा और भाईयों की पसंदीदा मिठाइयां खिलाई। भाईयों ने भी अपनी बहनों को मनपसंद उपहार देकर खुश कर दिया, जिससे रक्षाबंधन पर्व को यादगार बन गया। इस तरह से खमरिया क्षेत्र में भाई-बहन के स्नेह, प्रेम का पर्व रक्षाबंधन धार्मिक आस्थाओं एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

# बकोड़ा में शोभायात्रा निकालकर विसर्जित की गई भुजलियां

## युवाओं ने किया डांड-पट्टा का उत्कृष्ट प्रदर्शन, डांड-पट्टा से स्वयं की रक्षा कर सकते है - श्रीराम

**रिपोर्टर।**
**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।**

नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत बकोड़ा में भुजलिया का पर्व शनिवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर युवती और महिलाओं के द्वारा अपने-अपने घरों के आंगन में भुजलियों को निकालकर पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात सभी युवती व महिलाएं बालाघाट रोड़ स्थित सांई मंदिर चौक में एकत्रित हुई। जिसके पश्चात ढोल शहनाई और संगीतमय वातावरण में भुजलियों को लेकर शोभायात्रा निकाली गई यानि (कतारबध्द ) रूप में ग्राम स्थित तालाब पहुंचकर भुजलिया रखकर भुजलियों की परिक्रमा कर पूजन अर्चन किया गया तत्पश्चात भुजलियों का विसर्जन किया। जिसके बाद देवी-देवताओं को अर्पित कर परस्पर एक-दुसरे को भुजली भेंट कर भुजजिया पर्व की शुभकामनाएं दी एवं बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान नवयुवकों के द्वारा सांई मंदिर चौक में डांड पट्टा का प्रदर्शन कर स्वयं की रक्षा कैसे कर सकते उसके बारे में बताया गया जो आकर्षण का केन्द्र रहा। चर्चा में बकोड़ा सरपंच प्रतिनिधि श्रीराम नागेश्वर ने बताया कि रक्षाबंधन पर्व के दुसरे दिन भुजलिया पर्व मनाया जाता है और शनिवार को ग्राम बकोड़ा में परिवार की सुख-समृध्दि का प्रतीक माने जाने वाली भुजलिया का पर्व परंपरागत रूप से मनाया गया। इस अवसर पर ग्राम की युवती व महिलाएं अपने-अपने आंगनों में भुजली की विधि-विधान से पूजा अर्चना कर सांई मंदिर चौक पहुंचे। जहां से शोभायात्रा के माध्यम से ग्राम स्थित तालाब पहुंचकर भुजलियों को विसर्जित किया गया। श्री नागेश्वर ने बताया कि इस दौरान ग्राम के बजरंग दल के युवाओं के द्वारा डांड-पट्टा का उत्कृष्ट प्रदर्शन भी किया गया जो आकर्षण का केन्द्र रहा और इस डांड-पट्टा के माध्यम से स्वयं की रक्षा कैसे करना है यह सीखने को मिलता है। वहीं उपस्थित महिलाओं ने बताया कि सावन मास के 8 दिन पहले ही घरों में भुजली बोई जाती है और रक्षाबंधन पर्व के दुसरे दिन भादो माह के प्रथम दिन भुजली की विधि-विधान से पूजा अर्चना कर विसर्जित किया जाता है। साथ ही यह भी बताया कि यह त्यौहार सभी मिल जुलकर हर्षोल्लास के साथ मनाते है। आगे बताया कि भुजलियां विसर्जित करने के बाद मंदिरों में चढ़ाने के बाद एक-दुसरे को भुजलिया भेंट कर भुजलिया पर्व की शुभकामनाएं दी जाती है । यह भाई बहनों के प्रेम का त्यौहार है, इसी तरह का प्यार हमेशा उनके जीवन में बनी रहे यही कामना ईश्वर की जाती है। इस अवसर पर ग्राम की युवती-महिलाएं एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

# हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भुजलियां पर्व

## पारंपरिक रूप से कुएं, हेंडपंप, तालाब एवं नदियों के तट में विसर्जित की गई भुजलियां

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में 29 अगस्त को सामाजिक सद्भाव, प्रेम और सम्मान का प्रतीक भुजलियां पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शाम होते ही युवती व महिलाओं ने घरों में बोई गई भुजली की विधि-विधान से पूजा अर्चना की। जिसके बाद सभी तालाब, हेंडपंप, कुएं व नदियों के तट पर पहुंचकर भुजलियों को विसर्जित कर देवी-देवताओं को भुजलियां अर्पित की तत्पश्चात एक-दुसरे को परस्पर भुजलियां भेंट कर अपने बड़े-बुजुर्गो से आशीर्वाद प्राप्त किया। इसी तरह नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली, पांढरवानी के कुम्हारी मोहल्ला, जाम, नगपुरा सहित अन्य ग्रामीण अंचलों में भी युवती व महिलाओं के द्वारा भुजलियों की विधि-विधान से पूजा अर्चना कर कुछ लोगों ने कुएं, हेंडपंप, तालाब व सर्राटी नदी के तट पर पहुंचकर भुजलियां विसर्जित कर एक-दुसरे को भेंट कर भुजली पर्व की शुभकामनाएं दी। आपकों बता दे कि भुजलियां पर्व का यह त्यौहार रक्षाबंधन के दूसरे दिन धूमधाम से मनाया जाता है जो मूलत: अच्छी फसल की कामना के लिए मनाया जाता है। इस दौरान खेतों में धान के अलावा कई प्रकार की फसलें तैयार होने की स्थिति में होती हैं। भुजलियां पर्व की तैयारी नागपंचमी से ही शुरू हो जाती है और इस पर्व पर घरों में गेहूं या जौ बोई जाती है जिन्हे भुजलियां कहा जाता है। इस दिन पूजा-अर्चना के बाद लोग अपने गांव, मोहल्ले और नगरों में गणमान्य नागरिकों, पारिवारिक बड़े-बुजुर्गो को भुजलियां भेंट कर उनसे आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। चर्चा में महिलाओं ने बताया कि रक्षाबंधन पर्व के एक सप्ताह पूर्व से गेहूं बोई जाती है जिसे भुजली कहते है। जिसकी सुबह-शाम पूजा अर्चना करते है एवं रक्षाबंधन पर्व के दुसरे दिन विधि-विधान से पूजा अर्चना कर पारंपरिक रूप से कुएं, तालाब व नदियों में भुजली को विसर्जित किया गया तत्पश्चात देवी-देवताओ को अर्पित कर बडे-बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया गया एवं सभी को पर्व की शुभकामनाएं दी गई।

# उत्कृष्ट विद्यालय से संस्कृत सप्ताह पर निकाली गई कलश रैली

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** शासन के निर्देशानुसार शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा में 25 अगस्त से 31 अगस्त तक संस्कृत सप्ताह के तहत विभिन्न सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 29 अगस्त को विद्यालय परिसर से छात्र-छात्राओं और शिक्षकों द्वारा एक भव्य कलश रैली निकाली गई। इस कलश रैली में विद्यार्थियों और शिक्षक वृंद ने अत्यंत उत्साहपूर्वक भाग लिया। सिर में कलश लिए रैली में शामिल विद्यार्थियों ने वंदे मातरम, जयतु भारतम् और जयतु संस्कृतम् जैसे प्रेरक नारों तथा मधुर श्लोकों के सस्वर गायन से पूरे नगर को गुंजायमान कर दिया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य जन-सामान्य में देववाणी संस्कृत भाषा के प्रति जागरूकता फैलाना और इसके पौराणिक व व्यावहारिक महत्व को रेखांकित करना था। नगर भ्रमण के दौरान जगह-जगह पर लोगों ने रैली का स्वागत किया। विद्यालय परिवार ने आमजन से संस्कृत भाषा के संरक्षण और संवर्धन में सहयोग देने की अपील की। चर्चा में उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा के शिक्षक धर्मेन्द्र टेंभरे ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार 25 से 31 अगस्त तक संस्कृत सप्ताह मनाया जा रहा है। 25 अगस्त को इसका शुभारंभ तिलक लगाकर और संस्कृत श्लोकों के गायन के साथ किया गया था। इसी क्रम में 29 अगस्त को संस्कृत विद्यार्थियों एवं समस्त छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों के सहयोग से कलश रैली निकाली गई। श्री टेंभरे ने बताया कि संस्कृत हमारी समस्त भारतीय भाषाओं की जननी (मातृभाषा) है। यह भाषा केवल प्राचीन धरोहर नहीं है, बल्कि आज के आधुनिक युग में भी बेहद आवश्यक है। भविष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक तकनीकों में संस्कृत भाषा के उपयोग और इसके फायदों के प्रति भी विद्यार्थियों को जागरूक किया जा रहा है। संस्कृत सप्ताह के अंतर्गत निर्धारित तिथियों में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं भाषा ज्ञान को बढ़ाने के लिए अलग-अलग शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों व प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें छात्र-छात्राएं बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। इस अवसर पर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा के प्राचार्य सनत दुबे सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# पनबिहरी-टेकाड़ी ला. मार्ग पर बना जानलेवा गड्डा, हादसों को दे रहा न्योता, जिम्मेदार बे-खबर

## सड़क पर बने गड्डों का जल्द मरम्मत कार्य करवाने की उठी मांग

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत पनबिहरी से टेकाड़ी ला. जाने वाला मुख्य मार्ग इन दिनों राहगीरों के लिए मुसीबत का सबब बना हुआ है। पनबिहरी के पास सड़क पर बना गहरा एवं जानलेवा गड्ढे के साथ ही अन्य स्थानों पर बने गड्ढे आये दिन हादसों को न्योता दे रहा है। जबकि मुख्य मार्ग होने के कारण इस रास्ते से रोजाना सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण, पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राएं नगर मुख्यालय आवागमन करते है। लेकिन सड़क की यह बदहाली किसी बड़े हादसे के इंतजार में नजर आ रही है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजन एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त है। वहीं ग्रामीण एवं राहगीरों ने प्रशासन से सड़क पर बने जानलेवा गड्डों एवं सड़क का जल्द मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

### बारिश का पानी और अंधेरा बढ़ा रहे खतरा

पनबिहरी से टेकाड़ी ला. के बीच सड़क पर बने इस जानलेवा गड्ढे में बारिश का पानी भर जाने के कारण राहगीरों को इसकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता। वहीं रात के समय रोशनी (प्रकाश) का उचित प्रबंध न होने से यह गड्ढा पूरी तरह अदृश्य हो जाता है। नतीजतन, दुपहिया और चौपहिया वाहन चालक रोजाना असंतुलित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। आये दिन हो रही छोटी-बड़ी घटनाओं से स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। जबकि इस मार्ग से रोजाना आधा दर्जन से अधिक ग्रामों के ग्रामीणजन एवं स्कूली बच्चें इस मार्ग से आवागमन करते है और सड़क का खस्ताहाल होने के साथ ही कुछ स्थानों पर सड़क के बीचों-बीच जानलेवा गड्ढे बन गये है जो दुर से दिखाई नही देते है। ऐसी स्थिति में सबसे अधिक परेशानी स्कूली ब'चों को रही है। जबकि सड़क की इस समस्या से कई बार जिम्मेदारों को अवगत करवा दिया गया है लेकिन उनके द्वारा भी इस ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है, जिससे सभी में आक्रोश व्याप्त है। वहीं राहगीर एवं ग्रामीणों का कहना है कि इस सड़क की समस्या से क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभाग के अधिकारियों को कई बार अवगत करवाया जा चुका है। इसके बावजूद अब तक इस दिशा में कोई ध्यान नहीं दिया गया है। ग्रामीणों ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशासन शायद किसी बड़ी अनहोनी के होने का इंतजार कर रहा है। ग्रामीण एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से पुरजोर मांग की है कि पनबिहरी-टेकाड़ी ला. मार्ग पर स्थित इस जानलेवा गड्ढे को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल भरवाकर सड़क का मरम्मत कार्य करवाये ताकि दुर्घटनाओं पर अंकुश लग सके और राहगीर सुरक्षित आवागमन कर सके।

# लालबर्रा महाविद्यालय का जबलपुर संभाग के क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक ने किया औचक निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा शासकीय महाविद्यालयों में किये जा रहे औचक निरीक्षण की श्रृंखला में शनिवार को उच्च शिक्षा विभाग जबलपुर संभाग के क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक प्रो. अलकेश चतुर्वेदी द्वारा शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा का औचक निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य के द्वारा अतिरिक्त संचालक महोदय स्वागत किया गया। इस दौरान महाविद्यालय के समस्त शैक्षणिक-अशैक्षणिक स्टॉफ द्वारा अपना-अपना परिचय दिया गया। जबलपुर संभाग के क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक के द्वारा महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान एवं जन्तु विज्ञान लेब, भौतिक शास्त्र लेब, रसायन शास्त्र लेब, पुस्तकालय-ई ग्रंथालय, कम्प्यूटर लेब तथा महाविद्यालय की कक्षाओं का भी निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही महाविद्यालय की व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। कैश-बुक संधारण की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सम्पन्न करने के लिए सर्व संबंधितों को उचित मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। साथ ही महाविद्यालय में होने वाली विभिन्न गतिविधियों का बेहतर संचालन एवं पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये। इस दौरान क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक कार्यालय के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी डॉ. अजय गुप्ता भी साथ में उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम, प्राध्यापक डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत, डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे, डॉ. देवराज चौरे, डॉ. निर्मल किर्ती गेडाम, नरेश सौलखे, डॉ. हृषिकेश पटेल, श्रीमती भूमेश्वरी ठाकरे, मनीष शिवहरे, पीतम मुरते, व्यंकट नगपुरे, श्रीमती सरिता एड़े, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, प्रसिक हुमनेकर, मिनेश पंचेश्वर, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# एक शिक्षक के भरोसे ३२ नौनिहालों की नींव

## बीएलओ ड्यूटी और जर्जर भवन ने बढ़ाई पालकों की चिंता,आंदोलन की चेतावनी

**पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। शिक्षा के अधिकार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के तमाम दावों के बीच खैरलाँजी अंतर्गत ग्राम किन्ही के मंदिर टोला स्थित शासकीय प्राथमिक शाला से प्रशासनिक उपेक्षा की एक गंभीर तस्वीर सामने आई है। यहाँ अध्ययनरत ३२ मासूम बच्चों का शैक्षणिक भविष्य महज एक शिक्षक के कंधों पर टिका हुआ है। स्थिति तब और चिंताजनक हो जाती है जब एक ही शिक्षक को कक्षा १ से ५ तक के बच्चों को पढ़ाने के साथ साथ कई गैर शैक्षणिक कार्य भी निपटाने पड़ते हैं।**

### एक शिक्षक पाँच कक्षाएँ और बीएलओ का बोझ

प्राप्त जानकारी के अनुसार शासकीय प्राथमिक शाला मंदिर टोला में कक्षा १ से ५ तक कुल ३२ बच्चे पंजीकृत हैं। यहाँ पदस्थ एकमात्र शिक्षक गौरीचंद बिसेन पर इन सभी पाँचों कक्षाओं को संचालित करने का प्रभार है। प्रशासनिक व्यवस्था की विडंबना देखिए कि इन बच्चों को पढ़ाने वाले एक मात्र शिक्षक को वर्तमान में बीएलओ यानि बूथ लेवल अधिकारी की ड्यूटी भी सौंप दी गई है। विभागीय बैठकों और बीएलओ से जुड़े सर्वे के कार्यों के कारण शिक्षक को बार बार विद्यालय परिसर से बाहर जाना पढ़ता है। अभिभावकों का आरोप है कि जब शिक्षक बीएलओ या अन्य प्रशासकीय कार्यों से बाहर जाते हैं तब ३२ मासूम बच्चों को संभालने की जिम्मेदारी रसोइया के भरोसे छोड़ दी जाती है। क्या रसोइया बच्चों को पडा सकती है एक अकेले शिक्षक से पाँच कक्षाओं के संचालन और बीएलओ जैसी अति व्यस्त ड्यूटी के बीच बच्चों का भविष्य कैसे संवरेगा। इस परिस्थिति में विद्यार्थियों का भविष्य अंधकार में देखने को मिल रहा है,जहां एक समय में एक कक्षा को भी शिक्षण कार्य करवाया जा रहा है। ऐसे में पांच कक्षाओं के शिक्षण कार्य की दिक्कत भी बनी हुई है।

### जर्जर भवन और विषैले जीवों का बना हैं साया

विद्यालय में केवल शिक्षकों की कमी ही समस्या नहीं है बल्कि सुरक्षा व्यवस्था भी ध्वस्त है। स्कूल की पुरानी और क्षतिग्रस्त बिल्डिंग कभी भी किसी बडे हादसे का कारण बन सकती है। जहाँ वर्ष २०२० से यह समस्या हैं जिसको लेकर अनेकों बार मांग की गई है, पर आज तक भवन को डिस्मेंटल नहीं किया गया जो एक बड़ी दुर्घटना का केंद्र बना है। वहीं परिसर के आसपास कचरे का ढेर लगा रहता है जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा बना हुआ है। भवन की साफ सफाई के अभाव और जर्जर दीवारों के कारण पूर्व में भी परिसर में कई बार जहरीले सांप निकल चुके हैं। गाँव के आक्रोशित पालकों ने शासन प्रशासन से मांग की है कि विद्यालय में तत्काल प्रभाव से अतिरिक्त शिक्षकों की पदस्थापना की जाये। जर्जर भवन का तकनीकी निरीक्षण कर उसे अविलंब डिस्मेंटल करवाये ,परिसर की समुचित साफ सफ ाई कराकर बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार किया जाए। यदि प्रशासन ने जल्द ही स्कूल की व्यवस्था में सुधार नहीं किया और शिक्षक की व्यवस्था नहीं की तो वे स्कूल में ताला जड़कर बच्चों के साथ सड़कों पर उतरेंगे और चक्काजाम आंदोलन करने की चेतावनी दी हैं जिसकी जवाबदेही शासन व प्रशासन की होगी।

### स्कूल में शिक्षक सहित अन्य सभी समस्या है जो ५ वर्षो से पुरी नही हुई है-विजय कातरे

पालक संघ अध्यक्ष विजय कातरे ने बताया की स्कूल का मामला यह है कि यहां एक पुराना भवन है जहां से सांप बिच्छू निकलते रहते हैं। स्कूल में शिक्षक की भी समस्या है जिसके लिए पत्र व्यवहार किया गया है किंतु अभी तक व्यवस्था नहीं हो पाई है इन सब में बच्चों का भविष्य खराब हो रहा है। शासन से मांग है कि बच्चे जो पढ़ रहे हैं वह ठीक से नहीं हो रहा है ,यहां एक शिक्षक है जिसके पीछे अनेको काम है इससे पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। शासन प्रशासन को यहां शिक्षक की व्यवस्था करना चाहिए।

### बच्चों के हित में मांगे पूरी नहीं हुई तो चक्काजाम करना पड़ेगा-प्रबंधन ठाकुर

ग्रामीण प्रबंधन ठाकुर ने बताया कि बच्चों की शिकायत है कि उनके यहां शिक्षक नहीं है कभी तो रसोईया स्कूल संभालती है शिक्षक काम से बाहर जाते हैं। यहां की मैडम छुट्टी पर है ऐसे में कई समस्या हो रही है इस संबंध में प्रधान पाठक ने अधिकारी को भी अवगत कराया है, परंतु कुछ हुआ नहीं है। दो माह से शिक्षक की व्यवस्था नहीं कर पाए हैं और मौजूदा शिक्षक को बीएलओ का अतिरिक्त प्रभार दे दिया गया है जिसे स्कूल छोड़कर जाना पड़ रहा है। वर्ष २०२० से यहां पर एक पुराना भवन है जिसे हम तोड़ने की मांग कर रहे हैं ५ वर्ष में वह भी नहीं तोड़ा गया है। लगातार विशेले जिव निकलते हैं फॉरेस्ट वालों को बुलाना पड़ता है दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। यदि तत्काल हमारी मांगे पूरी नहीं हुई तो चक्काजाम करना पड़ेगा।

### पुरानी बिल्डिंग डिस्मेंटल हो चुकी है बच्चों के पढ़ाने शिक्षक नही है अधिकारी ध्यान नही दे रहे है-गौरीचंद बिसेन

प्रधान पाठक गौरीचंद बिसेन ने बताया कि यहां पर पुरानी बिल्डिंग है जो डिस्मेंटल हो चुकी है सभी अधिकारी को हमने जानकारी दी है। अभी आए भी थे तो उन्होंने बताया कि जिला कलेक्टर के आदेश पर वह गिरने नहीं चेक करने आए हैं। सांप बिच्छू निकलने की घटना से बड़ी दुर्घटना हो सकती है,एक से लेकर कक्षा ५ वीं तक ३२ बच्चे दर्ज है दो टीचर है जिसमें एक टीचर दो माह से अवकाश पर है। संकुल स्तर पर भी हमारे द्वारा बोला गया है बीएलओ का प्रभार भी अभी दिया गया है ,स्कूल संचालन में काफी दिक्कत हो रही है तहसीलदार को हमने कहा तो वहां किसी व्यक्ति का नाम बताने बोल रहे हैं। मेरे बाद यहां देखरेख के लिए कोई नहीं है ऐसे में रसोईया को स्कूल सौंप पर जाना पड़ता है । कभी कोई दुर्घटना होती है तो इसका वरिष्ठ अधिकारी भी जिम्मेदारी नहीं लेंगे ऐसे में बहुत ज्यादा तकलीफ है।

# श्रीराम मंदिर में संगीतमय सुंदरकांड पाठ संपन्न

**पद्मेश न्यूज।वारासिवनी।** श्रावण मास के पवित्र एवं पावन अवसर पर नगर स्थित श्रीराम मंदिर में आयोजित एक माह का भक्तिमय संगीतमय

सुंदरकांड पाठ का आयोजन पूर्ण विधि.विधान हवन.पूजन और विशाल महाप्रसादी वितरण के साथ श्रद्धा और उल्लास के वातावरण में संपन्न हो गया। श्रावण मास के प्रथम दिवस से मंदिर में आरंभ हुआ यह धार्मिक अनुष्ठान पूरे महीने श्रद्धालुओं के आकर्षण और आस्था का केंद्र बना रहा। श्रावण माह के पहले दिन से ही मंदिर में प्रतिदिन संध्या समय से लेकर देर रात्रि तक संगीतमय वाद्य यंत्रों की मनमोहक धुनों के साथ सुंदरकांड का पाठ विधि विधान से किया जाता था। इस एक माह लंबे अनुष्ठान की मुख्य विशेषता यह रही कि प्रतिदिन अलग अलग यजमानों के द्वारा भगवान का पूर्ण विधि विधान से पूजन अर्चन संपन्न कराया जाता था। इसके पश्चात संगीतमय शैली में सुंदरकांड का वाचन होता था। जिसमें शामिल होकर नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से आए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने धर्म लाभ अर्जित किया। श्रावण मास के अंतिम दिवस विशेष पूजा अर्चना एवं संगीतमय सुंदरकांड पाठ का वाचन करने के उपरांत वैदिक मंत्रोचार के साथ हवन पूजन का आयोजन किया गया। पूर्णाहुति के बाद उपस्थित सभी भक्तजनों को महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालु, वरिष्ठ नागरिक तथा युवा भक्त मौजूद रहे। जिन्होंने भगवान श्रीराम का आशीर्वाद प्राप्त कर क्षेत्र की सुखए शांति और समृद्धि की कामना की।

# भुजली पर्व पर हर्षोल्लास के साथ अदा की गई उजैना की रस्म

## कोष्टी समाज द्वारा निकाली गई बाइक रैली और शोभायात्रा, चंदन नदी के कबीर घाट पर हुआ भुजलियों का विसर्जन

**पद्मेश न्यूज।वारासिवनी।** कोष्टी कल्याण समिति वारासिवनी के तत्वाधान में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भुजली कजलियां पर्व पूरे नगर में अत्यंत हर्षोल्लास, अटूट श्रद्धा और सामाजिक एकता के साथ मनाया गया। इस परंपरा और किसानी समृद्धि के प्रतीक इस पावन पर्व पर पूरा वारासिवनी नगर कबीर साहेब की जय के नारों से गुंजायमान रहा।

### सुबह बाइक रैली से हुई शुरुआत

पर्व का शुभारंभ शनिवार सुबह ९ बजे कोष्टी समाज के युवाओं के द्वारा निकाली गई विशाल बाइक रैली के साथ हुआ। कबीर कुटी से प्रारंभ होकर यह रैली गोलीबारी चौक, आंबेडकर चौक, नेहरू चौक, बस स्टैंड, दीनदयाल चौक, बालाघाट रोड, कॉलेज चौक, जय स्तंभ चौक और दुर्गा मंदिर रोड़ से होते हुए पुनः कबीर कुटी पहुंचकर संपन्न हुई। रैली के दौरान युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था।

### कबीर कुटी में ध्वजारोहणए आरती और सम्मान

शाम ४ बजे कबीर कुटी में सर्वप्रथम संत कबीर साहेब का पवित्र निशान चढ़ाया गया और झंडा वंदन के बाद महाआरती की गई। इसके पश्चात समाज की ओर से नवविवाहिता बेटियों को उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। तथा समाज के वरिष्ठ जनों को शाल.श्रीफल एवं गमछा भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया।

### जीवंत झांकियां और डीजे.बैंड के साथ निकली भव्य शोभायात्रा

आरती के बाद कबीर कुटी से बैंडबाजे, डीजे और ढोल.नगाड़ों के साथ एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में घोड़ों पर सवार महाराणा प्रताप, रानी लक्ष्मीबाई और रानी दुर्गावती की जीवंत झांकियां सभी के विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। ११ नवविवाहित महिलाओं और ५१ छोटी.छोटी कन्याओं ने अपने सिर पर भुजलियों से सजी सुंदर टोकरियां और झाले धारण कर नगर भ्रमण किया। परंपरा के अनुसार दामाद अपनी पत्नियों के साथ झालों की सुरक्षा करते हुए आत्मीय भाव से साथ.साथ चले और उजैना की प्राचीन रस्म पूरी की।

### २ किमी लंबे मार्ग पर हर वर्ग ने किया स्वागत

शोभायात्रा कबीर कुटी से रवाना होकर गोलीबारी चौक, आंबेडकर चौक, नेहरू चौक, कटंगी रोड और सब्जी बाजार से होते हुए लगभग २ किलोमीटर का भ्रमण कर चंदन नदी स्थित कबीर घाट पहुंची। रास्ते भर नगर के हर वर्ग के गणमान्य नागरिकों ने शोभायात्रा का स्वागत किया और नवविवाहित बेटियों को आशीर्वाद दिया। इस दौरान गोलीबारी चौक पर आयोजित पारंपारिक भुजली मेले में बच्चों और बड़ों ने लकड़ी के झूलों का आनंद लिया। चंदन नदी के कबीर घाट पहुंचने पर श्रद्धा और उल्लास के साथ भुजलियों और झालों का विसर्जन किया गया।

### राजनीतिक व सामाजिक लोगो की रही गरिमामयी उपस्थिति

सर्वसमाज को एकता के सूत्र में पिरोने वाले इस आयोजन में क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधियों और सामाजिक बंधुओं ने बढ़.चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, पूर्व विधायक डॉ. योगेंद्र निर्मल, विधायक विवेक पटेल, नपाध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, कोष्टी समाज के अध्यक्ष मनीष हेड़ाऊ सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि नगरवासी उपस्थित रहे। जहाँ सभी के द्वारा शोभा यात्रा में शामिल होकर नगर भ्रमण कर विसर्जन के बाद कबीर कुटी में आयोजित खुजली मिलन समारोह में एक दूसरे को भुजली देकर परस्पर स्नेह एवं आशीर्वाद दिया लिया गया।

### मेधावी छात्रों का सम्मान एवं भुजली मिलन समारोह

विसर्जन के उपरांत कबीर कुटी में भुजली मिलन समारोह एवं मेधावी छात्र छात्राओं सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। कक्षा १० वीं ,१२ वीं में ७५ प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले समाज के होनहार छात्र छात्राओं को अतिथियों एवं वरिष्ठों द्वारा प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर प्रोत्साहित किया गया। कोष्टी समाज के अध्यक्ष मनीष हेड़ाऊ ने बताया कि भुजली पर्व कोष्टी समाज का सबसे बड़ा एवं सर्वसमाज को जोड़ने वाला पारंपरिक त्यौहार है। यह पर्व बुंदेलखंड की ऐतिहासिक आल्हा गाथा तथा कृषि समृद्धि से जुड़ा हुआ है। अंत में उपस्थित सभी लोगों को भुजली कजलिया बांटकर एवं एक.दूसरे के गले मिलकर मिलन समारोह का समापन किया गया।

### पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने वरिष्ठ जनों का किया सम्मान

कबीर कुटी में कोष्टी कल्याण समिति के द्वारा आयोजित भुजली महोत्सव कार्यक्रम में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने पहुंचकर कबीर साहेब की पूजा अर्चना आरती की कर आशीर्वाद लिया। तत्पश्चात समाज के वरिष्ठजनों को गमछा भेंट कर सम्मान किया तो वहीं नवविवाहिता बेटियों का स्वागत एवं भुजली पर्व की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपाई मौजूद रहे।

### पूर्व विधायक डॉ निर्मल भुजली पर्व कार्यक्रम में हुए शामिल

कोष्टी समाज का सबसे बड़ा पर्व रक्षाबंधन एवं भुजली है। समाज के द्वारा आयोजित भुजली महोत्सव कार्यक्रम में पूर्व विधायक डॉ योगेन्द्र निर्मल ने अपनी अटल टीम के साथियो के साथ शोभायात्रा में शामिल होकर कबीर साहेब की पूजा अर्चना कर कोष्टी समाज के स्वजातीय बंधुओं से मुलाकात कर रक्षाबंधन एवं भुजली पर्व की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर बड़ी संख्या मे अटल टीम के सदस्य मौजूद रहे।

### विधायक विवेक पटेल ने गमछा किया भेंट

काजलियां पर्व की शोभायात्रा में विधायक विवेक पटेल अपने कार्यकर्ताओं के साथ कबीर कुटी भवन में उपस्थित हुए। जहां पर कबीर साहब की पूजा आरती कर समाज के वरिष्ठ नागरिकों को गमछा भेंट कर उनका सम्मान किया गया। उनके द्वारा शोभायात्रा में पूरे नगर का भ्रमण करने के पश्चात कोष्टी समाज के स्वजातीय बंधुओं से मुलाकात कर रक्षाबंधन एवं भुजली पर्व की शुभकामनाएं दी गयी। इस अवसर पर कांग्रेसी गण मौजूद रहे।

# सांदीपनि विद्यालय में एनसीसी कैडेट्स ने उत्साह पूर्वक मनाया राष्ट्रीय खेल दिवस

**पद्मेश न्यूज।वारासिवनी।** सांदीपनि शासकीय टिहलीबाई उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय वारासिवनी में २९ अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन अत्यंत उत्साह के साथ किया गया। यह संपूर्ण कार्यक्रम ६ एमपी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल विनितकमल गुप्ता के कुशल दिशा निर्देशन तथा संस्था के प्राचार्य हुमराज पटले के नेतृत्व में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान एनसीसी कैडेट्स को जीवन में खेलों के महत्व से अवगत कराया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रतिवर्ष २९ अगस्त को हॉकी के महान जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में पूरा देश राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाता है। खेल ना केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं, बल्कि जीवन में अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का विकास भी करते हैं। आयोजन के दौरान एनसीसी कैडेट्स ने विभिन्न पारंपरिक और आधुनिक खेलों में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन दिया। कैडेट्स ने खो खो, कबड्डी, तीरंदाजी और रस्साकशी जैसे मुकाबलों में पूरे जोश और खेल भावना के साथ हिस्सा लिया। मैदान में कैडेट्स का अनुशासन और खेल कौशल दर्शनीय था। कार्यक्रम को सफल बनाने में सांदीपनि विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं एवं विद्यालय परिवार का सराहनीय योगदान रहा।

# भुजलिया-प्रकृति और शौर्य की अनूठी लोक-परंपरा

मध्य भारत विशेषकर बुंदेलखंड, महाकौशल, छत्तीसगढ़ और मालवा में रक्षाबंधन के अगले दिन भाद्रपद प्रतिपदा को मनाया जाने वाला भुजलिया, भुजरिया या कजलिया पर्व महज एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति-पूजन, वीरता के गौरवशाली इतिहास और मानवीय संबंधों को प्रगाढ़ करने का एक जीवंत लोक-उत्सव है। यह पर्व कृषि- संस्कृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है। पुराने मनमुटाव भूलकर सामाजिक भाईचारे की नींव को मजबूत करता है।

### लोक-संस्कृति की अटूट आस्था

भुजलिया पर्व की जड़ें सीधे मिट्टी और किसान जीवन से जुड़ी हैं। श्रावण मास की अष्टमी या नवमी को टोकरियों में मिट्टी बिछाकर बोए गए गेहूं या जौ के अंकुर जिन्हें भुजरिया या कजलिया कहा जाता है। आगामी फसल की उपज और संपन्नता का पूर्व-संकेत माने जाते हैं। प्रकृति से एकात्म जो अंकुरों का हरा-भरा विकास अच्छी वर्षा और उर्वरता का प्रतीक है। वहीं सामूहिक विसर्जन के समय महिलाएं और बालिकाएं लोकगीत गाते हुए इन भुंजरियों का पूजन कर जलाशयों में विसर्जन करती हैं। यह जल और भूमि के प्रति लोक-संस्कृति की अटूट आस्था को दर्शाता है।

### विजयोत्सव के रूप में

इस त्योहार की पृष्ठभूमि में बुंदेलखंड का वीरता से भरा इतिहास रचा-बसा है। ऐतिहासिक मान्यताओं के अनुसार महोबा का ऐतिहासिक संग्राम 12वीं सदी में जब दिल्ली के शासक पृथ्वीराज चौहान ने महोबा की राजकुमारी चंद्रावली का अपहरण करने के उद्देश्य से आक्रमण किया। तब आल्हा, ऊदल, मलखान और अभई जैसे वीरों ने अपनी मातृभूमि और स्वाभिमान की रक्षा के लिए प्राणों की बाजी लगा दी। युद्ध में विजय प्राप्त करने के बाद नगरवासियों ने कजलियों से अपने वीरों का स्वागत किया था। तब से यह पर्व स्वाभिमान, रक्षा और विजयोत्सव के रूप में मनाया जाने लगा।

### सामाजिक समरसता का संदेश

भुजलिया पर्व की सबसे बड़ी विशेषता इसका कजलिया मिलन का स्वरूप है। विसर्जन के बाद अंकुरित भुजरियों के तिनके एक-दूसरे को भेंट कर बड़ों का आशीर्वाद लिया जाता है और हमउम्र लोग गले मिलते हैं। पारंपरिक रूप से मान्यता है कि इस दिन यदि किसी से कोई व्यक्तिगत कटुता या मनमुटाव हो, तो भुजरिया देकर उसे समाप्त कर दिया जाता है। यह परंपरा जाति और वर्ग की सीमाओं से परे जाकर समाज को एकजुट करने का अद्भुत काम करती है। निश्चित ही यह पर्व सामाजिक समरसता का जीवंत संदेश है।

### आधुनिक प्रासंगिकता

आज के तकनीकी और भौतिकवादी दौर में, जहां मानवीय संवेदनाएं और पारंपरिक संबंध कमजोर हो रहे हैं, भुजलिया जैसे लोक-पर्व की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि हमारी सांस्कृतिक जड़ें प्रकृति के संरक्षण, मिट्टी के सम्मान, इतिहास के शौर्य और आपसी समरसता में छिपी हैं। कजलिया या भुजरिया का यह लोक-संस्कार केवल एक त्यौहार नहीं, बल्कि पर्यावरण संवर्धन और सामूहिकता का एक कालातीत संदेश है।

# रसोई में महंगाई का तड़का-प्याज 70 रूपए पार, चीनी भी बेलगाम

## खेत से रसोई तक महंगाई का महाभारत सरकार सतर्क -कांदा (प्याज) एक्सप्रेस से राहत या किसानों के लिए आफत?

वैश्विक स्तरपर त्योहारी मौसम की दस्तक के साथ भारतीय रसोई में एक बार फिर प्याज के आंसू दिखाई देने लगे हैं।जिस प्याज की खुदरा कीमत कुछ समय पहले लगभग 25 रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास थी,वही अनेक बाजारों में 60 से 70 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है।दूसरी ओर चीनी की कीमतों में भी तेजी ने घरेलू बजट पर दोहरा दबाव पैदा कर दिया है।भारत जैसे देश में यह महज बाजार की सामान्य उठापटक नहीं मानी जा सकती, क्योंकि प्याज और चीनी दोनों ऐसी आवश्यक वस्तुएं हैं जिनकी कीमतें सीधे उपभोक्ता की रसोई,किसान की आय, सरकार की आर्थिक नीतियों और राजनीतिक विमर्श को प्रभावित करती हैं।इसलिए मौजूदा परिस्थिति को केवल महंगाई के आंकड़े के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा।इसके पीछे उत्पादन,मौसम, भंडारण,आपूर्ति-श्रृंखला,बाजार व्यवहार, सरकारी हस्तक्षेप और वैश्विक खाद्य सुरक्षा के परस्पर जुड़े हुए अनेक आयाम हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि प्याज की मौजूदा तेजी के पीछे सबसे महत्वपूर्ण कारण आपूर्ति और मांग के बीच पैदा हुआ असंतुलन है। खरीफ प्याज की नई फसल बाजार में अपेक्षित समय पर नहीं पहुंच पाई है, जबकि पुरानी फसल के भंडारण में मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों और नमी से नुकसान की खबरों ने उपलब्ध स्टॉक पर दबाव बढ़ाया है। बेमौसम बारिश केवल खेत में खड़ी फसल को ही प्रभावित नहीं करती, बल्कि कटाई के बाद रखे गए प्याज की गुणवत्ता और भंडारण क्षमता को भी नुकसान पहुंचाती है।परिणाम स्वरूप बाजार में उपलब्ध अच्छी गुणवत्ता वाले प्याज की मात्रा घटने लगती है। त्योहारी मौसम में मांग बढ़ने के साथ यह कमी कीमतों को तेजी से ऊपर ले जाती है। यही कारण है कि उत्पादन के कुल आंकड़े अपेक्षाकृत सामान्य दिखाई देने के बावजूद उपभोक्ता बाजार में कीमतों में असाधारण उछाल दिखाई दे सकता है। कृषि बाजार में कुल उत्पादन और वास्तविक समय में उपलब्ध बिक्री योग्य उत्पादन सटिका से दो अलग -अलग वास्तविकताएं हैं। साथियों, इसी परिस्थिति में केंद्र सरकार ने उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए अपने रणनीतिक प्याज बफरस्टॉक को बाजार में उतारने का फैसला किया है। लगभग 1.21 लाख टन के बफर स्टॉक से प्याज की आपूर्ति बढ़ाने और प्रमुख उपभोग केंद्रों तक तेजी से माल पहुंचाने की रणनीति अपनाई गई है। सरकार की योजना का उद्देश्य केवल दिल्ली जैसे बड़े बाजारों में प्याज उपलब्ध कराना नहीं,बल्कि अतिरिक्त आपूर्ति के माध्यम से थोक बाजार में भी कीमतों पर मनोवैज्ञानिक और वास्तविक दबाव पैदा करना है।यदि बाजार को यह विश्वास हो जाए कि सरकार के पास पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और आवश्यकता पड़ने पर वह अतिरिक्त प्याज जारी कर सकती है, तो जमाखोरी और कृत्रिम कमी की संभावना भी कम हो सकती है। इस अर्थ में बफर स्टॉक केवल प्याज का भंडार नहीं, बल्कि कीमत स्थिरीकरण का एक आर्थिक उपकरण है। साथियों, इसी सरकारी रणनीति का सबसे चर्चित हिस्सा नासिक से शुरू की गई विशेष कांदा (प्याज) एक्सप्रेस है। महाराष्ट्र के नासिक क्षेत्र को देश के प्रमुख प्याज उत्पादन केंद्रों में गिना जाता है और वहां से दिल्ली- एनसीआर तथा अन्य बड़े उपभोग केंद्रों तक रेल के माध्यम से प्याज पहुंचाने का उद्देश्य परिवहन समय और लागत को कम करना है। रिपोर्टों के अनुसार लगभग 840 मीट्रिक टन की निर्धारित क्षमता के मुकाबले लगभग 450 मीट्रिक टन प्याज ही भेजा जा सका और पांच में से चार प्रस्तावित कांदा एक्सप्रेस ट्रेनें रद्द हो गईं। इस स्थिति को समझने के लिए केवल प्रशासनिक विफलता कहना पर्याप्त नहीं होगा। ट्रेन रद्द होने के पीछे उपलब्ध प्याज की मात्रा,लोडिंग की तैयारी, मंडियों से माल की समय पर उपलब्धता, रेलवे रेक की उपलब्धता, मार्ग और अनेक परिचालन संबंधी समस्याएं तथा किसानों और व्यापारियों के विरोध जैसे अनेक कारक हो सकते हैं। विशेष रूप से यदि स्थानीय बाजार में किसानों और व्यापारियों को यह आशंका हो कि सरकारी परिवहन से बड़ी मात्रा में प्याज बाहर जाने पर स्थानीय कीमतें प्रभावित होंगी,तो लोडिंग के लिए अपेक्षित मात्रा जुटाना भी चुनौती बन सकता है।इसलिए 840 मीट्रिक टन के लक्ष्य से 450 मीट्रिक टन की वास्तविक आपूर्ति तक पहुंचना केवल परिवहन का प्रश्न नहीं,बल्कि कृषि बाजार की जटिल वास्तविकताओं का संकेत है। साथियों, सरकार ने केवल रेलवे परिवहन पर निर्भर रहने के बजाय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ यानी एनसीसीएफ राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ यानी नेफेड और केंद्रीय भंडार जैसे सरकारी एवं सहकारी वितरण तंत्र के माध्यम से उपभोक्ताओं को रियायती दर पर प्याज उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है।दिल्ली- एनसीआर सहित प्रमुख शहरों में मोबाइल वैन और निर्धारित बिक्री केंद्रों के माध्यम से लगभग 35 रुपये प्रति किलोग्राम की दर पर प्याज उपलब्ध कराने का प्रयास इसी नीति का हिस्सा है। इसका उद्देश्य बाजार की ऊंची खुदरा कीमत और सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे प्याज की कीमत के बीच अंतर पैदा करके आम उपभोक्ता को तत्काल राहत देना है।यदि यह वितरण पर्याप्त मात्रा और नियमितता के साथ होता है, तो इसका प्रभाव केवल सरकारी दुकानों तक सीमित नहीं रहता; निजी बाजार भी अपनी कीमतों को नीचे लाने के लिए मजबूर हो सकते हैं। साथियों, हालांकि,सरकार के इस हस्तक्षेप का दूसरा पक्ष किसानों से जुड़ा हुआ है। उपभोक्ता चाहता है कि प्याज 30-35 रुपये किलो मिले, जबकि किसान चाहता है कि उसकी उपज का मूल्य उसकी लागत और जोखिम के अनुरूप हो। यही कृषि अर्थव्यवस्था का सबसे कठिन संतुलन है। किसान महीनों तक बीज, खाद, कीटनाशक, सिंचाई, श्रम और परिवहन पर खर्च करता है। मौसम की मार झेलता है और फसल को भंडारण तक पहुंचाता है। यदि बाजार में अचानक कीमत बढ़ती है, तो उसे लगता है कि आखिरकार उसे अपनी लागत की भरपाई का अवसर मिला है। लेकिन उसी समय यदि सरकार बफर स्टॉक बाजार में उतारकर कीमतों को नियंत्रित करती है, तो किसान संगठनों में असंतोष पैदा होना स्वाभाविक है। इसलिए उपभोक्ता राहत और किसान आय,दोनों को एक साथ साधे बिना प्याज की समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है।यही विरोधाभास कांदा (प्या?) एक्सप्रेस के संदर्भ में भी दिखाई देता है। सरकार के लिए नासिक से दिल्ली जैसे बड़े उपभोग केंद्र तक प्याज भेजना महंगाई नियंत्रण का उपाय है,जबकि कुछ किसानों के लिए यही हस्तक्षेप खुले बाजार में बेहतर कीमत मिलने की उनकी संभावना को प्रभावित कर सकता है। इसलिए किसान संगठनों द्वारा विरोध को केवल सरकार- विरोधी राजनीति के चश्मे से देखना उचित नहीं होगा। इसके पीछे मूल्य प्राप्ति, उत्पादन लागत और बाजार जोखिम का वास्तविक आर्थिक प्रश्न भी मौजूद है। बेहतर नीति वह होगी जिसमें उपभोक्ता को राहत देने के साथ किसानों को न्यूनतम आय सुरक्षा और सटिका से पारदर्शी बाजार व्यवस्था भी मिले। साथियों,प्याज की महंगाई ने राजनीतिक बहस को भी तेज कर दिया है। विपक्ष सरकार पर आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित करने में विफल रहने का आरोप लगा रहा है। दूसरी ओर सरकार का तर्क है कि उसने समय रहते बफर स्टॉक जारी किया, विशेष परिवहन व्यवस्था शुरू की और रियायती दर पर बिक्री की व्यवस्था की है। भारतीय राजनीति में प्याज का महत्व असाधारण है। इसका कारण यह है कि प्याज केवल कृषि उत्पाद नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों की रोजमर्रा की रसोई का हिस्सा है।जब प्याज महंगा होता है तो इसका असर केवल प्याज खरीदने के बिल तक सीमित नहीं रहता; घर के भोजन की पूरी लागत बढ़ती है और महंगाई की अनुभूति अधिक तीव्र हो जाती है।यही कारण है कि प्याज की कीमतें अक्सर आर्थिक विषय से निकलकर राजनीतिक मुद्दा बन जाती हैं।प्याज के साथ चीनी की कीमतों में तेजी ने स्थिति को और संवेदनशील बना दिया है। आपके दिए आंकड़ों के अनुसार, एक महीने में चीनी की कीमतों में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। हालांकि अलग-अलग शहरों,गुणवत्ता, थोक और खुदरा बाजार तथा समय के अनुसार वास्तविक कीमतों में अंतर हो सकता है, लेकिन यदि प्याज और चीनी जैसी दो महत्वपूर्ण खाद्य वस्तुएं एक ही समय में तेजी दिखाती हैं तो इसका प्रभाव उपभोक्ता मनोविज्ञान पर अधिक पड़ता है। गन्ने के उत्पादन,चीनी मिलों की आर्थिक स्थिति, घरेलू उपलब्धता,निर्यात नीति, एथेनॉल उत्पादन और वैश्विक चीनी बाजार,इन सभी के बीच संतुलन बनाना सरकार के लिए चुनौती है। खाद्य नीति में एक क्षेत्र को प्रोत्साहित करने वाला निर्णय दूसरे क्षेत्र में आपूर्ति और कीमत पर प्रभाव डाल सकता है। साथियों, इस पूरे संकट को जलवायु परिवर्तन से अलग करके भी नहीं देखा जा सकता। बेमौसम बारिश, अत्यधिक वर्षा,तापमान में बदलाव और मौसम की अनिश्चितता अब कृषि कैलेंडर को प्रभावित कर रही है। प्याज जैसी फसल के लिए केवल खेत में उत्पादन पर्याप्त नहीं है; कटाई के बाद वैज्ञानिक भंडारण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। भारत में यदि लाखों टन प्याज का उत्पादन होने के बावजूद भंडारण और आपूर्ति व्यवस्था कमजोर रहती है, तो उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बाजार में नियमित आपूर्ति नहीं बन पाता।इसलिए भविष्य की खाद्य सुरक्षा का प्रश्न केवल अधिक उत्पादन करने का नहीं, बल्कि उत्पादन से लेकर भंडारण, परिवहन और अंतिम उपभोक्ता तक पूरी मूल्य-श्रृंखला को मजबूत करने का प्रश्न है। साथियों, इसका अंतरराष्ट्रीय आयाम भी कम महत्वपूर्ण नहीं है।

**-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं**

# भयंकर तबाही का आगाज द रही है नेपाल की विनाशकारी आपदा

नेपाल में हाल ही में आई अचानक बाढ़ और भूस्खलन ने भारी तबाही मचाई है, जिससे अब तक सेंकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है और ग सैकड़ों लोग लापता हैं। यह विनाशकारी आपदा नेपाल-चीन सीमा के पास रसुवा, नुवाकोट और धादिंग जैसे जिलों में मुख्य रूप से भोटेकोशी और त्रिशूली नदियों के उफान पर आने के कारण हुई है। वैज्ञानिकों के अनुसार, उच्च हिमालयी क्षेत्र (लैंगटांग लिरुंग) में भारी मात्रा में बर्फ और चट्टानों के मलबे (एवलांच) के नदी में गिरने से एक अस्थायी बांध बन गया, जिसके अचानक फटने से यह प्रलयकारी बाढ़ आई है। नेपाल के रसुवा जिले जिले में आई विनाशकारी बाढ़ केवल एक स्थानीय प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि यह संपूर्ण हिमालयी पारिस्थितिक तंत्र में बज रही खतरे की एक गंभीर घंटी है। साथ ही इस विनाशकारी बाढ़ ने एक बार फिर यह भी स्पष्ट कर दिया है कि हिमालयी क्षेत्र में प्राकृतिक आपदाओं को केवल किसी एक देश की प्रशासनिक सीमा के भीतर समझना पर्याप्त नहीं है। नेपाल के बाड़ पूर्वानुमान अधिकारियों के प्रारंभिक संकेत बताते हैं कि रसुवा क्षेत्र में स्थानीय स्तर पर हुई अत्यधिक वर्षा ही इस आपदा का एकमात्र कारण नहीं थी। तिब्बत की ओर हुई भारी वर्षा और वहां की पर्वतीय भू-आकृतिक गतिविधियों ने भी नदी के अचानक उफान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हो सकती है। यदि विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन इस संभावना की पुष्टि करते करते हैं, हैं, तो तो यह घटना पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है। हिमालय केवल पर्वतों की श्रृंखला नहीं, बल्कि एक साझा प्राकृतिक तंत्र है। यहां एक स्थान पर होने वाला भूस्खलन, हिमस्खलन, अत्यधिक वर्षा या किसी प्राकृतिक जलाशय का टूटना कुछ ही घंटों में दूसरे देश के लिए विनाशकारी बाड़ का कारण बन सकता है। इसलिए आपदा प्रबंधन की मौजूदा व्यवस्था को राष्ट्रीय सीमाओं से आगे बढ़ाकर क्षेत्रीय सहयोग की दिशा में विकसित करना समय की आवश्यकता है। हिमालय दुनिया के सबसे संवेदनशील पर्वतीय पारिस्थितिक तंत्रों में गिना जाता है। बढ़ते तापमान के कारण ग्लेशियर तेजी से पिमल रहे हैं, हिमपात का स्वरूप बदल रहा है, हिमनदीय झीलों का विस्तार हो रहा है और पर्वतीय ढलानों की स्थिरता प्रभावित हो रही है। इन परिवर्तनों के कारण ग्लेशियल लेक आउटवर्ट फ्लड यानी हिमनदीय झीलों के अचानक फटने, भूस्खलन और अचानक आने वाली बाढ़ का खतरा लगातार बढ़ रहा है। नेपाल की मौजूदा बाढ़ का अंतिम वैज्ञानिक कारण विस्तृत जांच के बाद ही सामने आएगा। इसलिए किसी एक कारण को जल्दबाजी में जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होगा। लेकिन इस घटना को व्यापक जलवायु संकट से पूरी तरह अलग करके भी नहीं देखा जा सकता। हिमालयी क्षेत्र में हाल के वर्षों में अचानक बाढ़, भूस्खलन और हिमनदीय झीलों से जुड़ी कई घटनाएं सामने आई हैं। असली चुनौती आपदा से पहले खतरे को पहचानना और लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाना है। हिमालयी क्षेत्रों में सड़क, सुरंग, जलविद्युत परियोजनाएं, पर्यटन ढांचा और सीमा संपर्क आर्थिक विकास के लिए आवश्यक हैं। स्थानीय आबादी को रोजगार, बेहतर परिवहन और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए इन परियोजनाओं का महत्व भी असंदिग्ध है। लेकिन हिमालय की भौगोलिक परिस्थितियां मैदानी क्षेत्रों से बिल्कुल अलग हैं। यहां विकास करते समय प्रकृति की सीमाओं और भूगर्भीय संवेदनशीलता को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। नदियों के प्राकृतिक मार्ग, बाढ़ के मैदान और अस्थिर ढलान निर्माण के लिए सबसे अधिक जोखिम वाले क्षेत्र हैं। जब ऐसे इलाकों में अनियोजित तरीके से सड़कें, भवन या अन्य बड़ी संरचनाएं खड़ी होती हैं, तो सामान्य तो सामान्य प्राकृतिक घटना भी बड़ी आपदा का रूप ले सकती है। नेपाल की बाढ़ से जलविद्युत क्षेत्र को भी नुकसान पहुंचने की सूचना है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार करीब 430 मेगावाट बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई। यह केवल ऊर्जा उत्पादन की समस्या नहीं है। यह बताता है कि जलविद्युत परियोजनाओं की योजना बनाते समय जलवायु परिवर्तन, भूकंपीय संवेदनशीलता, बाढ़ और भूस्खलन के संयुक्त जोखिम का आकलन कितना आवश्यक है। नेपाल और तिब्बत के बीच हिमालय कोई अभेद्य दीवार नहीं है। नदियां, बादल, हिमनद और भूस्खलन राजनीतिक सीमाओं को नहीं पहचानते। तिब्बत में होने वाली अत्यधिक वर्षा या किसी नदी का अस्थायी रूप से अवरुद्ध होना नेपाल में कुछ ही घंटों के भीतर गंभीर संकट पैदा कर सकता है। इसलिए नेपाल और चीन के बीच वास्तविक समय में वर्षा, नदी के जलस्तर और संभावित भूस्खलन से संबंधित जानकारी साझा करने की ठोस व्यवस्था होनी चाहिए। उपग्रह निगरानी, स्वचालित जलस्तर केंद्र, साझा वैज्ञानिक अध्ययन और तेज चेतावनी प्रणाली को मजबूत करना आवश्यक है। भारत के लिए भी यह घटनाक्रम महत्वपूर्ण है। हिमालय से निकलने वाली नदियों का प्रवाह अंततः बड़े क्षेत्र को प्रभावित करता है। ऊपरी इलाकों में अचानक बड़ा जलप्रवाह नीचे के क्षेत्रों तक असर डाल सकता है। इसलिए नेपाल, चीन और भारत के के बीच मौसम, नदी प्रवाह और आपदा संबंधी वैज्ञानिक सूचनाओं नाओं का आदान-प्रदान केवल कूटनीतिक सहयोग का विषय नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की सुरक्षा से जुड़ा सवाल है। अचानक बाड़ आने पर पहली प्राथमिकता लोगों को जान बचाना होती है। सेना, पुलिस, स्थानीय प्रशासन और स्वयंसेवी संगठनों की त्वरित भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रहती है। लेकिन पानी उतर जाने के बाद राहत से भी बड़ी चुनौती सामने आती है बेघर परिवारों का पुनर्वास, टूटी सड़कों और पुलों का पुनर्निर्माण, बिजली-पानी की बहाली और स्थानीय अर्थव्यवस्था को फिर से खड़ा करना। पुनर्निर्माण का अर्थ केवल टूटी संरचना को उसी स्थान पर उसी रूप में दोबारा खड़ा करना नहीं होना चाहिए। यदि कोई पुल या सड़क बार-बार याद बाढ़ की चपेट में आने वाले इलाके में उसी पुराने डिजाइन के साथ बनाई जाती है, तो अगली आपदा में नुकसान दोहराया जाना तय है। इसीलिए अब बिल्ड बैंक बेटर की सोच अपनानी होगी अर्थात ऐसी अवसंरचना तैयार की जाए जो भविष्य के जलवायु और प्राकृतिक आपदा जोखिमों को ध्यान में रखकर अधिक सुरक्षित और टिकाऊ हो। नेपाल की यह बाड़ केवल एक प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि हिमालय में तेजी से बदलती परिस्थितियों का संकेत है। एक ओर जलवायु परिवर्तन तापमान और वर्षा के पुराने स्वरूप को बदल रहा है, तो दूसरी ओर अनियोजित निर्माण, वनों पर दबाव और संवेदनशील ढलानों पर बढ़ता मानवीय हस्तक्षेप जोखिम को बढ़ा रहा है। है। समाधान प्रकृति से से संघर्ष में नहीं, बल्कि प्रकृति की सीमाओं को समझकर विकास की दिशा तय दिशा तय करने में है। नदियों की उनका प्राकृतिक स्थान देना होगा, अस्थिर ढलानों पर निर्माण नियंत्रित करना होगा, हिमनदों और हिमनदीय झीलों की लगातार निगरानी करनी होगी और स्थानीय समुदायों को आपदा से पहले की तैयारी का प्रशिक्षण देना होगा। सबसे जरूरी बदलाव हमारी सोच में होना चाहिए। आपदा प्रबंधन का अर्थ मकेवल हादसे के बाद राहत, मुआवजा और पुनर्निर्माण नहीं है। आधुनिक आपदा प्रबंधन का वास्तविक उद्देश्य आपदा आने से पहले जोखिम पहचानना, समय पर चेतावनी देना और संभावित नुकसान को न्यूनतम करना है। हिमालय बार-बार चेतावनी दे रहा है। अब सवाल यह है कि क्या सरकारें, वैज्ञानिक संस्थान और समाज इस चेतावनी को समय रहते समझेंगे, या हर नई त्रासदी के के बाद वही राहत और पुनर्निर्माण का चक्र दोहराया जाता रहेगा। हिमालय हमें सचेत कर रहा है, यदि हमने इसकी चेतावनियों को अनसुना किया, तो आने वाले समय में इसके परिणाम इससे भी अधिक भयानक और विनाशकारी होंगे। हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। इससे बनीं अस्थायी झीलें कभी भी फट सकती हैं, जिससे निचले इलाकों में अचानक महाविनाश आ सकता है। मानसून के पैटर्न में बड़ा बदलाव आया है। अब कम समय में अत्यधिक भारी बारिश (क्लाउडबर्स्ट) होती है, जिसे सोखने में जमीन असमर्थ रहती है। पहाड़ों में बिना सही इंजीनियरिंग के सड़कों और इमारतों का निर्माण भूस्खलन को सीधे न्योता दे रहा है। नेपाल की नदियाँ भारी गाद (मिट्टी) के कारण उथली हो रही हैं, जिससे पानी बहुत जल्दी किनारों को तोड़कर रिहायशी इलाकों में घुस जाता है। नेपाल की नदियों जैसे कोसी और गंडक का पानी बिहार के मैदानी इलाकों में आता है। नेपाल में मचे इस हाहाकार के बाद भारतीय सीमा से सटे बिहार के कई जिलों में बाढ़ का अलर्ट जारी कर दिया गया है। भारत सरकार ने आपदा की गंभीरता को देखते हुए फौरन कदम उठाए हैं। भारतीय वायुसेना के जरिए दवाइयां, टेंट और स्लीपिंग बैग्स समेत 50 टन से अधिक की आपातकालीन राहत सामग्री नेपाल भेजी जा चुकी है। बाढ़ और भूस्खलन को रोकने के लिए वनों की सुरक्षा, मजबूत तटबंधों का निर्माण और आधुनिक चेतावनी प्रणालियों का उपयोग करना जरूरी है। पहाड़ों की ढलानों पर अधिक से अधिक पेड़ लगाएं। पेड़ों की जड़ें मिट्टी को पकड़ कर रखती हैं, जिससे भूस्खलन रुकता है। नदियों के किनारों पर मजबूत बांध या तटबंध बनाएं। नदियों के तल से गाद (रेत और मिट्टी) को समय-समय पर निकालें ताकि पानी का बहाव न रुके। मौसम और भारी बारिश की सटीक जानकारी देने वाले यंत्र लगाएं। खतरे की समय पर चेतावनी मिलने से लोग सुरक्षित स्थानों पर जा सकते हैं।पहाड़ी ढलानों और नदी के पास असुरक्षित निर्माण कार्य पर रोक लगाएं।

**-मनोज कुमार अग्रवाल**

# भारत की बढ़ती ताकत से बदले चीन के तेवर, सीमा पर शांति की पहल क्या नए रिश्तों का संकेत है?

**-कांतिलाल मांडोत**

भारत और चीन के रिश्ते लंबे समय से उतार-चढ़ाव से गुजरते रहे हैं। दोनों देशों के बीच हजारों किलोमीटर लंबी सीमा, ऐतिहासिक विवाद, रणनीतिक प्रतिस्पर्धा और एशिया में प्रभाव बढ़ाने की होड़ ने संबंधों को कई बार तनावपूर्ण बनाया है। ऐसे समय में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल की बीजिंग यात्रा और चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से उनकी मुलाकात को केवल एक सामान्य कूटनीतिक बैठक के रूप में नहीं देखा जा सकता। इस मुलाकात में सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखने के साथ-साथ आर्थिक, राजनीतिक और बहुपक्षीय क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई है। यह संकेत जरूर देता है कि दोनों देश टकराव की जगह संवाद और व्यावहारिक सहयोग की दिशा में आगे बढ़ना चाहते हैं। डोभाल चीन के विदेश मंत्री और भारत-चीन सीमा विवाद के विशेष प्रतिनिधि वांग यी के साथ विशेष प्रतिनिधि स्तर की 25वीं वार्ता में शामिल होने के लिए बीजिंग पहुंचे हैं। वर्ष 2003 में स्थापित विशेष प्रतिनिधि तंत्र का उद्देश्य भारत और चीन के बीच सीमा विवाद का व्यापक समाधान तलाशना है। लगभग 3,488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा से जुड़े जटिल सवालों का समाधान आसान नहीं है, लेकिन बातचीत का यह तंत्र दोनों देशों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसका सबसे बड़ा महत्व यह है कि सीमा पर तनाव की स्थिति बनने पर भी दोनों देशों के बीच संवाद का रास्ता खुला रहता है। चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग के साथ डोभाल की मुलाकात में भी सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता को मजबूत करने पर जोर दिया गया। चीनी पक्ष की ओर से यह संदेश दिया गया कि भारत और चीन को अपने संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखना चाहिए। चीन ने दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच बनी सहमतियों को लागू करने के लिए मिलकर काम करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। इससे साफ है कि बीजिंग अब भारत के साथ संबंधों को केवल सीमा विवाद के चश्मे से नहीं देखना चाहता, बल्कि व्यापक द्विपक्षीय रिश्तों को भी महत्व दे रहा है। यह बदलाव अचानक नहीं आया है। भारत और चीन के रिश्तों का इतिहास बताता है कि दोनों देशों ने मित्रता से लेकर युद्ध और तनाव तक का दौर देखा है। आजादी के बाद भारत ने चीन के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाने की कोशिश की। पंचशील और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की भावना के बावजूद वर्ष 1962 का युद्ध दोनों देशों के संबंधों पर गहरी छाप छोड़ गया। इसके बाद दशकों तक सीमा विवाद दोनों देशों के बीच अविश्वास का बड़ा कारण बना रहा। सीमा पर सैनिकों के बीच तनाव और झड़पों की घटनाओं ने कई बार रिश्तों को प्रभावित किया। चीन और पाकिस्तान के बढ़ते रणनीतिक संबंध भी भारत के लिए चिंता का विषय रहे हैं। पाकिस्तान ने चीन के साथ अपने रक्षा, आर्थिक और रणनीतिक संबंध मजबूत किए और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे जैसी परियोजनाओं ने बीजिंग और इस्लामाबाद की निकटता को और बढ़ाया। भारत की दृष्टि से यह स्थिति इसलिए महत्वपूर्ण रही क्योंकि चीन और पाकिस्तान दोनों ही भारत के आसपास रणनीतिक प्रभाव बढ़ाते रहे हैं। ऐसे वातावरण में भारत के लिए अपनी सुरक्षा क्षमता और कूटनीतिक ताकत मजबूत करना आवश्यक था। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अपनी विदेश नीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव दिखाया है। भारत अब किसी एक शक्ति के साथ पूरी तरह जुड़ने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर विभिन्न देशों के साथ संबंध विकसित कर रहा है। अमेरिका, रूस, यूरोप, जापान, ऑस्ट्रेलिया और पश्चिम एशिया के देशों के साथ भारत के बढ़ते संबंध इसका उदाहरण हैं। साथ ही भारत ने वैश्विक मंचों पर अपनी स्वतंत्र रणनीतिक भूमिका भी मजबूत की है। इसका प्रभाव चीन के साथ संबंधों पर भी पड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच विभिन्न अवसरों पर हुई मुलाकातों ने भी संवाद का रास्ता बनाए रखने में भूमिका निभाई है। कजान और तियानजिन में दोनों नेताओं की बैठकों के बाद संबंधों को सामान्य दिशा में ले जाने की कोशिशों को गति मिली है। दोनों देशों के बीच यह समझ बढ़ी है कि सीमा पर तनाव का असर पूरे द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ता है। इसलिए सीमा पर शांति बनाए रखना केवल सुरक्षा का विषय नहीं बल्कि आर्थिक और राजनीतिक संबंधों के लिए भी आवश्यक है। भारत की आर्थिक और सामरिक ताकत में पिछले वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। भारत आज दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। देश का रक्षा ढांचा पहले की तुलना में मजबूत हुआ है। सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क, पुल, सुरंग और हवाई पट्टियों का निर्माण तेज हुआ है। भारतीय सेना की तैनाती और बुनियादी ढांचे में सुधार ने सीमा सुरक्षा को नई मजबूती दी है। अंतरिक्ष, मिसाइल, नौसेना, वायुसेना और स्वदेशी रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में भी भारत ने अपनी क्षमता बढ़ाई है। इसका असर भारत की कूटनीतिक स्थिति पर स्वाभाविक रूप से पड़ा है। यही कारण है कि आज चीन भारत को पहले की तुलना में अलग नजर से देखता है। भारत अब केवल एक पड़ोसी देश नहीं बल्कि एशिया और विश्व राजनीति में तेजी से प्रभाव बढ़ाने वाली शक्ति है। भारत की विशाल अर्थव्यवस्था, युवा आबादी, तकनीकी क्षमता, सैन्य शक्ति और वैश्विक कूटनीतिक पहुंच चीन के लिए महत्वपूर्ण कारक हैं। चीन भी यह समझता है कि भारत के साथ लगातार तनाव रखना उसके दीर्घकालिक हित में नहीं है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं निकाला जाना चाहिए कि भारत और चीन के बीच सभी मतभेद समाप्त हो गए हैं। सीमा विवाद अभी भी गंभीर मुद्दा है। दोनों देशों के बीच विश्वास पूरी तरह बहाल होने में समय लगेगा। सीमा पर शांति बनाए रखना आवश्यक है, लेकिन वास्तविक शांति तभी मजबूत होगी जब दोनों पक्ष एक-दूसरे की सुरक्षा चिंताओं का सम्मान करें और विवादित क्षेत्रों में ऐसी गतिविधियों से बचें जिनसे तनाव बढ़ सकता है। भारत को चीन के साथ संबंधों में मित्रता की इच्छा के साथ-साथ सतर्कता भी बनाए रखनी होगी। पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध भारत की प्राथमिकता होनी चाहिए, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। चीन यदि भारत के साथ स्थायी और शांतिपूर्ण संबंध चाहता है तो उसे सीमा पर स्थिरता के लिए निरंतर प्रतिबद्धता दिखानी होगी। केवल बैठकों और बयानों से विश्वास पैदा नहीं होगा, बल्कि जमीन पर शांतिपूर्ण माहौल और पारदर्शी संवाद से विश्वास मजबूत होगा। भारत के लिए भी चीन के साथ आर्थिक संबंध महत्वपूर्ण हैं। चीन विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्था है और दोनों देशों के बीच व्यापार का बड़ा आधार मौजूद है। यदि सीमा पर स्थायी शांति कायम होती है तो व्यापार, निवेश और अन्य क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं बढ़ सकती हैं। लेकिन भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि आर्थिक सहयोग राष्ट्रीय हितों और रणनीतिक सुरक्षा के संतुलन के साथ आगे बढ़े। अजित डोभाल और हान झेंग की मुलाकात इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उस दौर का संकेत देती है जिसमें भारत और चीन अपने मतभेदों के बावजूद संवाद को प्राथमिकता दे रहे हैं। भारत यह संदेश दे चुका है कि वह मजबूत भी है और बातचीत के लिए तैयार भी। चीन के लिए भी यह समझना जरूरी है कि भारत को दबाव में लाकर अपनी शर्तें मनवाना अब आसान नहीं है। भारत की बढ़ती आर्थिक, सैन्य और कूटनीतिक ताकत ने निश्चित रूप से उसकी बातचीत की क्षमता को मजबूत किया है।

## इंदौर बाजार भाव

**इंदौर। एजेंसी।** उठाव की सुस्ती से शनिवार को खाद्य तेलों में बाजार नरमी के रहे। तिलहनों में बाजार बने रहे। दलहनों में कीमतें पूर्वस्तर पर कायम रही। किराना जिंसों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार सुस्त उठाव के चलते शनिवार को खाद्य तेलों में बाजार नरमी के देखे गये। तिलहनों में सोयाबीन बना रहा। दलहनों में चना 6000 रू. प्रति क्विंटल पर बना रहा। उधर, किराना जिंसों में शक्कर व नारियलों में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

**किराना-** शक्कर 5800-6100, खोपरा गोला 360-415, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 230-250, सांगली 310-320, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3500-3800, मीडियम 4000-4200, बेस्ट 4400-4600, एक्स्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3500, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-525, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1050-1200, सिंगापुरी 980-1025, बादाम टांच 700-725, अखरोट गिरी 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 900-1000, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3200-3300, (160) 3900, (200) 4400, (250) 4800-5000,

**तेल-** सींगदाना 1730-1750, मुम्बई 1750, राजकोट तेलिया 2700, सोया साल्वेंट 1380-1385, सोया रिफाइंड 1440-1445, कपास्या 1610, धूलिया 1600, कड़ी 1600,

**रात की धारणा-** गुजरात लुज 1700, मुम्बई पाम 1490, मुम्बई सोया 1485,

**खली-** कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

**तिलहन-** सरसो 8000-8200, रायडा 7000-7200, सोयाबीन 5900, टोली (महुआ बीज) 5600-5800, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

**दलहन-** चना कांटेवाला बेस्ट 6600, एवरेज 6500-6550, विशाल 6350-6400, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5900-5950, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7000-7300, मूंग पुराना बोल्ड 7400-7600, मीडियम 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9100-9300, उड़द गर्मी 8600-9000, ग्रेविटी क्लीन 9300-9700, हल्की 5000-7000,

**दाल-** चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

**अनाज-** गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

**चावल-** चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5000,

**मावा-** इन्दौर 380, उज्जैन 300, रतलाम 350 रू. प्रति किलो।

## इंदौर सर्राफा बाज़ार

**इन्दौर। एजेंसी।** शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार सुस्ती के रहे। भाव इस प्रकार रहे ः-

चाँदी (9999) 238000, चाँदी (99) 237800, टंच 237200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 154300,

## डिबॉक इंडस्ट्रीज और एमडी पर 7 साल का प्रतिबंध

**मुंबई। एजेंसी।** शेयर बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने डिबॉक इंडस्ट्रीज लिमिटेड और उसके प्रबंध निदेशक पर बड़ी कार्रवाई की है। कथित अकाउंटिंग फ्रॉड और वित्तीय आंकड़ों में हेरफेर के आरोप में दोनों को 7 साल के लिए शेयर बाजार से प्रतिबंधित कर दिया है। इसके साथ ही, सेबी ने 59.30 करोड़ रुपये की अवैध कमाई जब्त करने और राइट्स इश्यू से डायवर्ट किए गए 49 करोड़ रुपये 12 फीसदी ब्याज के साथ वापस करने का आदेश दिया है। सेबी के अनुसार, कंपनी ने फर्जी बिक्री, खरीद और सर्कुलर लेनदेन के जरिए वित्तीय आंकड़ों को बढ़ाया, जिससे करीब 4.21 करोड़ शेयर फर्जी तरीके से हासिल कर निवेशकों को बेच दिए गए। प्रबंधक मुकेश सिंह पर अकेले 20.10 करोड़ रुपये सहित कुल 29 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया गया है।

# भारतीय शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव भरा रहा सप्ताह

**मुंबई। एजेंसी।** बीता सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद उतार-चढ़ाव भरा रहा, जहां प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लगातार अस्थिरता के शिकार हुए। ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों, कच्चे तेल की कीमतों में घट-बढ़ और निवेशकों की मुनाफावसूली के चलते बाजार ने हर दिन नई चाल चली। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को तेजी के साथ हुई, जब तेल कीमतों में गिरावट के कारण सेंसेक्स 77,748 और निफ्टी 24,302 के स्तर पर पहुंच गए। हालांकि, दिन का अंत निराशाजनक रहा और मुनाफावसूली ने बाजार को नीचे धकेल दिया, जिससे सेंसेक्स 77,369 पर और निफ्टी 24,219 पर बंद हुए। मंगलवार को भी बाजार लाल निशान पर खुला, लेकिन अंतिम समय की खरीदारी और कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट ने सूचकांकों को बढ़त दिलाई, और सेंसेक्स 77,656, जबकि निफ्टी 24,334 पर बंद हुए। बुधवार को भी

बाजार में ऐसा ही पैटर्न देखने को मिला। कच्चे तेल में नरमी और हॉर्मुज जलडमरूमध्य के प्रबंधन पर ईरान-ओमान वार्ता से मिली उम्मीदों के बावजूद, बाजार सकारात्मक शुरुआत के बाद अंततः गिरावट के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 77,472 और निफ्टी 24,207 पर सिमट गए। सप्ताह का सबसे चुनौतीपूर्ण दिन गुरुवार रहा, जब वीकली और मासिक एक्सपायरी के चलते भारी बिकवाली देखी गई। बाजार ने अपनी शुरुआती बढ़त गंवा दी और सेंसेक्स 539 अंक गिरकर 76,934 पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी भी 24,091 के नीचे आ गया। प्रमुख शेयरों जैसे हिन्दाल्को और महिंद्रा एंड महिंद्रा में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, दो दिनों की लगातार गिरावट के बाद शुक्रवार को बाजार ने कुछ राहत की सांस ली। सकारात्मक शुरुआत हुई और आईटी शेयरों में जोरदार खरीदारी ने बाजार को सहारा दिया। सेंसेक्स 330.92 अंक चढ़कर 77,264.51 पर, जबकि निफ्टी 84.80 अंक बढ़कर 24,175.65 पर बंद हुआ। निफ्टी आईटी सूचकांक में 3.51 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि देखी गई, जिससे बाजार में सकारात्मक माहौल बना।

## खाने-पीने की चीजों के पैकेट पर लाल चेतावनी अनिवार्य

**नई दिल्ली। एजेंसी।** भारत में पैक किए गए खाद्य पदार्थों की खरीद अब और अधिक सुरक्षित और पारदर्शी हो सकती है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया है कि वह ऐसे खाद्य उत्पादों पर उच्च चीनी, उच्च वसा और उच्च नमक की चेतावनी लाल रंग में अनिवार्य करने जा रहा है, जिनमें इन तत्वों की मात्रा तय मानकों से अधिक होगी। यह पहल उपभोक्ताओं को अस्वास्थ्यकर विकल्पों की पहचान करने और स्वस्थ निर्णय लेने में मदद करने के उद्देश्य से की जा रही है। एफएसएसएआई ने जस्टिस जेबी पारदीवाला की अगुवाई वाली सुप्रीम कोर्ट की पीठ के समक्ष दाखिल अपने छह पन्नों के हलफनामे में बताया कि इस संबंध में एक विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। इस चेतावनी को पैकेट या डिब्बे के ऊपरी हिस्से पर लाल रंग के षट्भुजाकार (हेक्सागोनल) तस्वीर के रूप में अंकित किया जाएगा, ताकि ग्राहक इसे आसानी से पहचान सकें। इसका फॉन्ट साइज पैकेट के पीछे न्यूट्रिशन संबंधी जानकारी वाली तालिका में इस्तेमाल होने वाले फॉन्ट साइज से एक पॉइंट बड़ा होगा। यह हलफनामा सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में गैर सरकारी संस्था 3एस एंड आवर हेल्थ सोसाइटी की जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान लगाई गई फटकार के बाद दाखिल किया गया है। एफएसएसएआई ने कोर्ट को बताया कि प्रस्तावित नियम दो चरणों में लागू किए जाएंगे, ताकि खाद्य उद्योग को अपने उत्पादों में आवश्यक बदलाव करने के लिए पर्याप्त समय मिल सके। पहले चरण में उन उत्पादों पर नियम लागू होंगे, जिनमें दो या अधिक विशिष्ट पोषक तत्व (एडेड फैट, एडेड शुगर या नमक) अधिक मात्रा में होंगे। दूसरे चरण में वे उत्पाद शामिल किए जाएंगे, जिनमें एक पोषक तत्व अधिक मात्रा में होगा।

## यूपीआई एमडीआर में हिस्सा चाहते हैं भुगतान एग्रीगेटर

**नई दिल्ली। एजेंसी।** भारत के भुगतान एग्रीगेटर यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन पर प्रस्तावित मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) में सीधा और तय हिस्सा चाहते हैं। यह मांग तब उठी है जब हाल ही में संसद ने 'कराधान एवं अन्य कानून (संशोधन) विधेयक, 2026' पारित कर यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर लगाने की अनुमति दी है। एग्रीगेटर अब इस शुल्क हिस्सेदारी के लिए साझेदार बैंकों पर अपनी निर्भरता खत्म करना चाहते हैं, ताकि उन्हें अपने परिचालन की लागत वसूलने में मदद मिल सके। सूत्रों के अनुसार देश में 50 से अधिक भुगतान एग्रीगेटर हैं, जिनमें एवेन्यूज़एआई, बिलडेस्क, रेजरपे, पेयू और फोनपे जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। ये सभी अब एमडीआर के तहत सीधे हिस्सेदारी की मांग कर रहे हैं। उनका तर्क है कि इससे उन्हें व्यापारियों को अपने प्लेटफॉर्म से जोड़ने (ऑनबोर्डिंग), उन्हें सेवाएं प्रदान करने और नए कारोबारियों को जोड़ने में आने वाली लागत को निकालने में मदद मिलेगी। वर्तमान में, भुगतान एग्रीगेटर साझेदार बैंकों के माध्यम से शुल्क का एक हिस्सा प्राप्त करते हैं, लेकिन वे इस मॉडल से अब स्वतंत्र होना चाहते हैं। एक प्रमुख भुगतान एग्रीगेटर के शीर्ष कार्यकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि भुगतान एग्रीगेटर को एक निश्चित हिस्सा मिलना चाहिए और हम इसके लिए जोर-शोर से कोशिश करेंगे। हम शुल्क के बंटवारे के लिए संबंधित बैंकों पर निर्भर नहीं रहना चाहते। वे चाहते हैं कि उन्हें एक्वायरर (जो व्यवहार में बैंकों से आशय रखता है) की श्रेणी में शामिल न करके, शुल्क अर्जित करने वाले एक स्वतंत्र प्रतिभागी के रूप में मान्यता मिले। ऐसा होने पर उन्हें हर बार शुल्क साझेदारी के लिए अपने साझेदार बैंकों के साथ बातचीत नहीं करनी पड़ेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि डिजिटल भुगतान पर भविष्य में लगने वाला कोई भी शुल्क ग्राहक लेनदेन पर लागू नहीं होगा, बल्कि यह सिर्फ एक निश्चित सीमा से ज्यादा वाले मर्चेंट लेनदेन की सीमित श्रेणी पर लागू होगा। डिजिटल भुगतान उद्योग इस मुद्दे पर सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के समक्ष अपना पक्ष रखने की तैयारी कर रहा है।

**मेष-** आज किस्मत आपके लिए नए दरवाजे खोल सकती है। पैसों से जुड़े फैसले अगर सोच-समझकर लेंगे, तो लाभ के अच्छे मौके मिलेंगे। काम के प्रति आपका उत्साह दूसरों को प्रभावित करेगा। प्रेम जीवन में रोमांस और अपनापन बढ़ेगा, जिससे मन खुश रहेगा। संतान की भावनाओं को समझने की कोशिश करें, इससे रिश्ता और मजबूत होगा।

**वृषभ-** आज आपकी बनाई योजनाएं सफलता की ओर ले जा सकती हैं। सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ने से आत्मविश्वास भी मजबूत होगा। परिवार में शादी या किसी शुभ समाचार की वजह से खुशी का माहौल बन सकता है। यात्रा से जुड़ी कोई महत्वपूर्ण जानकारी भविष्य में आपके लिए काफी काम आ सकती है। बस गुस्से और बेवजह की बहस से खुद को दूर रखें, इससे दिन और बेहतर बना रहेगा।

**मिथुन-** आज खुद को बेहतर बनाने की इच्छा आपको आगे बढ़ाएगी। घर में कोई खुशखबरी मिल सकती है और माहौल उत्साह से भर सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी सलाह को महत्व मिलेगा और वरिष्ठ अधिकारी भी आपके काम की तारीफ कर सकते हैं। पिता की कोई बात आज आपको ऐसी सीख दे सकती है, जो आगे बहुत काम आए। कुल मिलाकर दिन सकारात्मक सोच और नई उम्मीदों से भरा रहेगा।

**कर्क-** आज सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी के संकेत हैं। नया वाहन या घर से जुड़ी कोई बड़ी खरीदारी मन को खुशी दे सकती है। किसी जरूरतमंद मित्र की मदद करके आपको भीतर से संतोष मिलेगा। पुराने पैसे या लेन-देन से जुड़ा मामला अचानक सामने आ सकता है, जिसे शांत दिमाग से सुलझाएं। सरकारी काम में थोड़ी देरी हो सकती है, इसलिए धैर्य बनाए रखना जरूरी होगा।

**सिंह-** आज आपकी मेहनत का शानदार परिणाम सामने आ सकता है। व्यापार और निवेश से लाभ मिलने के अच्छे संकेत हैं। प्रेम जीवन में नजदीकियां और रोमांस बढ़ेगा, जबकि सिंगल लोगों की किसी खास व्यक्ति से मुलाकात संभव है। आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी, जिससे मन को शांति मिलेगी। घर में किसी नए शुभ कार्य की शुरुआत भी हो सकती है।

**कन्या-** आज आपकी मेहनत और लगन आपको दूसरों से अलग पहचान दिला सकती है। नौकरी में आपकी तारीफ होगी और विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई में अच्छे प्रदर्शन के संकेत हैं। हालांकि खर्चों पर थोड़ा नियंत्रण रखना जरूरी रहेगा। रिश्तों में मीठी वाणी और समझदारी कई उलझनों को आसानी से सुलझा सकती है। विरोधियों की गतिविधियों से सावधान रहें, लेकिन अपने फैसलों पर भरोसा बनाए रखें।

**तुला-** आज समझदारी से लिया गया फैसला आपके आने वाले समय को बेहतर बना सकता है। कारोबार में बनाई गई नई योजनाएं अब लाभ देने की ओर बढ़ेंगी। जीवनसाथी के साथ बिताया गया समय रिश्ते में नई गर्माहट और ताजगी लाएगा। गुस्सा और काम को टालने की आदत आज नुकसान कर सकती है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखेंगे तो दिन काफी अच्छा गुजर सकता है।

**वृश्चिक-** आज धन और सेहत दोनों मामलों में सावधानी बरतना जरूरी होगा। पुराने विवाद के खत्म होने से मन को राहत मिलेगी और किसी पुराने दोस्त से मुलाकात बीती यादों को फिर से ताजा कर सकती है। परिवार का माहौल भी धीरे-धीरे बेहतर होगा। हालांकि विरोधियों से सतर्क रहें और किसी पर भी बिना सोचे-समझे भरोसा करने से बचें।

**धनु-** आज सफलता आपके साथ कदम मिलाकर चल सकती है। जिस काम को हाथ में लेंगे, उसमें अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है। सम्मान या पुरस्कार मिलने से मन में गर्व और खुशी दोनों आएंगे। कारोबार की पुरानी उलझनें सुलझ सकती हैं और संपत्ति खरीदने का सपना भी पूरा होने की दिशा में बढ़ सकता है। विद्यार्थी को पढ़ाई से जुड़ा तनाव कम महसूस होगा।

**मकर-** आज किसी भी फैसले में जल्दबाजी करने के बजाय हर पहलू पर अच्छी तरह विचार करें। मन में चल रही उलझनों को शांत दिमाग से सुलझाने की कोशिश करें। किसी नए काम की योजना आज भले छोटी लगे, लेकिन आगे चलकर बड़ा लाभ दे सकती है। विवादों से दूरी बनाए रखना आपके लिए बेहतर रहेगा। मनोरंजन या छोटी यात्रा का मौका मिले तो यह मन को तरोताजा कर सकता है।

**कुंभ-** आज छोटी-छोटी चुनौतियां आपके धैर्य की परीक्षा ले सकती हैं। कार्यक्षेत्र में सावधान रहें, क्योंकि कोई व्यक्ति आपके खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश कर सकता है। बढ़ते खर्चों के कारण चिंता हो सकती है, इसलिए बजट पर नजर रखें। अतीत की किसी गलती से मिली सीख आज आपको ज्यादा समझदारी से फैसले लेने में मदद करेगी।

**मीन-** आज आपकी सकारात्मक सोच और उत्साह हर काम में नई चमक भर सकता है। रुका हुआ पैसा वापस मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। कारोबार में बनाई गई लंबी अवधि की योजनाएं अब गति पकड़ सकती हैं। परिवार में अचानक मिलने वाला सरप्राइज या कोई खुशखबरी रिश्तों में और अपनापन बढ़ाएगी। सरकारी कामों में भी सफलता के संकेत हैं, इसलिए प्रयास जारी रखें।

### शब्दजाल - 8365

*शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'वान' शब्द लगा हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.*

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | अ | मु | न | मू | ल्य | वा | न | ग | ल | व |
| रा | वि | प | प्रे | क | न्या | स | द | ज | कां | भा |
| चु | मे | ष | ह | दी | छ | मि | आ | ब | वृ | ग्य |
| इं | को | ब | न | ल | वा | स | थु | ल | ष | वा |
| डि | च | मी | भ | ग | वा | न | क्रो | न | भ | न |
| य | वा | न | र | रा | क | न | ती | ण | य | र |
| द | न | र्नि | ग | ट्रे | न | र | स | सा | श | स |
| क | ह | ऊ | द | द | ब | क | फ | ग | वा | क |
| रा | म | तु | ला | या | म | प | क | वा | न | आ |
| क | गॉ | ल | प | लि | वा | कुं | भ | न | प | द |
| ज्ञा | न | वा | न | या | क | न | व्य | ब | त | म |

कोचवान, भगवान, मूल्यवान, पकवान, यशवान, ज्ञानवान, भाग्यवान, दयावान, सागवान, पहलवान

### शब्दजाल - 8364 का हल

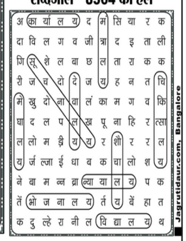

Jagrutidaur.com, Bangalore

### फिल्म वर्ग पहेली- 7309

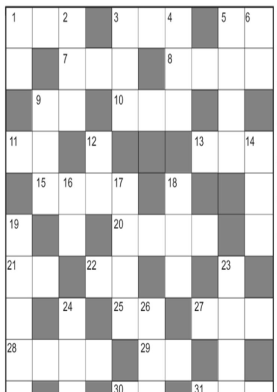

**ऊपर से नीचे:-**

१. 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२. अनिल धवन, नीतूसिंह की 'अपने दिल में जगह' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं निकला' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
४. करण दीवान, वैजयंती की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
५. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली शाहरूख, काजोल, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-४
६. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'बांसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'मिलने से पहले' गीत वाली शरद कपूर, मुकुल आनंद, सुष्मिता की फिल्म-३
१२. विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'एक तो ये बैरी' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
१६. रितिक, करीना की 'ए री रे एरी क्या है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आपका चेहरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, सोनू, पल्लवी की फिल्म-४
१८. गोविंदा, ऋषिकपूर, नीलम, मीनाक्षी की 'तेरे डैडी ने दिया' गीत वाली फिल्म-३
१९. शाहरूख, सैफ, प्रीती जिंटा की 'कुछ तो हुआ है' गीत वाली फिल्म-२,१,१,१
२३. अमिताभ, सलमान, हेमा की 'चली चली फिर चली' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'इंतहा हो गई' गीत वाली फिल्म-३

**बायें से दायें:-**

१. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'जब दिल चुराए' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली धर्मेन्द्र, रेखा की फिल्म-३
५. सलमान, नगमा की 'चांदनी रात है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'टुट गई तड़क करके' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
८. अनिल धवन, रेहाना सुल्तान की 'दिल बेचैन रहा' गीत वाली फिल्म-२,२
९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजयदत्त, सलमान खान, रवीना की फिल्म-२
१०. डैनी, विनोद मेहरा, मौसमी की 'संसार है एक' गीत वाली फिल्म-३
११. 'गाड़ी बुला रही है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-२
१३. जीतेन्द्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'वो लड़की बहुत' गीत वाली अजय देवगन, नेहा धूपिया की फिल्म-४
२०. बॉबी, अक्षय खन्ना, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'मुझे साजन के' गीत वाली अनिल, जैकी, मनीषा, माधुरी की फिल्म-२
२२. सनी, सुनील, सेलिना की 'प्यार होने लगा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल की फिल्म-२
२७. फरदीन खान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'लाल लाल होठों पे' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२९. फिल्म 'एलओसी' में अजय देवगन के साथ किस की जोड़ी है-२
३०. 'सोल्जर' में प्रीति का नायक?-२
३१. 'मेरे दिल का पता' गीत वाली राहुल राय, दीपक, पूजा की फिल्म-३

### फिल्म वर्ग पहेली - 7308

Jagrutidaur.com, Bangalore

## दैनिक पंचांग

**30 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**

| ग्रह | स्थिति |
|---|---|
| सूर्य | सिंह में |
| चंद्र | मीन में |
| मंगल | मिथुन में |
| बुध | सिंह में |
| गुरु | कर्क में |
| शुक्र | कन्या में |
| शनि | मीन में |
| राहु | कुंभ में |
| केतु | सिंह में |

**राहुकाल** 4.30 से 6.00 बजे तक

| लग्नारंभ समय | |
|---|---|
| कन्या | 07.02 बजे से |
| तुला | 09.13 बजे से |
| वृश्चिक | 11.27 ब.से |
| धनु | 13.43 बजे से |
| मकर | 15.48 बजे से |
| कुंभ | 17.35 बजे से |
| मीन | 19.08 बजे से |
| मेष | 20.38 बजे से |
| वृष | 22.18 बजे से |
| मिथुन | 00.16 बजे से |
| कर्क | 02.30 बजे से |
| सिंह | 04.46 बजे से |

**रविवार** 2026 वर्ष का 242 वा दिन
**दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
**विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948
**मास** भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण)
**पक्ष** कृष्ण
**तिथि** द्वितीया 09.38 बजे को समाप्त।
**नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 03.45 बजे रात्र को समाप्त।
**योग** शूल 03.46 बजे रात्र को समाप्त।
**करण** गर 09.38 बजे तदनन्तर वणिज 21.18 बजे को समाप्त।
**चन्द्रायु** 17.3 घण्टे
**रवि क्रान्ति** उत्तर 09° 04'
**सूर्य** दक्षिणायन
**कलि अहर्गण** 1872817
**जूलियन दिन** 2461282.5
**कलियुग संवत्** 5128
**कल्पारंभ संवत्** 1972949128
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128
**वीरनिर्वाण संवत्** 2552
**हिजरी सन्** 1448
**महीना** रवि उलावल **तारीख** 16

| दिन का चौघड़िया | | | | | रात का चौघड़िया | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| उद्वेग | 05.56 | से | 07.23 | बजे तक | शुभ | 05.36 | से | 07.09 | बजे तक |
| चर | 07.23 | से | 08.51 | बजे तक | अमृत | 07.09 | से | 08.41 | बजे तक |
| लाभ | 08.51 | से | 10.18 | बजे तक | चर | 08.41 | से | 10.14 | बजे तक |
| अमृत | 10.18 | से | 11.46 | बजे तक | रोग | 10.14 | से | 11.46 | बजे तक |
| काल | 11.46 | से | 01.14 | बजे तक | काल | 11.46 | से | 01.19 | बजे तक |
| शुभ | 01.14 | से | 02.41 | बजे तक | लाभ | 01.19 | से | 02.51 | बजे तक |
| रोग | 02.41 | से | 04.09 | बजे तक | उद्वेग | 02.51 | से | 04.24 | बजे तक |
| उद्वेग | 04.09 | से | 05.36 | बजे तक | शुभ | 04.24 | से | 05.53 | बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## प्रसंगतः साहस और संकल्प

मगध सम्राट कुमारगुप्त का पुत्र स्कंदगुप्त जब किशोर ही था, तब उसे पता चला कि हूण बार-बार भारत पर आक्रमण करते हैं और युद्ध के नियमों के विपरीत छल का सहारा लेकर भारी नुकसान पहुंचाते हैं। स्कंदगुप्त से देश का अपमान देखा न गया। उसने पिता से आग्रह किया कि उसे हूणों पर आक्रमण की आज्ञा दी जाए। पिता बड़े असमंजस में थे क्योंकि एक तो स्कंदगुप्त अभी किशोर ही था, शारीरिक बल और युद्ध कौशल की दृष्टि से उसे अभी बच्चा ही कहा जा सकता था। दूसरे, हूणों का क्षेत्र बहुत दूर था। हिमाच्छादित पहाड़ों की चोटियां पार कर के वहां जाना होता था। ऐसे दुर्गम मार्ग को पार करना सेना के लिए भी कठिन था, फिर हूण युद्ध में धोखे से ही काम लेते थे। ऐसी स्थिति में उसे आक्रमण की आज्ञा कैसे दी जाए? लेकिन कुमारगुप्त अपने पुत्र की देशभक्ति और साहस देखकर झुक गए। उन्होंने उसे चढ़ाई की आज्ञा दे दी। स्कंदगुप्त दो लाख सैनिक लेकर चल पड़ा। पंजाब से आगे बढ़कर हिमाच्छादित चोटियों को पार करती हुई उसकी सेना हूणों के इलाके में पहुंची और इस वीरता के साथ लड़ी कि शत्रुओं के छक्के छूट गए। उन्हें परास्त होना पड़ा। इस तरह स्कंदगुप्त ने आज के ईरान और अफगानिस्तान तक अपना राज्य कायम किया। इस विजय अभियान के बाद जब स्कंदगुप्त भारत लौटा तो उसके स्वागत में मगध से पांच कोस तक मार्ग सजाए गए और पूरे देश में विजयोत्सव मनाया गया। सबने स्वीकार किया कि साहस और संकल्प से कोई भी कठिन लड़ाई जीती जा सकती है।

### सूडोकु नवताल- 7618

★☆☆☆☆ सरल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | 9 | | | | 1 | | | |
| 5 | 4 | | | 6 | 8 | | 1 | 3 |
| | | 1 | | 7 | | 9 | 5 | |
| | 8 | 9 | | 5 | 3 | | 4 | 7 |
| | | | | | | | | |
| 6 | 1 | | 4 | 9 | | 2 | 3 | |
| | 3 | 4 | | 1 | | 8 | | |
| 7 | 5 | | 8 | 3 | | | 2 | 4 |
| | | | 6 | | | | 7 | 9 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु नवताल -7617 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | 6 | 2 | 3 | 4 | 1 | 7 | 5 | 8 |
| 1 | 4 | 8 | 9 | 7 | 5 | 6 | 2 | 3 |
| 5 | 7 | 3 | 2 | 6 | 8 | 1 | 4 | 9 |
| 3 | 2 | 1 | 6 | 9 | 4 | 8 | 7 | 5 |
| 4 | 8 | 7 | 5 | 1 | 2 | 9 | 3 | 6 |
| 6 | 9 | 5 | 8 | 3 | 7 | 4 | 1 | 2 |
| 8 | 3 | 4 | 7 | 2 | 6 | 5 | 9 | 1 |
| 2 | 1 | 6 | 4 | 5 | 9 | 3 | 8 | 7 |
| 7 | 5 | 9 | 1 | 8 | 3 | 2 | 6 | 4 |

### शब्द पहेली - 8833

**बाएँ से दाएँ**

1. धनुर्धर-2,2
4. तरुणी, नाजनीन-4
7. संतुष्ट होना-5
9. टेलीग्राम-2
11. महोदय (अंग्रेजी-2)
12. कटि, कमरिया-3
14. फटकार, भर्त्सना-4
15. वतन, स्वदेश-4
16. पार होना, पार करना-3
18. विद्रोही-2
19. गरीब, निर्धन-2
21. लोचदार, लचकदार-5
25. पारंपरिक, पुरातन-4
26. कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4

**ऊपर से नीचे**

1. शीघ्रता, जल्दी-3
2. मूल्य, कीमत-2
3. जनता, आम आदमी-2
4. किनारा, कोरा-2
5. इंकार, मनाही-2
6. पानी गर्म करने का यंत्र-3
8. भ्रम, वहम-3
10. साधु, संन्यासी-3,2
11. मुलायम सिंह की राजनीतिक पार्टी-5
12. कपड़े की दीवार-3
13. जिव्हा, जीभ-3
17. रसदार, रसभरा-3
18. कारण, वजह-3
20. नेत्र, लोचन-3
21. बुरी आदत-2
22. एक पड़ोसी देश-2
23. पराया, पंख-3
24. रग, नाड़ी-2

### शब्द पहेली -8832 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

# 'उपहार नहीं, हमारे स्कूल को भी सांदीपनि विद्यालय बना दीजिए'

### कक्षा 10वीं की छात्रा की बात सुनकर प्रभावित हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव, बोले—आपका स्कूल भी बनेगा सांदीपनि विद्यालय

### लांजी के उत्कृष्ट विद्यालय पहुंचे मुख्यमंत्री, विद्यार्थियों से किया आत्मीय संवाद; रसायन विज्ञान के सवाल पर छात्रा के जवाब की सराहना

**पद्मेश न्यूज। लांजी। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार, 29 अगस्त को लांजी के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय का निरीक्षण किया। विद्यालय पहुंचने पर उन्होंने शैक्षणिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया और विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद कर उनकी पढ़ाई, रुचियों और भविष्य के सपनों के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर विद्यार्थियों में खासा उत्साह नजर आया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव कक्षा 10वीं में पहुंचे। उस समय कक्षा में रसायन विज्ञान का पीरियड चल रहा था। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से सहज अंदाज में बातचीत करते हुए विषय से जुड़ा रोचक सवाल पूछा—"पानी में क्या डालने से आग लग जाती है?" मुख्यमंत्री के सवाल पर एक छात्रा ने तुरंत जवाब दिया कि सोडियम को पानी में डालने से आग लग जाती है। छात्रा के सही उत्तर और आत्मविश्वास से प्रभावित मुख्यमंत्री ने उसकी सराहना की।**

#### 'डॉक्टर बनेंगे... कोई अधिकारी बनने का सपना देख रहा'

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से पूछा कि वे भविष्य में क्या बनना चाहते हैं। इस पर विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ अपने सपने साझा किए। किसी ने डॉक्टर बनने की इच्छा जताई तो किसी ने अधिकारी बनने की। कुछ विद्यार्थियों ने बताया कि वे आगे चलकर पीएससी की तैयारी कर प्रशासनिक अधिकारी बनना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से उनके पसंदीदा विषय, रुचि और भविष्य के लक्ष्यों को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि सफलता के लिए नियमित अध्ययन, अनुशासन, लगन और निरंतर परिश्रम आवश्यक है। विद्यार्थियों को अपनी रुचि पहचानकर लक्ष्य निर्धारित करने और उसे हासिल करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से मेहनत करने की सीख दी।

#### छात्रा ने पूछा—सीएम राइज स्कूलों का नाम सांदीपनि क्यों?

संवाद के दौरान एक छात्रा ने मुख्यमंत्री से सवाल किया कि सीएम राइज विद्यालयों का नाम सांदीपनि विद्यालय क्यों रखा गया है? छात्रा के सवाल की मुख्यमंत्री ने सराहना की। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण और उनके मित्र सुदामा के गुरु महर्षि सांदीपनि से प्रेरणा लेकर इन विद्यालयों का नाम सांदीपनि विद्यालय रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन विद्यालयों का उद्देश्य अमीर और गरीब सभी वर्गों के बच्चों को समान अवसर के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है।

#### राखी बांधी तो मुख्यमंत्री ने दिया उपहार, छात्रा बोली-हमें उपहार नहीं चाहिए

विद्यालय भ्रमण के दौरान कक्षा 10वीं की छात्राओं ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को राखी बांधी। मुख्यमंत्री ने भी बालिकाओं को उपहार भेंट किए। इसी दौरान एक छात्रा ने बेहद आत्मविश्वास और आत्मीयता के साथ मुख्यमंत्री से कहा—हमें उपहार मत दीजिए, इसके बदले हमारे विद्यालय को भी सांदीपनि विद्यालय बना दीजिए। छात्रा की इस बात ने मुख्यमंत्री को प्रभावित कर दिया। उन्होंने उसकी वाकपटुता और आत्मविश्वास की प्रशंसा की तथा बालिकाओं को आश्वस्त किया कि उनका विद्यालय भी सांदीपनि विद्यालय बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री के इस आश्वासन से विद्यार्थियों में खुशी की लहर दौड़ गई।

#### बच्चों के सपनों को सुना, साथ फोटो भी खिंचवाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यालय में विद्यार्थियों के साथ आत्मीयता से समय बिताया और उनके साथ फोटो भी खिंचवाई। उन्होंने कहा कि बच्चों का उत्साह, आत्मविश्वास और शिक्षा के प्रति रुचि देखकर उन्हें प्रसन्नता हुई। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे बड़े सपने देखें और उन्हें पूरा करने के लिए पूरी लगन, अनुशासन और मेहनत के साथ आगे बढ़ें। इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री तथा बालाघाट जिले के प्रभारी मंत्री उदयप्रताप सिंह, सांसद भारती पारधी, विधायक राजकुमार करहिे, कलेक्टर कुमार सत्यम, जिला शिक्षा अधिकारी धनश्री जैन सहित विद्यालय का स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

## तेज रफ्तार बाइक ने स्कॉर्पियो को पीछे से मारी जोरदार टक्कर, तीन गंभीर

### कुलपा में बाघ नदी पुल के पहले हुआ हादसा, एक घायल को नागपुर किया रेफर

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** क्षेत्र के ग्राम कुलपा में शनिवार 29 अगस्त को दोपहर करीब 12.30 बजे तेज रफ्तार बाइक ने आगे चल रही स्कॉर्पियो वाहन को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार तीन लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर कुछ देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्कॉर्पियो वाहन क्रमांक सीजी 10 एन 7953 आमगांव की ओर से लांजी की तरफ आ रहा था। इसी दौरान ग्राम कुलपा में बाघ नदी के पुल के पहले पीछे से तेज रफ्तार में आ रही बाइक

क्रमांक एमपी 50 जेडई 1745 ने स्कॉर्पियो को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार सुकराम पिता किसन मेश्राम, दिनेश पिता शिवशंकर सिंदराम एवं लखन पिता धनसिंग नाईक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल घायलों की मदद की और उन्हें उपचार के लिए उसी स्कॉर्पियो वाहन से केटीएस अस्पताल गोंदिया पहुंचाया गया। अस्पताल में घायलों का उपचार जारी है। बताया जा रहा है कि सुकराम मेश्राम के सिर में गंभीर चोट लगी है और अत्यधिक रक्तस्राव होने के कारण चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए उन्हें नागपुर रेफर किया है। हादसे में बाइक और स्कॉर्पियो वाहन को भी नुकसान पहुंचा है। घटना की जानकारी मिलते ही घायलों के परिजन अस्पताल पहुंचे और मामले की जानकारी जुटाई। प्रथम दृष्टया दुर्घटना का कारण बाइक की तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाना बताया जा रहा है। घटना को लेकर संबंधित स्तर पर जानकारी जुटाई जा रही है।

## पाली अकादमी संस्थान बिसोनी में उत्साह से मनाया राष्ट्रीय खेल दिवस

### मेजर ध्यानचंद को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि, विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में दिखाया उत्साह

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** बिसोनी स्थित सीबीएसई पाली अकादमी संस्थान में शनिवार को राष्ट्रीय खेल

दिवस हर्षोल्लास और खेल भावना के साथ मनाया गया। हॉकी के महान खिलाड़ी एवं हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में नर्सरी से कक्षा 10वीं तक के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों एवं विद्यालय प्रबंधन द्वारा मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। उपस्थित अतिथियों ने मेजर ध्यानचंद के व्यक्तित्व एवं खेल जगत में उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। विद्यालय की संचालिका श्रीमती वंदना वैद्य ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए ही महत्वपूर्ण नहीं हैं, बल्कि इनके माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, टीम भावना, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास भी होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से मेजर ध्यानचंद के जीवन और उपलब्धियों से प्रेरणा लेकर खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने का आह्वान किया। संस्थान के प्रबंधक संजय चौरे ने कहा कि पाली अकादमी संस्थान विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। शिक्षा के साथ खेलकूद भी विद्यार्थी जीवन का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में पढ़ाई के साथ विद्यार्थियों की खेल प्रतिभाओं को भी आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक अवसर एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती श्रद्धा कांड्रा ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं विभिन्न खेल गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में बच्चों के लिए मैदानी खेलों का महत्व और अधिक बढ़ गया है। खेल बच्चों को सक्रिय रखने के साथ उनमें सहयोग, अनुशासन और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतिदिन किसी न किसी खेल गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

#### विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर नर्सरी से कक्षा 10वीं तक के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। छोटे बच्चों से लेकर बड़े विद्यार्थियों तक सभी ने पूरे उत्साह के साथ खेल गतिविधियों में भाग लिया। मैदान में विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बना। प्रतियोगिताओं के दौरान विद्यार्थियों ने खेल भावना, अनुशासन और टीमवर्क का परिचय दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। शिक्षकों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का कुशल संचालन करने के साथ मैदान में उपस्थित रहकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। आयोजन के दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह और खेल भावना का वातावरण बना रहा।

## 30 दिन 30 गांव रामचरितमानस पाठ अभियान का भव्य समापन, राम नाम की गूंज के साथ सेवा और संस्कार का संदेश

### 30 गांवों में धर्म के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्तदान, पर्यावरण और नशामुक्ति का अभियान बना मिसाल, कोटेश्वर में हुआ 30 दिनों तक पार्थिव शिवलिंग का निर्माण व अभिषेक

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** अभिनंदन लाइफ फाउंडेशन के सहयोग से लांजी-किरनापुर क्षेत्र के 30 गांवों में 29 जुलाई से चल रहा "30 दिन 30 गांव अखण्ड श्रीरामचरितमानस पाठ एवं सेवा-संस्कार अभियान" शुक्रवार 28 अगस्त को ग्राम दुल्हापुर में पूर्ण विश्राति के साथ सम्पन्न हुआ। 30 गांवों में आयोजित इस अभियान में अखण्ड रामचरितमानस पाठ, नगर संकीर्तन, सद्ग्रंथ पूजन, मंदिरों में धर्म ध्वज स्थापना, शिव जाप, अखण्ड ज्योति के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, रक्तदान, योग, पौधारोपण, नशामुक्ति और पर्यावरण संरक्षण जैसे अनेक जनसेवा कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान के समापन अवसर पर ग्राम दुल्हापुर में यजमान सम्मान समारोह आयोजित किया गया। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। 30 गांवों के यजमानों का सम्मान कर उनके धार्मिक, सामाजिक एवं सेवा कार्यों में योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया गया। अतिथियों एवं यजमानों ने भगवान श्रीराम का स्मरण करते हुए समाज में प्रेम, सद्भाव, सेवा, संस्कार और एकता को मजबूत करने का संकल्प लिया।

#### गांव-गांव गूंजा श्रीराम का नाम

अभियान के दौरान निकली नगर संकीर्तन एवं राम यात्रा गांव-गांव पहुंची। भजन-कीर्तन और श्रीराम के जयघोष से ग्रामीण अंचल भक्तिमय हो उठा। ग्रामीणों ने यात्रा का स्वागत आरती एवं पुष्पवर्षा से किया। इसके साथ ही गांवों में सद्ग्रंथों का पूजन और मंदिरों में धर्म ध्वज स्थापना कर सनातन परंपरा, धार्मिक चेतना और सामाजिक एकता का संदेश दिया गया। लांजी के कोटेश्वर महादेव मंदिर में 30 दिवस तक सामूहिक शिव जाप के साथ ही पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर रुद्राभिषेक किया गया। ? नम: शिवाय के जाप से मंदिर परिसर शिवमय बना रहा। वहीं 30 दिनों तक अखण्ड ज्योति कलश प्रज्वलित रहा, जो श्रद्धालुओं के लिए आस्था, ज्ञान, संस्कार और सकारात्मक ऊर्जा का केंद्र बना रहा।

#### स्वास्थ्य सेवा में भी बना बड़ा अभियान

अभियान को केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित न रखते हुए स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ा गया। विभिन्न गांवों में आयोजित स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविरों में लगभग 5 हजार लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई, जबकि लगभग 900 लोगों में मोतियाबिंद की संभावना चिन्हित कर उन्हें आगे उपचार के लिए मार्गदर्शन दिया गया। चिकित्सकों एवं चिकित्सा टीम द्वारा ग्रामीणों को जांच, परामर्श और आवश्यक दवाइयों की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

#### 99 यूनिट रक्तदान से दिया जीवनदान का संदेश

देवरबेली, मोहझरी और दुल्हापुर में आयोजित रक्तदान शिविरों में युवाओं एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। देवरबेली में 6, मोहझरी में 52 और दुल्हापुर में 41 यूनिट, कुल 99 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। रक्तदान के माध्यम से ग्रामीण अंचल में मानव सेवा और जरूरतमंदों की मदद का संदेश दिया गया।

#### 30 गांवों में 750 पौधे, पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

पर्यावरण संरक्षण को अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया। 30 गांवों में 750 पौधे लगाए गए तथा उनके संरक्षण और नियमित देखभाल का संकल्प लिया गया। ग्रामीणों को सिंगल यूज प्लास्टिक से बचने, स्वच्छता अपनाने और प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही नशामुक्ति अभियान के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल, योग और रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ने का संदेश दिया गया।

#### योग से स्वस्थ जीवन का संदेश

30 गांवों में आयोजित योग शिविरों में बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने सहभागिता की। योगासन, प्राणायाम, ध्यान और श्वसन अभ्यास के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया। नियमित योग, संतुलित दिनचर्या, पर्याप्त विश्राम और सकारात्मक सोच को स्वस्थ जीवन का आधार बताया गया।

#### 7 दिव्यांगजनों को मिलेगा कृत्रिम हाथ-पैर का संबल

सेवा अभियान के अंतर्गत 7 जरूरतमंद दिव्यांगजनों को कृत्रिम हाथ-पैर उपलब्ध कराने की पहल भी की गई। इसका उद्देश्य लाभार्थियों को दैनिक जीवन में अधिक आत्मनिर्भर बनाने तथा उनके आत्मविश्वास को मजबूत करना है। विशेषज्ञों द्वारा आवश्यक माप, जांच और कृत्रिम अंग के उपयोग संबंधी मार्गदर्शन की व्यवस्था की गई।

#### बच्चों की प्रस्तुतियों ने दिया संस्कार और जागरूकता का संदेश

मुंडेसरा, बोरगांव, टेडवा, कुम्हारीकला और दुल्हापुर सहित विभिन्न गांवों के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से शिक्षा, संस्कार, धर्म, नशामुक्ति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। भगवान श्रीराम के आदर्शों, अनुशासन, सेवा, सत्य और सद्भाव पर आधारित प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। बच्चों की प्रतिभा और आत्मविश्वास ने कार्यक्रम को मनोरंजन के साथ-साथ शिक्षाप्रद एवं प्रेरणादायी बनाया।

#### 30 गांव बने अभियान के सहभागी

इस अभियान में देवरबेली, अमेड़ा पा, थानेगांव, सुलसुली, घोटी, नेवरवाही, कोसमारा, पीपलगांव कला, टेमनी, मोहारा, बोरगांव, पलेहरा, किन्हीं, मुंडेसरा, बिनोरा, कोंकना, कान्द्रीकला, सावरीकला, देवलगांव, कारंजा, साडरा, कुम्हारीकला, पालडोंगरी, बड़गांव म, बहेला, सावरीखुर्द, मोहझरी, टेडवा, भीमोडी और दुल्हापुर सहित 30 गांवों ने सहभागिता की। वक्ताओं ने कहा कि किसी धार्मिक आयोजन की सार्थकता तभी बढ़ती है, जब उसके साथ सेवा, शिक्षा, संस्कार और सामाजिक जागरूकता जुड़ती है। "30 दिवस30 गांव" अभियान ने इसी विचार को साकार करते हुए, रामचरितमानस के आदर्शों को ग्रामीण जीवन से जोड़ने का प्रयास किया।

#### सेवाभावी जनों का जताया आभार

आयोजन की सफलता के लिए ग्रामवासियों, यजमानों, भक्तगणों, सेवाभावी दीदियों, आचार्य एवं विद्वान पंडितों, भजन मंडलियों, ग्राम समितियों, चिकित्सक दल, वाहन चालकों, भोजन एवं महाप्रसाद सेवा में जुटी टीम तथा प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी सेवाभावी जनों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

## रक्षाबंधन पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्रामीणों के बीच पहुंचकर सुनी समस्याएं, पहली बार सीएम को अपने बीच पाकर गांव में छाई खुशी

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 29 अगस्त को बालाघाट जिले के नक्सल प्रभावित रहे कोरका-बोंदारी क्षेत्र का दौरा कई आत्मीय और भावुक पलों का गवाह बना। बीमारी से प्रभावित परिवारों से मुलाकात के बाद जब मुख्यमंत्री लांजी की ओर लौट रहे थे, तभी ग्राम देवरबेली में सड़क किनारे खड़ी बहनों और बच्चों पर उनकी नजर पड़ी। मुख्यमंत्री ने तत्काल अपना काफिला रुकवाया और सुरक्षा घेरे से बाहर निकलकर सीधे ग्रामीणों के बीच पहुंच गए। मुख्यमंत्री के अचानक रुकने और ग्रामीणों के बीच पहुंचने से वहां मौजूद लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर जनजाति बहुल गांव की बहनों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव की कलाई पर राखी बांधी और उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए शुभ आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री ने भी बहनों के स्नेह को आत्मीयता से स्वीकार करते हुए उनका सम्मान किया।

#### काफिला रुका तो मुख्यमंत्री खुद पहुंचे ग्रामीणों के बीच

देवरबेली में मुख्यमंत्री का यह सहज अंदाज ग्रामीणों के लिए खास आकर्षण का केंद्र रहा। उन्होंने बहनों, बच्चों और ग्रामीणों से आत्मीय मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से बिना किसी औपचारिकता के बातचीत करते हुए गांव की स्थिति और उनकी आवश्यकताओं के बारे में जानकारी ली। ग्रामीणों ने सड़क, आवागमन, मूलभूत सुविधाओं सहित क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न समस्याएं मुख्यमंत्री के सामने रखीं। डॉ. यादव ने ग्रामीणों की बातें गंभीरता से सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

## भानेगांव भाजपा मंडल अध्यक्ष सीताराम रावते के पिता नरोत्तम रावते का निधन

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** भानेगांव भाजपा मंडल अध्यक्ष सीताराम रावते एवं लखन रावते के पिता नरोत्तम रावते का 80 वर्ष की आयु में शनिवार, 29 अगस्त को शाम 7:30 बजे निधन हो गया। उनके निधन की खबर से परिजनों, रिश्तेदारों एवं शुभचिंतकों में शोक की लहर व्याप्त है। स्वर्गीय नरोत्तम रावते अपने पीछे दो पुत्र सीताराम रावते एवं लखन रावते तथा दो पुत्रियों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। वे सरल, सहज एवं मिलनसार स्वभाव के लिए जाने जाते थे। उनके निधन से परिवार एवं परिचितों में गहरा शोक व्याप्त है। स्वर्गीय नरोत्तम रावते का अंतिम संस्कार रविवार, 30 अगस्त को दोपहर 1 बजे भानेगांव स्थित मोक्षधाम में किया जाएगा। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्रॉडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

## कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित टिप्पणी मामला

# विजय शाह के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी के लिए राज्यपाल कार्यालय भेजी गई फाइल

भोपाल। मध्य प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह का फैसला अब राज्यपाल के पास हैं! विजय शाह के खिलाफ अभियोजन की कार्रवाई की फाइल निर्णय के लिए राज्यपाल कार्यालय भेजे जाने की सूचना है। गवर्नर मंगूभाई पटेल इस पर फैसले ले सकते हैं। फिलहाल राज्यपाल अभी गुजरात दौरे पर हैं। वे 31 अगस्त को भोपाल लौटेंगे। इसी दिन सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई प्रस्तावित है। वहीं एसआईटी ने अभियोजन की स्वीकृति मांगी है।

गौरतलब है कि विजय शाह ने 11 मई 2025 को इंदौर के महू के हलमा कार्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर पर ब्रीफिंग देने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर विवादित टिप्पणी की थी। हाईकोर्ट के स्वतः संज्ञान के बाद मानपुर थाने में एफआईआर दर्ज हुई। 19 जनवरी 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को दो सप्ताह में फैसला लेने को कहा था,

फिर मई में चार सप्ताह का समय दिया। लेकिन 23 जुलाई की रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि सरकार ने अब तक कोई दस्तावेज दाखिल ही नहीं किया। जिस पर सीजेआई सूर्यकांत ने नाराजगी जताई थी। इधर, मंत्री विजय शाह को अभियोजन से बचाने की सिफारिश को लेकर कांग्रेस हमलावर है। हाल ही में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इसे लेकर राज्यपाल को एक पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने विजय शाह के विरुद्ध अभियोजन स्वीकृति का निर्णय लेने की मांग की है। सिंघार ने पत्र में कहा कि इस मामले की जांच कर रही स्ढ्ढञ्ज ने मंत्री के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति शासन से मांगी है। लेकिन मोहन सरकार अपने ही मंत्री को बचाने के लिए स्वीकृति देने से इनकार कर रही है। इससे सरकार की निष्पक्षता और नियत पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

### नेता प्रतिपक्ष ने उठाए सवाल

नेता प्रतिपक्ष ने सवाल उठाया कि जब जांच एजेंसी खुद कह रही है कि मंत्री के खिलाफ अभियोजन चलना चाहिए, तब सरकार और कैबिनेट की ओर से स्वीकृति रोकना यह साबित करता है कि मंत्री के लिए अलग कानून है। आम आदमी और मंत्री के लिए कानून अलग-अलग नहीं हो सकते। कर्नल सोफिया कुरैशी जैसे अधिकारी का अपमान पूरे देश और सेना का अपमान है। ऐसे संवेदनशील मामले में सरकार का अपने मंत्री को संरक्षण देना जनता के बीच गलत संदेश देगा। सरकार कानून के राज की बात करती है, लेकिन व्यवहार में अपने लोगों को बचाने में लगी है। भौगोलिकसंदर्भ

### राज्यपाल से हस्तक्षेप की मांग

उमंग सिंघार ने राज्यपाल मंगूभाई पटेल से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। उन्होंने मांग की कि राज्यपाल महोदय मंत्री विजय शाह के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करें और राज्य सरकार को मंत्रिमंडल के माध्यम से अभियोजन स्वीकृति देने के लिए निर्देशित करें। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि संविधान में सभी नागरिक समान हैं। पद के कारण किसी को विशेष संरक्षण नहीं मिल सकता। अगर सरकार अभियोजन स्वीकृति नहीं देती है तो यह माना जाएगा कि सरकार दोषी को बचाना चाहती है।

# राष्ट्रीय युवा समागम में आज जुटेंगे युवा

### देश विदेश के वक्ताओ का युवाओं को मार्गदर्शन

भोपाल। विद्योदय तीर्थ रानी कमलापति के समीप आचार्य समय सागर महाराज के सा संघ सानिध्य में आज रविवार को देश के अनेक शहरों से युवा आकर युवा समागम में जुड़ेंगे जिसमें युवाओं को सही दिशा देने के लिए देश के प्रख्यात युवा आईकॉन अधिकारी और न्यायिक क्षेत्र के न्यायाधीश अपना विशेष मार्गदर्शन और अनुभव युवाओं को प्रदान करेंगे, आयोजन दयोदय महासंघ के तत्वाधान में हो रहा है इसमें अनुशासनोदय समाज कल्याण समिति विशेष सहयोग देंगे, चातुर्मास समिति के पंकज जैन मनोज बांगा ने बताया देश विदेश के युवा आइकान आई ए एस,, न्यायाधीश, युवाओं को धर्म संस्कृति मूल्य के साथ सही दिशा के लिए मोटिवेशन करेंगे, सुबह 8 बजे से शुरू युवा समागम में दिल्ली गुजरात महाराष्ट्र सहित देश के विभिन्न शहरों से युवा शामिल होंगे, श्री शांति नाथ जिनालय जैन नगर में आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के शिष्यों के सानिध्य में विशेष आराधना आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के शिष्य उपाध्याय विश्रुत सागर महाराज मुनि निर्वेद सागर महाराज का चातुर्मास श्री शांति नाथ जिनालय में हो रहा हे, प्रतिदिन भगवान शांतिनाथ के अभिषेक पूजा अर्चना के साथ अनुष्ठान हो रहे हे, मंदिर समिति मीडिया प्रवक्ता सौरभ इंजीनियर ने बताया वर्षा योग आराधना में तत्त्वार्थ सूत्र वाचन,तत्व चर्चा, प्रतिक्रमण आचार्य विशुद्ध सागर महाराज की आचार्य भक्ति हो रही हे, उपाध्याय विश्रुत सागर महाराज ने कहा आडंबर रहित जीवन ही शांति के साथ नीति पूर्वक जीने का मार्ग हे, जीवन को सात्विक विचार धारा, सात्विक आचरण के साथ जीना ही हमारी संस्कृति है, वर्षा योग के मुख्य कलश स्थापना कर्ता सपन अनु सराफ, पंकज सरोवर इंजीनियर है इस अवसर पर ब्रह्मचारिणी बहन अलका दीदी मंदिर समिति अध्यक्ष निर्मल टी आई, जिनालय पुण्यर्जक अजय निखिल ज्योतिष, इंजी. पंकज जैन, विनोद रेडिमेड प्रमोद जैन आई. टी., इंजी. गौरव जैन, सुरेश जैन शिखर, निखिल जैन, मनोज बबलू, सुनील पब्लिशर, अजीत बर्फी, जयंत जैन, अतुल जैन, जितेन्द्र जीतू सिलवानी, मुकेश जैन चिप्स, संदीप जैन टाइल्स, मनीष दिगंबर, सहित अनेक लोग मौजूद थे।।

## आंगनबाड़ी-स्कूलों में होगी स्वास्थ्य जांच

भोपाल। जन्माष्टमी के मौके पर मध्य प्रदेश में बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण को लेकर विशेष अभियान चलाया जाएगा। 29 अगस्त से 4 सितंबर तक आंगनबाडियों और प्राथमिक शालाओं में बच्चों की स्वास्थ्य जांच की जाएगी। महिला एवं बाल विकास और स्वास्थ्य विभाग मिलकर यह अभियान चलाएंगे। इस पूरे सप्ताह में बच्चों के लिए विशेष स्वास्थ्य एवं पोषण शिविर आयोजित किए जाएंगे।

इस दौरान बच्चों की जांच के साथ उन्हें पौष्टिक भोजन भी दिया जाएगा। अभियान का उद्देश्य बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार और कुपोषण को कम करना है। जन्माष्टमी पर प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी कई कार्यक्रम होंगे। भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े जानापाव, अमझेरा, उज्जैन के सांदीपनि आश्रम, नारायणा, रायसेन के जामगढ़ और देवास के खातेगांव में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रदेश के मंत्रियों, सांसदों और विधायकों के नेतृत्व में ये आयोजन होंगे।

# एडीजी इंटेलिजेंस बने अंशुमन यादव

### -वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों का तबादला
### -एसएफ के एडीजी चंचल शेखर को खेल विभाग का डायरेक्टर बनाया गया

भोपाल । मध्य प्रदेश में दो वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया गया है। कई अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार दिया है। इस संबंध में गृह विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। आदेश के मुताबिक, वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी अंशुमन यादव को नया एडीजी इंटेलिजेंस (गुप्तवार्ता) बनाया गया है। वहीं, विशेष सशस्त्र बल के एडीजी चंचल शेखर को खेल एवं युवक कल्याण विभाग का नया संचालक (डायरेक्टर) नियुक्त किया गया है।

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, मध्य प्रदेश के वर्तमान एडीजी इंटेलिजेंस ए साईं मनोहर (1995 बैच) आगामी 31 अगस्त 2026 को सेवानिवृत्त (रिटायर) हो रहे हैं। उनके रिटायरमेंट से ठीक दो दिन पहले सरकार ने यह आदेश जारी कर इंटेलिजेंस की कमान अंशुमन यादव को सौंपी है। 1998 बैच के आईपीएस अधिकारी अंशुमन यादव, जो अब तक खेल एवं युवक कल्याण विभाग के संचालक की जिम्मेदारी संभाल रहे थे, उन्हें वहां से वापस बुलाकर अब एडीजी गुप्तवार्ता (इंटेलिजेंस) जैसी बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही उन्हें एडीजी सायबर, पुलिस मुख्यालय का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है।

### एडीजी चंचल शेखर संभालेंगे खेल विभाग

वहीं दूसरी तरफ, खेल विभाग के डायरेक्टर पद से अंशुमन यादव की विदाई के बाद इस पद की जिम्मेदारी 1995 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी चंचल शेखर को सौंपी गई है। चंचल शेखर वर्तमान में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक , वि.स.बल के पद पर कार्यरत थे। अब उनकी सेवाएं खेल एवं युवक कल्याण विभाग को सौंपते हुए उन्हें नया खेल संचालक बनाया गया है।

### दो अन्य सीनियर आईपीएस अधिकारियों को मिले अतिरिक्त प्रभार

स्पेशल डीजी अनिल कुमार को अजाक का जिम्मा 1993 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी अनिल कुमार, जो वर्तमान में विशेष पुलिस महानिदेशक (स्पेशल डीजी) महिला सुरक्षा के पद पर हैं, उन्हें अपने वर्तमान कार्य के साथ-साथ विशेष पुलिस महानिदेशक, अजाक (अनुसूचित जाति कल्याण), पुलिस मुख्यालय का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। 1997 बैच के आईपीएस अधिकारी डी. श्रीनिवास वर्मा को अब चंचल शेखर के स्थान पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, वि.स.बल (विशेष सशस्त्र बल) एवं एसआईएसएफ का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

# 50 हजार से ज्यादा बच्चों का बजट अटका

### महीनों से नहीं मिली 4 हजार रूपए की किश्त

भोपाल। मध्य प्रदेश में बेसहारा और जरूरतमंद बच्चों की आर्थिक मदद के लिए शुरू की गई मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना और उससे जुड़ी स्पॉन्सरशिप योजना बजट की कमी से जूझ रही है। प्रदेश में लाभार्थी बच्चों की संख्या 50 हजार से अधिक बताई जा रही है। कई महीनों से बच्चों को मिलने वाली करीब चार हजार रुपये की मासिक सहायता की किश्त अटकी हुई है। स्थिति यह है कि महिला एवं बाल विकास विभाग से लेकर कलेक्ट्रेट तक जरूरतमंद परिवार सहायता के लिए आवेदन लेकर पहुंच रहे हैं, लेकिन बजट उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें तत्काल राहत नहीं मिल पा रही है। नए आवेदन लिए तो जा रहे हैं, लेकिन स्वीकृति और भुगतान के लिए बजट का इंतजार करना पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना कोविड-19 के दौरान ऐसे बच्चों की सहायता के उद्देश्य से शुरू की गई थी, जिनकी देखरेख करने वाला कोई नहीं था। योजना के तहत पात्र बच्चों को हर महीने चार हजार रुपये देने का प्रावधान किया गया था। प्रदेश में बाल

आशीर्वाद और स्पॉन्सरशिप योजना के तहत 50 हजार से ज्यादा जुड़े हुए हैं। विभाग के स्तर पर जरूरतमंद बच्चों के आवेदन लगातार पहुंच रहे हैं। इसके बावजूद नियमित भुगतान के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध नहीं होने की समस्या सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि बजट कभी-कभार जारी होता है, लेकिन वह जरूरत के अनुपात में पर्याप्त नहीं है। हाल में भी करीब दो महीने पहले बजट उपलब्ध हुआ था। इसके बाद फिर भुगतान को लेकर इंतजार की स्थिति बन गई।

### आवेदन बढ़ रहे, जवाब नहीं मिल रहा

स्पॉन्सरशिप योजना के तहत आर्थिक सहायता की उम्मीद लेकर परिवार महिला एवं बाल विकास कार्यालय और कलेक्ट्रेट पहुंच रहे हैं। जरूरतमंद परिवार आवेदन जमा कर रहे हैं, लेकिन बजट की कमी के कारण उन्हें सहायता मिलने में देरी हो रही है। इससे परिवारों में नाराजगी भी है। उनका सवाल है कि जब बच्चों की जरूरत तत्काल है तो सहायता के लिए बजट महीनों तक क्यों अटका रहता है। योजना का उद्देश्य ही ऐसे बच्चों को आर्थिक सहारा देना है, लेकिन भुगतान में देरी होने से इसका सीधा असर बच्चों की पढ़ाई, भोजन और रोजमर्रा की जरूरतों पर पड़ सकता है।

### 50 हजार से ज्यादा बच्चों पर असर

प्रदेश स्तर पर बाल आशीर्वाद और स्पॉन्सरशिप योजना से जुड़े बच्चों की संख्या 50 हजार से अधिक बताई जा रही है। यदि प्रत्येक पात्र बच्चे को चार हजार रुपये प्रतिमाह की सहायता दी जाए तो बड़ी राशि की आवश्यकता होगी। ऐसे में नियमित बजट उपलब्ध कराना विभाग के सामने बड़ी चुनौती बन गया है। एक ओर सरकार की लाड़ली बहना और लाड़ली लक्ष्मी जैसी योजनाओं की किश्तें नियमित रूप से जारी हो रही हैं, वहीं दूसरी ओर जरूरतमंद बच्चों के लिए बनाई गई योजना में बजट की कमी का सवाल उठ रहा है। यही अंतर अब योजना से जुड़े परिवारों के बीच असंतोष का कारण बन रहा है।

### बच्चों के नाम जुड़ रहे, पैसा कब मिलेगा?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब नए बच्चों के आवेदन लिए जा रहे हैं और उन्हें योजना में शामिल किया जा रहा है, तो उनके लिए आवश्यक बजट की व्यवस्था कब होगी। लाभार्थी परिवारों को केवल आवेदन स्वीकार किए जाने से राहत नहीं मिलेगी, उन्हें समय पर आर्थिक सहायता की जरूरत है। बाल आशीर्वाद योजना का मूल उद्देश्य ही संकटग्रस्त बच्चों को आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा देना है। ऐसे में महीनों तक चार हजार रुपये की सहायता अटकना योजना के क्रियान्वयन पर सवाल खड़े करता है। अब निगाह इस बात पर है कि सरकार लंबित किश्तों के भुगतान और नए पात्र बच्चों के लिए पर्याप्त बजट कब जारी करती है।

# आईआईटी-एनआईटी से चुने जाएंगे 10 इंजीनियर, 5 साल में तैयार होंगे 50 एक्सपर्ट

भोपाल। ऑनलाइन सेवाओं, डिजिटल भुगतान और सरकारी रिकॉर्ड पर साइबर हमलों का खतरा बढने के बीच मध्य प्रदेश सरकार ने अपनी साइबर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की तैयारी शुरू कर दी है। अब राज्य हर साल देश के प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों से 10 इंजीनियरिंग स्नातकों को चुनकर एक साल की ट्रेनिंग देंगी। ट्रेनिंग के दौरान प्रत्येक को 25 हजार रुपये प्रतिमाह का भत्ता मिलेगा। सरकार ने इस पर काम शुरू कर दिया है। इन युवाओं का चयन इंटरव्यू के माध्यम से होगा। इन्हें आईआईटी, एनआईटी, एनएफएसयू, आईआईएसईआर और सीडीएसी जैसे संस्थानों से चुना जाएगा।

### सरकारी सिस्टम की सुरक्षा के लिए तैयार होंगे विशेषज्ञ

इन इंजीनियरों को मध्य प्रदेश कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम यानी एमपी-सीईआरटी के साथ प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसका काम सरकारी सिस्टम पर होने वाले साइबर हमलों की पहचान करना, उनका तुरंत जवाब देना, खतरे को कम करना और महत्वपूर्ण सरकारी डेटा को सुरक्षित रखना है। एमपी-सीईआरटी की स्थापना दिसंबर 2022 में की गई थी। आज सरकारी विभागों की अधिकांश सेवाएं ऑनलाइन हैं। नागरिक सेवाओं से लेकर डिजिटल भुगतान, सरकारी डेटा, क्लाउड सिस्टम और दूसरे महत्वपूर्ण सिस्टम इंटरनेट और सूचना तकनीक पर निर्भर हैं। ऐसे में प्रशिक्षित साइबर विशेषज्ञों की जरूरत लगातार बढ़ रही है।

### पांच साल में 80 करोड़ रुपये खर्च होंगे

मोहन सरकार ने एमपी-सीईआरटी के तहत 2026-27 से 2030-31 तक 80 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। इसके अलावा प्रशासनिक, तकनीकी, कंसल्टेंसी, साइबर घटना से निपटने, डिजिटल फोरेंसिक और सिक्योरिटी ऑपरेशन सेंटर से जुड़े कामों के लिए करीब 3.99 करोड़ रुपये और 25 नए पदों की मंजूरी दी गई है।

# चंबल अभयारण्य से गुजरेगी 800 केवी की ग्रीन पावर लाइन

भोपाल। राजस्थान के बड़े नवीकरणीय ऊर्जा भंडार को उत्तर प्रदेश तक पहुंचाने के लिए प्रस्तावित 800 केवी एचवीडीसी ट्रांसमिशन लाइन मध्यप्रदेश के राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य और उसके ईको-सेंसेटिव जोन से होकर गुजरेगी। परियोजना के लिए मध्यप्रदेश सरकार करीब 25.5949 हेक्टेयर वन भूमि उपयोग के लिए उपलब्ध कराने की तैयारी में है। इसके बदले परियोजना से जुड़ी कंपनी की ओर से वन्यजीव संरक्षण और शमन उपायों के लिए 91 लाख रुपए मध्यप्रदेश टाइगर फाउंडेशन सोसायटी को दिए जाएंगे। यह परियोजना अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड द्वारा विकसित की जा रही है। राज्य वन्यप्राणी बोर्ड इसकी अनुशंसा कर चुका है और अब परियोजना के लिए राष्ट्रीय वन्यप्राणी बोर्ड की अनुमति लिया जाना बाकी है।

प्रस्तावित एचवीडीसी ट्रांसमिशन लिंक राजस्थान के भादला से उत्तर प्रदेश के फतेहपुर तक बनाया जाएगा। इसकी लंबाई करीब 950 किलोमीटर बताई गई है। 800 केवी क्षमता वाली इस लाइन के जरिए करीब 6000 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा को लंबी दूरी तक पहुंचाने की योजना है। राजस्थान में विकसित हो रहे बड़े सौर और पवन ऊर्जा केंद्रों से पैदा होने वाली अतिरिक्त बिजली को देश के ज्यादा मांग वाले औद्योगिक और परिवहन क्षेत्रों तक पहुंचाने के लिए यह लाइन महत्वपूर्ण मानी जा रही है। एचवीडीसी तकनीक के इस्तेमाल से लंबी दूरी पर बिजली पहुंचाने के दौरान ट्रांसमिशन लॉस को कम करने में मदद मिलेगी। ट्रांसमिशन लाइन का एक हिस्सा राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य और उसके ईको-सेंसेटिव जोन से होकर गुजरना प्रस्तावित है।

# बिना तैयारी पोर्टल बदला...दो माह से वेतन अटका

### प्रदेश के हजारों कर्मचारी इंतजार में, भुगतान व्यवस्था बदलने से बढ़ी परेशानी

भोपाल। बच्चों को पढ़ाने और स्कूलों की व्यवस्थाएं संभालने वाले सर्व शिक्षा अभियान के हजारों शिक्षक-कर्मचारियों के सामने अब अपने घर की व्यवस्थाएं चलाने की चुनौती खड़ी हो गई है। प्रदेश में अभियान के तहत कार्यरत करीब 10 से 12 हजार कर्मचारियों को जून के बाद से वेतन और मानदेय नहीं मिला है। इनमें शिक्षक, जिला एवं ब्लॉक स्तर के कर्मचारी, होस्टल वार्डन और चौकीदार सहित अन्य कर्मचारी शामिल हैं।

दो माह से वेतन नहीं मिलने के कारण कर्मचारियों के सामने घरेलू खर्च, बच्चों की पढ़ाई, किराया और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में परेशानी आ रही है। इन कर्मचारियों की राखी भी सूनी बीती है। कर्मचारियों का कहना है कि नौकरी की जिम्मेदारियां लगातार निभाई जा रही हैं। स्कूल और छात्रावासों की व्यवस्थाएं भी प्रभावित नहीं होने दी जा रही हैं, लेकिन समय पर वेतन नहीं मिलने से व्यक्तिगत स्तर पर आर्थिक दबाव बढ़ता जा रहा है।

### पोर्टल बदला, भुगतान प्रक्रिया में अड़चन

वेतन में देरी की मुख्य वजह भुगतान व्यवस्था में किया गया तकनीकी बदलाव बताया जा रहा है। अब तक कर्मचारियों का मानदेय डीजीगौ पोर्टल के माध्यम से जारी किया जाता था। इस व्यवस्था में बदलाव करते हुए अब एसएनए स्पर्श पोर्टल से भुगतान की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। नए पोर्टल पर कर्मचारियों के रिकॉर्ड का सत्यापन और मैपिंग की प्रक्रिया जारी है। इसी प्रक्रिया के पूरा नहीं होने के कारण भुगतान अटका हुआ है। सर्व शिक्षा अभियान केंद्र सरकार के अनुदान से संचालित होता है और इसके तहत प्रदेश के प्रत्येक जिले में डीपीसी, बीआरसी, शिक्षक तथा छात्रावासों का स्टाफ कार्यरत है। जबकि भोपाल के अधिकारियों को यह तैयारी पहले से करना थी, ताकि वेतन नहीं रुकता।

### शिक्षकों का दर्द- काम नहीं रुका तो वेतन क्यों!

कर्मचारियों का कहना है कि पोर्टल और भुगतान की तकनीकी प्रक्रिया में बदलाव प्रशासनिक स्तर का विषय है। इसका असर उन कर्मचारियों पर नहीं पड़ना चाहिए, जो नियमित रूप से अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। शिक्षकों का कहना है कि स्कूल में बच्चों की पढ़ाई, रिकॉर्ड और विभागीय कामकाज समय पर किया जा रहा है, लेकिन दो माह से वेतन का इंतजार करना मानसिक और आर्थिक दोनों स्तर पर परेशानी बढ़ा रहा है। कर्मचारियों की मांग है कि तकनीकी प्रक्रिया जल्द पूरी कर लंबित वेतन का भुगतान किया जाए, ताकि उन्हें अनिश्चितता से राहत मिल सके।

# नियुक्तियों के विवाद से परेशान मप्र कांग्रेस ने बदली रणनीति

### अब एक नाम-एक राय पर होगा फैसला

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस में संगठनात्मक नियुक्तियों को लेकर होने वाले विवादों से बचने के लिए अब पार्टी ने फैसला लेने की प्रक्रिया को विकेंद्रीकृत करने की रणनीति अपनाई है। आने वाले महीनों में प्रदेश से लेकर जिला स्तर तक 19 विभागों और 34 प्रकोष्ठों में नियुक्तियां प्रस्तावित हैं। पार्टी नहीं चाहती कि इन नियुक्तियों के बाद एक बार फिर विरोध, गुटबाजी और नामों को लेकर खींचतान सामने आए। इसलिए अब जिला और संभाग स्तर पर गठित समन्वय समितियों की सहमति के बाद ही नाम आगे बढ़ाए जाएंगे।

नई व्यवस्था में जिलाध्यक्ष अपनी ओर से सीधे नाम भेजने के बजाय पहले स्थानीय समन्वय समिति में नामों पर चर्चा कराएंगे। समिति की सहमति के बाद सूची प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय भेजी जाएगी। इस व्यवस्था को पार्टी अगले साल से शुरू होने वाले चुनावों से पहले संगठन में ज्यादा समन्वय कायम करने की कोशिश के तौर पर देख रही है।

### जिलाध्यक्षों की नियुक्ति से लिया सबक

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की कोशिश रही है कि संगठन में नियुक्तियां आपसी सहमति से हों। हालांकि संगठन सृजन अभियान के दौरान केंद्रीय पर्यवेक्षकों की अनुशंसा से बनाए गए जिलाध्यक्षों को लेकर कई जिलों में विवाद सामने आए थे। कुछ मामलों में विरोध जिला मुख्यालय से निकलकर भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय तक पहुंचा। इसके बाद जिला कार्यकारिणियों के गठन में पार्टी ने वरिष्ठ नेताओं से व्यापक विचार-विमर्श किया। इससे शिकायतों और विरोध की स्थिति अपेक्षाकृत कम हुई। अब इसी मॉडल को आगामी नियुक्तियों में भी लागू करने की तैयारी है।

### हर नाम पर होगी चर्चा

नई व्यवस्था के तहत जिला स्तर की नियुक्तियों के लिए संबंधित जिला और संभाग समन्वय समितियों की भूमिका बढ़ाई जाएगी। इन समितियों में क्षेत्र के विधायक, पूर्व विधायक, सांसद, पूर्व सांसद, जिला और ब्लॉक पंचायत अध्यक्ष, नगर निगम महापौर, नगर पालिका अध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता शामिल हैं। किसी पद के लिए एक नाम तय करने से पहले समिति में उस पर चर्चा होगी। इसके बाद जिलाध्यक्ष सूची प्रदेश मुख्यालय को भेजेंगे। यदि प्रदेश संगठन को लगेगा कि किसी सक्रिय कार्यकर्ता या वरिष्ठ नेता को सूची में स्थान नहीं मिला है तो उस नाम पर दोबारा विचार करने के लिए कहा जा सकेगा। इससे पार्टी को उम्मीद है कि नियुक्ति के बाद होने वाले विरोध को काफी हद तक रोका जा सकेगा।

### चुनाव से पहले संगठन को विवाद-मुक्त करने की कोशिश

कांग्रेस के सामने इस समय सबसे बड़ी चुनौती संगठन को चुनावी गतिविधियों के लिए तैयार करने की है। अगले साल से प्रदेश में निकाय और पंचायत समेत विभिन्न चुनावी गतिविधियां शुरू होने की संभावना है। ऐसे में संगठन नहीं चाहता कि नियुक्तियों को लेकर आंतरिक विवाद चुनावी तैयारी पर असर डाले। इसी वजह से पार्टी जल्दबाजी में नाम तय करने के बजाय स्थानीय स्तर पर नेताओं और कार्यकर्ताओं की राय लेने पर जोर दे रही है। माना जा रहा है कि इससे अलग-अलग गुटों के बीच संतुलन बनाने में भी मदद मिलेगी।

### प्रदेश कार्यकारिणी भी होगी नए सिरे से तैयार

प्रदेश कांग्रेस की मौजूदा कार्यकारिणी को जल्द भंग कर उसके स्थान पर नई टीम गठित करने की तैयारी है। प्रदेश संगठन महासचिव संजय कामले के मुताबिक नई टीम में क्षेत्रीय, राजनीतिक और सामाजिक संतुलन साधने की कोशिश होगी। नई टीम में युवाओं और अनुभवी नेताओं के बीच तालमेल पर भी जोर रहेगा। यानी पार्टी की कोशिश सिर्फ संगठनात्मक नियुक्तियां पूरी करने की नहीं, बल्कि ऐसी टीम तैयार करने की है जो आगामी चुनावों में संगठन की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित कर सके। कुल मिलाकर कांग्रेस ने पिछली नियुक्तियों से मिले विरोध के अनुभव के बाद फैसला प्रक्रिया में स्थानीय नेताओं की भागीदारी बढ़ाने का रास्ता चुना है। अब नियुक्ति का अंतिम फैसला प्रदेश स्तर पर होने से पहले जिला और संभाग स्तर पर सहमति की परीक्षा से गुजरना होगा।

## जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट का बदल दिया इतिहास

# सचिन तेंदुलकर-रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ रूट निकले सबसे आगे

लॉर्ड्स, एजेंसी। लॉर्ड्स में पाकिस्तान के खिलाफ 24 रन बनाते ही जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट का इतिहास बदल दिया। वह टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा अपनी घरेलू सरजमीं पर रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए।

उन्होंने इस मामले में रिकी पोंटिंग का रिकॉर्ड ध्वस्त किया। रूट ने सचिन तेंदुलकर को पहले ही पछाड़ दिया था। अब रूट की नजर सचिन तेंदुलकर के 68 अर्धशतकों के रिकॉर्ड को तोड़ने पर है, जिससे वह एक कदम दूर हैं। इंग्लिश कप्तान ने भी 68 अर्धशतक लगा दिए हैं।

लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में जो रूट ने चार रन बनाए थे और इस रिकॉर्ड को तोड़ने से पीछे रह गए थे, लेकिन दूसरी पारी में 24 रन बनाते हुए उन्होंने यह रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। अब जो रूट के नाम अपने घर पर टेस्ट क्रिकेट में 7594 रन दर्ज हो गए हैं। पोंटिंग 7578 रनों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, तो सचिन तेंदुलकर 7216 रन के साथ तीसरे और श्रीलंका के महेला जयवर्धने 7167 रन के साथ चौथे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के जैक्स कैलिस के नाम 7025 रन दर्ज हैं।

### तीसरे टेस्ट में सचिन के रिकॉर्ड पर नजर

इस सीरीज में जो रूट एक और अर्धशतक और लगा लेते हैं तो वह सचिन तेंदुलकर के 68 शतक के रिकॉर्ड को भी तोड़ देंगे। आपको बता दें कि इस समय जो रूट और सचिन तेंदुलकर 68-68 शतक लगाकर बराबरी पर हैं। सीरीज का आखिरी मुकाबला एजबेस्टन में 9 सितंबर से खेला जाएगा और उसमें जो रूट की नजर सचिन तेंदुलकर के इस वर्ल्ड रिकॉर्ड पर होगी। लॉर्ड्स टेस्ट की बात की जाए तो इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 290 रन बनाए थे। जवाब में पाकिस्तान की टीम सिर्फ 110 रन पर ढेर हो गई, जिससे इंग्लैंड ने पहली पारी के आधार पर 180 रन की बढ़त हासिल कर ली।

दूसरी पारी में दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक उसने तीन विकेट गंवाकर 81 रन बना लिए थे। गस एटकिंसन 30 और हैरी ब्रूक 8 रन बनाकर नाबाद हैं, जबकि बेन डकेट 1, जॉर्डन कॉक्स 11 और जो रूट 24 रन बनाकर आउट हुए।

### कप्तानी जाने पर पहली बार सूर्यकुमार बोले: डेढ़ महीने सोचता रहा ऐसा कैसे हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहली बार अपनी कप्तानी छिनने पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा- हमें करीब डेढ़ महीने तक घर पर बैठकर यही सोचता रहा कि ऐसा कैसे हो सकता है। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा के यूट्यूब चैनल पर बातचीत में सूर्यकुमार ने कहा- मैंने सोचा था कि 2028 लॉस एंजिल्स ओलिंपिक और अगले टी20 वर्ल्ड कप तक भारतीय टीम को संभालूंगा। अजित अगरकर की अगुआई वाली सिलेक्शन कमेटी ने टी-20 वर्ल्डकप 2026 जीतने के बाद सूर्यकुमार को कप्तानी से हटा दिया था। उनकी जगह श्रेयस अय्यर नए कप्तान बने। यहां तक आयरलैंड और इंग्लैंड की टीम में भी उन्हें शामिल नहीं किया गया। सिलेक्टर्स ने उनके खराब फॉर्म को इसकी वजह बताया। सूर्यकुमार ने बताया कि टीम से बाहर किए जाने पर खुद को सिलेक्टर्स की जगह रखकर सोचा। समझने की कोशिश की कि वे उनसे आगे बढ़कर भविष्य के लिए नई टीम क्यों बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा- जब मेरा नाम टीम में नहीं था, तब मैं मुस्कुराया।

# भारतीय पुरुष हॉकी टीम आठवें स्थान पर रही

## शूटआउट में बेल्जियम के हाथों 4-3 से हारी

बेल्फियस । भारतीय पुरुष हॉकी टीम बेल्जियम के बेल्फियस हॉकी एरिना में हुए एफआईएच हॉकी विश्वकप 2026 में मेजबान टीम के हाथों हार के साथ ही आठवें स्थान पर रही। यहां 7वें-8वें स्थान के लिए हुए मुकाबले में बेल्जियम ने भारतीय टीम को शूटआउट में 4-3 से हराया। इस मुकाबले में निर्धारित समय तक दोनों ही टीमें 3-3 से बराबरी पर थीं परन्तु अंत में शूटआउट में बेल्जियम ने मुकाबला जीत लिया। मेजबान टीम के खिलाफ हुए मुकाबले में भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही। अभिषेक ने छठे मिनट में ही एक कठिन मैदानी गोल दागकर टीम को 1-0 की शुरुआती बढ़त दिला दी। वहीं मेजबान बेल्जियम ने भी आक्रामक रुख अपनाकर पलटवार किया। भारतीय गोलकीपर सूरज करकेरा ने हेंड्रिक्स के ड्रैग-फ्लिक को शानदार तरीके से रोककर गोल बचाये रखा पर बेल्जियम के हमले जारी रहे। भारत को तब एक झटका लगा जब निर्धारित संख्या से अधिक खिलाड़ी मैदान पर होने के कारण कप्तान हरमनप्रीत सिंह को पीला कार्ड दिखाया गया, जिससे टीम को कुछ समय के लिए 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। इसका लाभ उठाते हुए बेल्जियम ने दूसरे क्वार्टर में गोल दागकर बराबरी हासिल कर ली। ये गोल रोमन डुवेकोट ने 22वें मिनट में किया जिससे स्कोर 1-1 से बराबरी पर आ गया। इसके बाद ह्यूगो लाबूशेयर ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागकर मेजबान टीम को 2-1 की बढ़त दिला दी।

वहीं दूसरे हाफ में भारतीय टीम ने अच्छी वापसी की। राजिंदर

सिंह के प्रयास से मिले पेनल्टी कॉर्नर पर कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गेंद को गोल में पहुंचाकर स्कोर 2-2 कर दिया। तीसरे क्वार्टर के अंत तक दोनों टीमें बराबरी पर थीं। हालांकि, चौथे क्वार्टर में बेल्जियम फिर आगे निकला। एक हमले के दौरान भारतीय डिफेंडर से लगकर गेंद निकोला डी करेपेल के पास पहुंची, जिन्होंने शानदार हिट लगाकर बेल्जियम को 3-2 से बढ़त दिला दी। इस दौरान मनप्रीत सिंह के चेहरे पर शॉट लगने से उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा।

मैच के अंतिम पलों में बेल्जियम जीत की ओर बढ़ता दिख रहा था, लेकिन भारतीय टीम की ओर से 57वें मिनट में वानाश ने अभिषेक के रिवर्स हिट को रोका। मुकाबले के अंतिम तीन मिनट से पहले, भारत ने गोलकीपर सूरज करकेरा को हटाकर एक अतिरिक्त आउटफील्ड खिलाड़ी मैदान पर उतारा। यह रणनीति सफल रही। मैच खत्म होने में सिर्फ 26 सेकंड शेष थे जब भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला। एक बार फिर, कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कमाल दिखाते हुए शानदार ड्रैग-फ्लिक से गोल कर स्कोर 3-3 कर दिया और मुकाबले को रोमांचक शूटआउट में खींच लिया। शूटआउट में बेल्जियम ने सटीकता दिखायी। भारतीय टीम की ओर से कप्तान हरमनप्रीत सिंह और सुखजीत सिंह और अभिषेक ने गोल दागे। वहीं बेल्जियम के लिए टॉम बून, आर्थर डी स्लोवर, अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स और रोमन डुवेकोट ने एक-एक गोल कर अपनी टीम को 4-3 से जीत दिला दी। इस तरह भारत का विश्व कप अभियान आठवें स्थान पर समाप्त हुआ।

## नामीबिया ने दक्षिण अफ्रीका को 18 रनों से हराया

विंडहॉक। एसोसिएटेड टीमों में शामिल नामीबिया क्रिकेट टीम ने अपने घरेलू मैदान पर हुए त्रिकोणीय सीरीज के मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 18 रनों से हराकर एक बड़ा उलटफेर किया है। इस मैच में डेवाल्ड ब्रेविस के 75 रनों की अच्छी पारी भी दक्षिण अफ्रीका को हार से नहीं बचा पायी।

इस मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम ने टॉस जीतकर नामीबिया को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। नामीबियाई टीम ने सलामी बल्लेबाज लौरेन स्टीनकैंप 41 और जान फ्राइलिनक, 60 के पहले विकेट के लिए बनाये 84 रनों और कप्तान गेरहार्ड इरास्मस के 19 रनों सहायता से निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 163 रन बनाये। दक्षिण अफ्रीका की ओर से प्रीलेन सुब्राय ने 3 विकेट लिए।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज लुआन-ड्रे प्रीटोरियस 9 और जॉर्डन हरमन 7 रन बनाकर आउट हो गये। इसके बाद दबाव के बीच ही नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने आए डेवाल्ड ब्रेविस ने 50 गेंदों पर 4 चौकों और 5 छक्के लगाकर 75 रनों की आक्रामक पारी खेली। ब्रेविस ने एक छोर से आक्रमण किया पर उन्हें किसी अन्य का साथ नहीं मिला। अंतिम ओवरों में डुआन जैनसेन ने 17 गेंदों पर 25 रनों की नाबाद पारी खेली। निर्धारित 20 ओवरों में अफ्रीकी टीम 9 विकेट पर 145 रन ही बना पायी।

# बाबर फिर असफल रहे, अनचाहे क्लब का हिस्सा बने

लॉर्ड्स। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम इंग्लैंड के खिलाफ यहां जारी लॉर्ड्स टेस्ट में भी रन बनाने में असफल रहे। बाबर चोट कारण सीरीज का पहला मैच नहीं खेल पाये थे। इस बार वह लॉर्ड्स की पहली पारी में वापसी करते हुए केवल 8 रन बनाकर आउट हो गये। इससे वह बिना शतक लगाये 37 टेस्ट पारियां खेलने वाले खिलाड़ियों के एक अनचाहे क्लब का हिस्सा बन गये हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क 50 पारियों के साथ इस क्लब में नंबर एक पर हैं। इसके बाद पैट कमिंस 47 पारियों के साथ ही दूसरे जबकि मोहम्मद सिराज 44 पारियों के साथ ही तीसरे नंबर पर हैं।

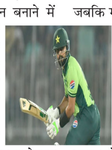

वहीं मैच की बात करें तो बाबर के विफल होने से पाक टीम को भी झटका लगा है और वह इंग्लैंड के 290 रनों के जवाब में 110 रनों पर ही सिमट गई। वहीं दूसरे दिन इंग्लैंड ने 261 रनों की बढ़त लेकर मैच पर शिकंजा कस दिया है।

बाबर के इस प्रकार विफल होने से पाक टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं और वह भी बड़ा स्कोर नहीं बना पायी। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपना अंतिम शतक दिसंबर 2022 में लगाया था। इसके बाद 1000 से अधिक दिनों में 37 पारियां खेलने के बाद भी वह शतक नहीं लगा पाये हैं।

मैच के दूसरे दिन इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 290 रन बनाए थे, जिसके जवाब में पाक टीम असफल रही थी। केवल अजान अवैस ही ने ही 102 गेंदों पर 7 चौकों की मदद से 46 रन बनाए, बाकि बल्लेबाज एक के बाद एक आउट होते गये। अन्य कोई भी बल्लेबाज 20 रन भी नहीं बना पाया।

# नीरज चोटिल होने के बाद इस साल के बचे हुए सत्र से बाहर हुए

## डायमंड लीग, एशियाई खेलों सहित सभी मुकाबलों से हटे

नई दिल्ली। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा एक बार फिर चोटिल होने के कारण इस साल के बचे हुए सत्र से बाहर हो गये हैं। नीरज के टखने का लिगामेंट फट गया है। जिससे वह इस साल जापान में होने वाले एशियाई खेलों सहित सभी मुकाबलों से बाहर हो गये हैं। अब वह ब्रसेल्स में होने वाले डायमंड लीग फाइनल और बुडापेस्ट में पहली बार आयोजित होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप जैसी महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं से भी बाहर हो गये हैं। 5 सितंबर को होने वाली डॉयमंड लीग के लिए उन्होंने क्वालीफाई भी कर लिया था पर अब उनके बाहर होने से भारत को करारा झटका लगा है।

नीरज ने सोशल मीडिया में अपने सत्र से बाहर होने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ट्रेनिंग के दौरान उनके टखने में लिगामेंट फट गया है। डॉक्टरों और अपनी टीम के साथ बातचीत के बाद, उन्होंने बचे हुए सत्र से हटने

का फैसला किया है। नीरज ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए लिखा कि उन्हें आखिरकार वह लय मिलती महसूस हो रही थी, जिसकी उन्हें तलाश थी, खासकर लॉज़ेन में अपना सीजन का सर्वश्रेष्ठ थ्रो करने के बाद पर बदकिस्मती से उन्हें यह चोट लग गई जिसे खेल से बाहर होने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है।

इस चोट का सीधा प्रभाव नीरज के आगामी अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर पर पड़ा है। वह 5 सितंबर को ब्रसेल्स में होने वाले डायमंड लीग फाइनल में हिस्सा नहीं ले पाएंगे, जिसके लिए उन्होंने पहले ही क्वालीफाई कर लिया था। इसके अतिरिक्त, 11 से 13 सितंबर तक बुडापेस्ट में आयोजित होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप और अगले महीने जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स, जहां वह भारत के लिए एक निश्चित पदक उम्मीद थे, से भी उन्हें बाहर हो गये है। यह भारत के लिए एक महत्वपूर्ण झटका है, क्योंकि नीरज इन स्पर्धाओं में हमेशा से ही पदक दावेदार रहे हैं।

# अनाया ने मारिजाने कैप सहित विरोध कर रही खिलाड़ियों को दिया करारा जवाब

सिडनी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगर की बेटी अनाया बांगर को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के खेलने की अनुमति दिये जाने पर दक्षिण अफ्रीका की ऑलराउंडर मारिजाने कैप सहित कई क्रिकटरों ने सवाल उठाये हैं। इसी को लेकर अनाया ने कैप सहित सभी खिलाड़ियों को करारा जवाब दिया है। अनाया का कहना है कि जो भी खिलाड़ी आपत्ति उठा रही है उन्हें पहले मामले की पूरी जानकारी लेनी चाहिये। साथ ही कहा है उसे किसी भी प्रकार का अनुचित लाभ नहीं मिल रहा है।

इससे पहले कैप ने सीए के अनाया को ऑस्ट्रेलिया में महिला घरेलू क्रिकेट खेलने के लिए मंजूरी दिए जाने को गलत बताया था और कहा था कि किसी ट्रांसजेंड को ऐसी अनुमति नहीं दी जा सकती है।

कैप ने अपनी पोस्ट में महिला बिग बैश लीग के आधिकारिक अकाउंट को भी टैग किया, जिससे यह मुद्दा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट समुदाय में चर्चा का विषय बन गया। कैप की इस टिप्पणी से एक बार फिर ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों की क्रिकेट में भागीदारी को लेकर चल रही बहस को तेज हो गयी है।

वहीं कैप की आलोचना का जवाब देते हुए अनाया ने कहा कि इस मामले पर आपत्ति जताने वाले लोगों को पहले इसके बारे में पूरी जानकारी हासिल करनी चाहिए। अनाया ने कहा, जो लोग इसके खिलाफ आवाज उठाना चाहते हैं, उन्हें वास्तव में पहले इस विषय के बारे में जानकारी ले। उन्होंने स्पष्ट किया, मैंने पहले ही यह जरूरी जानकारी उपलब्ध करा दी है कि मुझे कोई अनुचित फायदा नहीं है और मैं क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से तय किए गए दिशानिर्देशों का पालन कर रही हूं।

गौरतब है कि सीए ने अनाया को तत्काल प्रभाव से कम्युनिटी और प्रीमियर क्रिकेट खेलने के लिए पात्र घोषित किया है। हालांकि, यह मंजूरी किसी टीम में चयन की गारंटी नहीं देती। अनाया को क्लब स्तर पर अपने प्रदर्शन के जरिए ही आगे के अवसर हासिल करने होंगे, जिसमें एलीट स्तर के टूर्नामेंट जैसे डब्ल्यू में शामिल होना भी शामिल है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के नियमों के मुताबिक, अनाया मार्च 2027 से एलीट महिला क्रिकेट में खेलने के लिए पात्र हो सकती हैं।

## आर्थटन के बाद इमरान के समर्थन में उतरे कमिंस

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान पैट कमिंस ने अब पाकिस्तान के महान कप्तान और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का समर्थन करते हुए कहा है कि उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार होना चाहिये। वहीं गत दिवस ही इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल आर्थटन सहित दुनिया भर के कई पूर्व कप्तानों ने भी इमरान का समर्थन करते हुए पाक सरकार से उन्हें रिहा किये जाने की मांग की थी। कमिंस ने कहा, मैं ग्रेग चैपल और अन्य पूर्व अंतरराष्ट्रीय कप्तानों के साथ अपना समर्थन जोड़ रहा हूं। मुझे उम्मीद है कि अदालत के आदेश के अनुसार चिकित्सा जांच की प्रक्रिया पूरी होने दी जाएगी और परिवार के सदस्यों का उनसे मिलना-जुलना जारी रहेगा। मैं उम्मीद करता हूं कि इमरान के साथ वैसा ही सम्मानजनक व्यवहार किया जाएगा, जिसके वे अधिकारी हैं।

गौरतलब है कि कमिंस का यह बयान ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर ग्रेग चैपल द्वारा साझा किए गए एक वीडियो के संदर्भ में आया है। इस वीडियो में चैपल ने इमरान की खराब होती हालत पर गहरी चिंता व्यक्त की। चैपल ने बताया कि इमरान पिछले तीन सालों से एकांत में हैं, और इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि कोई इतनी लंबी अवधि तक ऐसी स्थिति से कैसे निपट सकता है। उन्होंने इमरान की मानसिक और शारीरिक दृढ़ता की सराहना करते हुए कहा कि वे उन खिलाड़ियों में से हैं जिनके खिलाफ उन्होंने खेला है, लेकिन साथ ही चिंता जताई कि उन्हें किताबें पढ़ने की अनुमति है या नहीं और वे अधिकांश समय अंधेरे में बिताते हैं, जो किसी भी व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है। चैपल ने बताया कि वे छह साल पहले पाकिस्तान में इमरान से मिले थे और उनकी मौजूदा स्थिति पर अफसोस जताया। वहीं इससे पहले, 21 पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ को एक संयुक्त पत्र लिखकर जेल में बंद इमरान खान के बेहतर इलाज और उचित देखभाल की मांग की थी।

# आंद्रे सिद्धार्थ की आक्रामक पारी से कोवई किंग्स ने टीएनपीएल खिताब जीता

चेन्नई । आंद्रे सिद्धार्थ की आक्रामक बल्लेबाजी से कोवई किंग्स ने तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) का खिताब जीता है। सिद्धार्थ की आक्रामक पारी से कोवई किंग्स ने मदुरै पैंथर्स को 82 रनों से हरा दिया। इस मैच में कोवई की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 184 रन बनाये। जिसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए मदुरै पैंथर्स की पूरी टीम 14.2 ओवर में ही 98 रन पर सिमट गयी। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कोवई किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम के दोनों सलामी बल्लेबाज कम स्कोर पर ही आउट हो गये। इसके बाद आंद्रे सिद्धार्थ और बालसुब्रमण्यम सचिन ने मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। बालसुब्रमण्यम सचिन ने 33 गेंदों में 39 रनों की पारी खेली। वहीं सिद्धार्थ ने 47 गेंदों पर 7 चौकों और 5 छक्कों की सहायता से 82 रनों की पारी खेली। उनकी इस आक्रामक बल्लेबाजी की सहायता से कोवई एक अच्छे स्कोर तक पहुंच सकी। इन दोनों बल्लेबाजों के अलावा कोवई का कोई और बल्लेबाज टिक नहीं पाया पर सिद्धार्थ और सचिन की साझेदारी ने टीम के लिए मजबूत आधार बनाया।

वहीं जीत के लिए 184 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करने उतरी मदुरै पैंथर्स की बल्लेबाजी विफल रही। टीम ने सिर्फ 6 रन के स्कोर पर अपने दोनों ओपनर गंवा दिए, मदुरै का कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर सका और टीम ने सिर्फ 19 रन बनाने में अपने आखिरी 5 विकेट खो दिए। यह निराशाजनक प्रदर्शन था, जिसके चलते पूरी टीम 14.2 ओवर में 98 रनों पर आउट हो गयी। कोवई किंग्स की गेंदबाजी भी शानदार रही।

# विश्व कप में पांचवें स्थान पर रही भारतीय महिला हॉकी टीम को 50 लाख का इनाम मिलेगा

## हॉकी इंडिया के प्रमुख दिलीप टिर्की ने की घोषणा

एमस्टेलवीन । भारतीय महिला हॉकी टीम नीदरलैंड्स में आयोजित एफआइएच हॉकी विश्व कप 2026 में पांचवे स्थान पर रही। ये भारतीय टीम का अब तक के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों में से एक है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हॉकी इंडिया ने टीम को 50 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। सलिमा टेटे की कप्तानी में भारतीय टीम अब तक की दूसरी सबसे अच्छी रैंकिंग हासिल की है। इससे पहले 1974 के उद्घाटन संस्करण में भारतीय टीम चौथे स्थान पर रही थी।

भारतीय टीम ने पांचवें-छठे स्थान के लिए हुए क्लासिफिकेशन मुकाबले में विश्व की नंबर-5 टीम जर्मनी को रोमांचक मुकाबले में 3-1 से हराकर पांचवां स्थान हासिल किया। इस पूरे टूर्नामेंट में भारतीय टीम का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा और वह डच टीम नीदरलैंड से ही एक मैच

हारी। भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी बेहतर रैंकिंग वाली टीमों को भी कड़ी टक्कर दी। चीन, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसके मैच ड्रॉ रहे जबकि दक्षिण अफ्रीका को उसने 6-1 से हराया। भारतीय टीम ने अपने अंतिम मैच में जर्मनी पर जीत हासिल की।

जर्मनी ने मुकाबले की शुरुआत से ही हमले शुरू कर दिये। शुरुआती दो क्वार्टर में उन्होंने भारतीय डिफेंस पर लगातार दबाव बनाए रखा और कई हमले किये पर भारतीय टीम ने विफल कर दिये। वहीं दूसरे हाफ में मुकाबला कड़ा रहा।

हाफ टाइम के बाद भारतीय टीम ने अपनी रणनीति बदली और आक्रामक रुख अपनाते हुए तीसरे क्वार्टर में मैच पलट दिए। 43वें मिनट में इशिका चौधरी ने भारतीय टीम की ओर से एक गोल दागा। उन्होंने सर्कल में बेहतरीन रन बनाने के बाद शानदार फिनिश किया और भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके ठीक एक मिनट बाद, भारत को मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला। नवनीत कौर ने 44वें मिनट में इसे गोल में बदलते हुए भारत की बढ़त को 2-0 कर दिया। नवनीत ने 47वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागते हुए भारत को 3-0 की मजबूत बढ़त दिला दी। तीसरे क्वार्टर में भारत ने लगातार आक्रमण करके जर्मनी को पूरी तरह दबाव में डाल दिया।

वहीं जर्मनी ने मुकाबले के अंतिम क्वार्टर में वापसी की कोशिश की। 59वें मिनट में लिन क्रिंग्स ने रिबाउंड पर गोल कर जर्मनी का स्कोर 1-3 कर दिया। इसके बाद जर्मनी ने दबाव बढ़ाया, लेकिन भारतीय टीम ने अपनी बढ़त को बरकरार रखा।

# नेपाल जलप्रलय का कहर : 24 गुजराती लापता, कैलाश मानसरोवर यात्रियों की बढ़ी चिंता

## नेपाल में 150 से अधिक लोगों के संपर्कविहीन होने की आशंका; अमेरिका और कनाडा के स्थायी निवासी गुजराती भी शामिल, सरकार ने तेज किए बचाव प्रयास

अहमदाबाद । नेपाल-तिब्बत सीमा क्षेत्र में आई प्राकृतिक आपदा और विनाशकारी बाढ़ ने कैलाश मानसरोवर यात्रा तथा नेपाल भ्रमण पर गए भारतीयों के लिए गंभीर संकट पैदा कर दिया है। नेपाल में बाढ़ की चपेट में आने के बाद 150 से अधिक लोगों के संपर्कविहीन होने की आशंका जताई जा रही है। इस बीच गुजरात के आठ और यात्रियों के लापता होने की खबर सामने आने से चिंता और बढ़ गई है। इसके साथ ही नेपाल में लापता गुजराती नागरिकों की कुल संख्या बढ़कर 24 हो गई है।

आपदा की खबर मिलते ही लापता लोगों के परिवारों में चिंता और बेचैनी का माहौल है। गुजरात सरकार पूरे मामले में केंद्र सरकार और विदेश मंत्रालय के लगातार संपर्क में है तथा लापता नागरिकों का पता लगाने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, लापता यात्री नेपाल-चीन सीमा के निकट यात्रा कर रहे थे। इसी दौरान अचानक भारी बाढ़ और जलप्रलय जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। बाढ़ के कारण टेलीफोन और इंटरनेट नेटवर्क पूरी तरह ठप हो जाने से यात्रियों का अपने परिवारों से संपर्क टूट गया। मामले में एक नया पहलू यह भी सामने आया है कि संपर्कविहीन गुजराती नागरिकों में कुछ विदेशों में स्थायी रूप से रहने वाले भारतीय मूल के लोग भी शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, लापता लोगों में दो अमेरिका और दो कनाडा के स्थायी निवासी हैं, जो नेपाल यात्रा पर आए थे। ऐसे में उनकी सुरक्षा को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी जानकारी जुटाने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

टूर एंड ट्रैवल एजेंटों के अनुसार, चीन-तिब्बत सीमा क्षेत्र में इमिग्रेशन की प्रक्रिया चल रही थी और उस समय इमिग्रेशन सेंटर पर नेपाल आने-जाने वाले यात्रियों की संख्या काफी अधिक थी। इसी दौरान नदियों में अचानक जलस्तर बढ़ने से भीषण बाढ़ आ गई और चारों ओर अफरा-तफरी मच गई।

बताया जा रहा है कि पानी का बहाव इतना तेज था कि इमिग्रेशन सेंटर भी बाढ़ की चपेट में आकर बुरी तरह प्रभावित हो गया। आशंका जताई जा रही है कि इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोग पानी के तेज बहाव में बह गए। इनमें गुजराती पर्यटकों के भी शामिल होने की संभावना को देखते हुए स्थानीय प्रशासन ने सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन तेज कर दिया है। इस गंभीर स्थिति के बीच एक राहतभरी खबर भी सामने आई है। नेपाल यात्रा पर गईं वलसाड की रोमाबेन इंटवाला पूरी तरह सुरक्षित हैं। वलसाड के मामलतदार ने उनसे संपर्क कर उनके सुरक्षित होने की पुष्टि की है, जिसके बाद उनके परिवार ने राहत की सांस ली।

गुजरात सरकार का डिजास्टर मैनेजमेंट विभाग पूरे घटनाक्रम पर लगातार नजर बनाए हुए है। केंद्र सरकार के माध्यम से काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास से संपर्क कर प्रभावित गुजराती नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और आवश्यकता पड़ने पर एयरलिफ्ट करने की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

फिलहाल लापता 24 गुजराती नागरिकों की तलाश जारी है और उनके परिजन प्रशासन से जल्द से जल्द सकारात्मक खबर मिलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

# दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर ट्रक-पिकअप की टक्कर, आग लगने से चालक जिंदा जला

झाबुआ। मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में दिल्ली-मुंबई 8-लेन एक्सप्रेसवे के पहुंच मार्ग पर शुक्रवार रात ट्रक और पिकअप वाहन की आमने-सामने जोरदार टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई जिसमें पिकअप चालक जिंदा जल गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

जानकारी के मुताबिक शुक्रवार रात एक ट्रक दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही पिकअप से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कुछ ही देर में दोनों वाहनों में आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गईं और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में पिकअप चालक को वाहन से बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। वह वाहन के अंदर ही फंस गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान मियाटी निवासी तेरु खिमा भाबर के रूप में हुई है। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।

हादसे के बाद वहां जाम लगा गया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने घटनास्थल पर यातायात व्यवस्था को सुचारू कराया। साथ ही हादसे के संबंध में मामला दर्ज कर फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है। लोगों का कहना है कि एक्सप्रेस-वे के पहुंच मार्ग की चौड़ाई कम होने के कारण यहां वाहनों की आवाजाही में परेशानी होती है। सड़क पर एक साथ दोनों दिशाओं से आने-जाने वाले वाहनों के कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इस मार्ग पर लगातार हादसे होने से क्षेत्रवासियों में चिंता बढ़ रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से एक्सप्रेस-वे के पहुंच मार्ग की चौड़ाई बढ़ाने, यातायात व्यवस्था को बेहतर करने और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक सुरक्षा इंतजाम करने की मांग की है।

# जेल में बंद आतंकी अफताब अंसारी के पास स्मार्टफोन!

कोलकाता। कोलकाता की प्रेसिडेंसी जेल में बंद कुख्यात आतंकी अफताब अंसारी के पास से प्रतिबंधित इलेक्ट्रॉनिक सामान मिलने के बाद जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। जेल अधिकारियों ने अचानक हुई छापेमारी के दौरान उसकी सेल से तीन स्मार्टफोन, एक आईफोन, वाई-फाई डिवाइस, पेन ड्राइव और करीब 31 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। इतनी बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस मिलने से जेल प्रशासन में हडकंप मच गया है। जानकारी के मुताबिक, जेल अधिकारियों ने प्रेसिडेंसी जेल में अचानक तलाशी अभियान चलाया था। इसी दौरान अफताब अंसारी के ठिकाने से ये सामान बरामद हुआ। जेल के अंदर मोबाइल फोन और इंटरनेट से जुड़े उपकरण प्रतिबंधित होते हैं। ऐसे में हाई-सिक्योरिटी जेल में बंद आतंकी के पास से इन सामानों का मिलना अपने आप में चौंकाने वाला है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जेल अधिकारी ने कोलकाता के हेस्टिंग्स पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है।

# विकासशील देशों पर तेजी से बदलाव का दबाव क्यों बनाया जा रहा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई सूर्यकांत ने विकसित और विकासशील देशों के बीच स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ने को लेकर मौजूद असमानता पर सवाल उठाते हुए अमीर देशों को आईना दिखाया है। उन्होंने कहा कि जिन औद्योगिक देशों ने कोयले और तेल के सहारे अपनी अर्थव्यवस्था और ताकत खड़ी करने में करीब दो सदियां लगाईं, वे अब विकासशील देशों से कुछ ही दशकों में नवीकरणीय ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ने की उम्मीद कर रहे हैं।

सीजेआई ने सवाल उठाया कि जब विकसित देशों को अपने विकास और ऊर्जा परिवर्तन के लिए इतना लंबा समय मिला, तो विकासशील देशों पर इतनी तेजी से बदलाव का दबाव क्यों बनाया जा रहा है। सीजेआई सूर्यकांत ने शुक्रवार को लंदन स्थित कॉमनवेल्थ सचिवालय में 56 देशों के साझा मंच पर जलवायु न्याय से जुड़े नीति संवाद को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि जो देश अभी औद्योगीकरण की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं, उनसे तेजी से नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने की अपेक्षा की जा रही है। ऐसा नहीं कर पाने पर कई बार उनकी आलोचना भी होती है, जबकि विकसित देशों ने लंबे समय तक कोयले और तेल जैसे जीवाश्म ईंधनों के सहारे अपनी आर्थिक और औद्योगिक ताकत खड़ी की है।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ना जरूरी है, लेकिन यह बदलाव निष्पक्षता और साझा जिम्मेदारी के सिद्धांतों के अनुरूप होना चाहिए। नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार के लिए तांबा, कोबाल्ट और लिथियम जैसे अहम खनिजों की जरुरत होती है, जिनके खनन का पर्यावरण और स्थानीय समुदायों पर असर पड़ सकता है।

# कांग्रेस के खिलाफ भाजपा का 'मीम वार', सोशल मीडिया पर तेज हुआ व्यंग्य और कटाक्ष

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपने अभियान को और आक्रामक कर दिया है। पार्टी की ओर से अब राजनीतिक संदेशों को आगे बढ़ाने और कांग्रेस के नैरेटिव का जवाब देने के लिए मीम, व्यंग्य और हास्य का जमकर इस्तेमाल किया जा रहा है। भाजपा की कई प्रदेश इकाइयां एक-दूसरे के पोस्ट को साझा और दोबारा प्रसारित कर इस अभियान को धार दे रही हैं।

भाजपा के सोशल मीडिया संयोजक दीपक म्हास्के के नेतृत्व में पार्टी के डिजिटल अभियान में बदलाव दिखाई दे रहा है। उनके पद संभालने के बाद भाजपा के सोशल मीडिया खातों पर कांग्रेस और राहुल गांधी को निशाना बनाते हुए फिल्मी दृश्यों और हास्य सामग्री का इस्तेमाल बढ़ा है। पार्टी की प्रदेश इकाइयां भी इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

यह अभियान ऐसे समय तेज हुआ है जब भाजपा ने अपने सोशल मीडिया संगठन में बदलाव किए हैं। दीपक म्हास्के ने अमित मालवीय की जगह सोशल मीडिया संयोजक की जिम्मेदारी संभाली है। प्रीति गांधी, शिवानंद द्विवेदी, आलोक भट्ट और अरुण यादव को सह-संयोजक बनाया गया है।

भाजपा की प्रदेश इकाइयां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस्तेमाल किए गए 'दिमागी नक्सल' जैसे राजनीतिक नैरेटिव को भी सोशल मीडिया पर आगे बढ़ा रही हैं। साथ ही राहुल गांधी के 'स्मैश द पैट्रियार्की' अभियान का जवाब देने के लिए भी मीम का सहारा लिया जा रहा है। भाजपा का कहना है कि हास्य और व्यंग्य के जरिए विरोधियों पर तीखा राजनीतिक हमला किया जाएगा, लेकिन आपत्तिजनक या अशोभनीय सामग्री से बचने की नीति जारी रहेगी।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक सोशल मीडिया रणनीति में यह पूरी तरह नया प्रयोग नहीं है। भाजपा पिछले एक दशक से मीम और डिजिटल सामग्री का इस्तेमाल करती रही है, लेकिन संगठन में हालिया बदलाव के बाद इसकी आक्रामकता और समन्वय अधिक दिखाई दे रहा है।

# एमएमडीआर बिल पर पूर्व सीएम पटनायक ने ओडिशा के भाजपा सांसदों को घेरा

## नए कानून से ओडिशा को हर साल 12,000 करोड़ रुपये का नुकसान

भुवनेश्वर। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक ने खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 के समर्थन को लेकर राज्य के भाजपा सांसदों के प्रति कड़ा रोष जाहिर किया है। उन्होंने सभी सांसदों को पत्र लिखकर कहा कि संसद भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंदिर है और वे ओडिशा के लोगों की आवाज हैं, जिन्हें उनके हितों की रक्षा के लिए उन्होंने चुनकर भेजा है। पूर्व सीएम पटनायक ने मनमाने कानून का समर्थन करने पर गहरी चिंता व्यक्त की, जिसके ओडिशा के लोगों पर दूरगामी नकारात्मक प्रभाव पड़ने वाले है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने 13 अगस्त को लोकसभा में विधेयक के पारित होने को ओडिशा के लिए काला दिन बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि कानून के प्रावधानों का ओडिशा पर बड़ा असर होने वाला था, फिर भी इस कानून को लोकसभा में 10 मिनट से भी कम समय में चर्चा के बाद पारित किया। पूर्व सीएम पटनायक ने कहा कि यह कोई सामान्य कानून नहीं है, बल्कि एक ऐसा विधेयक है जिससे निसंदेह ओडिशा सबसे अधिक प्रभावित होगा, क्योंकि भारत की करीब 44 प्रतिशत खनिज संपदा यहीं है।

उन्होंने बताया कि दशकों से ओडिशा ने अपनी खनिज संपदा से भारत के स्टील, बिजली, खनन और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पूर्व सीएम पटनायक ने अनुमान लगाया कि इस नए कानून से ओडिशा को हर साल 12,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान होगा, जो समय के साथ लाखों करोड़ रुपये तक पहुँच जाएगा। इससे भी बड़ा नुकसान यह है कि राज्य अपने खनिजों और खनिज वाली जमीनों पर से नियंत्रण खो देगा, और यह सब भाजपा सांसदों की निगरानी में हुआ।

पूर्व मुख्यमंत्री ने ओडिशा के बच्चों और युवाओं के भविष्य, खनन से प्रभावित लोगों तथा एक सशक्त ओडिशा के सपने के साथ अन्याय बताया। उन्होंने सभी सांसदों से अपनी अंतरात्मा की सुनने और ओडिशा की आने वाली पीढ़ियों के बारे में सोचने का आग्रह किया। पूर्व सीएम पटनायक ने सांसदों से एमएमडीआर अधिनियम में किए गए संशोधन को चुनौती देने और वापस लेने की मांग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इतिहास उन लोगों को याद रखता है और सम्मान देता है जो अपने लोगों के साथ अन्याय होने पर आवाज उठाते हैं, न कि पार्टी लाइनों के आधार पर काम करते है। यह ओडिशा और उसके लोगों के लिए लड़ने का ऐतिहासिक अवसर है।

# पीएम मोदी के दिमागी नक्सल बयान को मिला आरएसएस का पूरा समर्थन

## 2004 में गठित राष्ट्रीय सलाहकार परिषद पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 15 अगस्त को लाल किले से दिए दिमागी नक्सल वाले बयान को अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का समर्थन मिला है। इस बयान को लेकर देशभर में छिड़ी बहस के बीच, आरएसएस से जुड़ी साप्ताहिक पत्रिका ऑर्गनाइजर ने अपने संपादकीय में पूर्ववर्ती यूपीए सरकार की राष्ट्रीय सलाहकार परिषद (एनएसी) पर गंभीर सवाल उठा दिए हैं। ऑर्गनाइजर ने तर्क दिया है कि सोनिया गांधी की अध्यक्षता वाली एनएसी ने यूपीए शासनकाल के दौरान माओवादी सोच को नीति-निर्माण की प्रक्रिया में शामिल होने दिया।

संपादकीय, जिसका शीर्षक क्लासिक टेकओवर ऑफ द दिमागी नक्सल्स ऑफ गवर्नेंस था, में एनएसी को शासन-व्यवस्था पर दिमागी नक्सलियों के कब्जे का बेहतरीन उदाहरण बताया। पत्रिका ने आरोप लगाया कि चूंकि सशस्त्र विद्रोह बुरी तरह विफल हो गया, इसलिए दिमागी किस्म के नक्सलियों ने नौकरशाही, नीति तंत्र, कानूनी व्यवस्था, अकादमिक जगत, मीडिया और गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) में वैचारिक प्रभाव बढ़ाकर कमान संभाल ली है। हालांकि, ऑर्गनाइजर ने सोनिया गांधी या कांग्रेस नेतृत्व पर माओवादियों से सीधे संबंध होने का आरोप नहीं लगाया, बल्कि उसका मुख्य निशाना एनएसी और उसके माध्यम से शासन में आए कथित वैचारिक प्रभाव पर रहा।

संपादकीय में चेतावनी दी गई कि दिमागी नक्सल शब्द का इस्तेमाल हर आंदोलनकारी या सुधारवादी समूह के लिए नहीं होना चाहिए। इसमें शिक्षा और जलवायु परिवर्तन जैसे वास्तविक मुद्दों को भी एक वैचारिक समूह द्वारा अपने एजेंडे के लिए इस्तेमाल किए जाने की संभावना पर चिंता जाहिर की गई। पीएम मोदी के बयान को मानवाधिकार कार्यकर्ता बिनायक सेन के मामले जैसी यूपीए काल की कुछ घटनाओं से भी जोड़कर देखा जा रहा है, जिन्हें 2007 में गिरफ्तार किया था और 2011 में योजना आयोग की स्वास्थ्य संबंधी संचालन समिति में नामित किया गया था।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पहले ही स्पष्ट किया था कि प्रधानमंत्री मोदी का निशाना विपक्षी नेताओं या राजनीतिक दलों पर नहीं था, बल्कि उन लोगों पर था जो माओवाद का समर्थन करते हैं, संविधान को अस्वीकार करते हैं और अलगाववाद को बढ़ावा देते हैं। गौरतलब है कि 2004 में गठित एनएसी की अध्यक्ष सोनिया गांधी थीं, जिन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त था। इस परिषद में सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षाविदों और विशेषज्ञों को शामिल किया गया था और सूचना का अधिकार (आरटीआई) और मनरेगा जैसे कई महत्वपूर्ण कानूनों और नीतिगत पहलों में इसकी अहम भूमिका रही थी।

# 13 नवंबर 2026 को खत्म हो जाएगी दुनिया! वायरल वीडियो से लोग चिंतित

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर एक पुरानी वैज्ञानिक गणना वायरल हो रही है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि 13 नवंबर 2026 को पृथ्वी पर प्रलय जैसी स्थिति बन सकती है। इस दावे के वायरल होने के बाद लोगों में चिंता बढ़ गई है। हालांकि वैज्ञानिक का कहना है कि यह दावा एक पुराने गणितीय मॉडल की गलत व्याख्या पर आधारित है और इससे दुनिया के भौतिक रूप से समाप्त होने की कोई भविष्यवाणी नहीं थी।

इस चर्चा की शुरुआत वर्ष 1960 में प्रकाशित एक शोध पत्र से हुई थी। शोधकर्ताओं ने जनसंख्या वृद्धि और सामाजिक रुझानों के आधार पर एक गणितीय मॉडल प्रस्तुत किया था। उस समय दुनिया की आबादी करीब तीन अरब थी। मॉडल में अनुमान लगाया गया था कि यदि जनसंख्या वृद्धि की रफ्तार लगातार उसी प्रकार बढ़ती रही तो 13 नवंबर 2026 के आसपास यह गणितीय रूप से अनंत की दिशा में पहुंच सकती है। वर्ष 2026 में इस पुरानी गणना को सोशल मीडिया पर दुनिया के अंत की भविष्यवाणी के रूप में पेश किया जा रहा है। कई लोग इसे साझा करते हुए दावा कर रहे हैं कि पृथ्वी की जनसंख्या अपनी अधिकतम क्षमता पार कर जाएगी।

हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि मूल शोध का उद्देश्य पृथ्वी के नष्ट होने या किसी निश्चित दिन प्रलय आने की घोषणा करना नहीं था। वैज्ञानिकों के मुताबिक यह एक हाइपरबोलिक वृद्धि मॉडल था, जिसमें यह मान लिया गया था कि जनसंख्या वृद्धि की गति लगातार बढ़ती रहेगी। वास्तविक दुनिया में ऐसा नहीं हुआ। जनसांख्यिकीय बदलाव के कारण अधिकांश देशों में जन्म दर में कमी आई है। शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं, शहरीकरण और महिलाओं की बढ़ती भागीदारी जैसे कारकों ने जनसंख्या वृद्धि की रफ्तार को धीमा किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी थी कि मशीनों को इंसानों की तरह समझने और सोचने वाला मान लेना खतरनाक हो सकता है। आज चैटबॉट और एआई आधारित प्रणालियों के साथ लोगों के भावनात्मक जुड़ाव के बीच उनकी यह बात प्रासंगिक लगती है। कुछ सोशल मीडिया उपयोगकर्ता उनकी एआई संबंधी टिप्पणी को सही मानते हुए जनसंख्या संबंधी पुराने मॉडल को भी सटीक भविष्यवाणी बता रहे हैं, लेकिन विशेषज्ञ कहते हैं कि दोनों बातों को जोड़कर 13 नवंबर 2026 को प्रलय आने का निष्कर्ष निकालना वैज्ञानिक रूप से उचित नहीं है।

# सोनिया गांधी की किताब पर गहलोत का दावा- 'पीएम, आरएसएस और चीन से जुड़े हिस्से हटवाना चाहता था पेंग्विन'

## कमलनाथ ने पूछा- क्या प्रकाशक तय करेगा कि क्या लिखा जाए?

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की आगामी किताब 'बिलॉन्गिंग- ए जर्नी ऑफ लव' के प्रकाशन को लेकर अब सियासी घमासान शुरु हो गया है। किताब को लेकर सामने आई मीडिया रिपोर्टों और पेंग्विन रैंडम हाउस इंडिया की सफाई के बाद कांग्रेस नेताओं ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सरकारी दबाव को लेकर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेता गहलोत ने दावा किया कि पेंग्विन दरअसल पीएम, आरएसएस और चीन से जुड़े हिस्से किताब से हटवाना चाहता था। वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने सीधा सवाल किया कि क्या प्रकाशक तय करेगा कि क्या लिखा जाए और क्या नहीं?

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पेंग्विन के बयान के बाद कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने दावा किया कि पेंग्विन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आरएसएस और मोदी सरकार के दौरान चीन द्वारा भारतीय क्षेत्र पर कथित कब्जे से संबंधित हिस्सों को हटाने का दबाव था। गहलोत के मुताबिक, सोनिया गांधी ने इन बदलावों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया, जिसके बाद भारत में किताब के प्रकाशन से कंपनी पीछे हट गई। गहलोत ने इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताते हुए सवाल उठाया कि जब किताब विदेश में उसी प्रकाशन समूह के इम्प्रिंट के तहत प्रकाशित हो रही है तो भारत में इसके प्रकाशन को लेकर स्थिति अलग क्यों है।

वहीं मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भी पूरे विवाद पर चिंता जाहिर करते हुए सवाल किया कि क्या प्रकाशक यह तय करेगा कि सोनिया गांधी जैसी वरिष्ठ राजनीतिक हस्ती अपनी किताब में क्या लिखें और क्या नहीं। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या प्रकाशक खुद ऐसी बात कह रहा है या उस पर किसी तरह का दबाव है।

'तथ्यों की जांच करना प्रकाशक की जिम्मेदारी'

कंपनी ने कहा कि किसी पुस्तक में मौजूद तथ्यों की जांच करना प्रकाशक की जिम्मेदारी और अधिकार है। प्रकाशन प्रक्रिया के दौरान प्रकाशक लेखक को किताब की सामग्री के संबंध में सलाह भी देता है और यह प्रकाशन प्रक्रिया का सामान्य हिस्सा है। पेंग्विन ने यह भी कहा कि वह लेखक के साथ हुई गोपनीय बातचीत पर आगे कोई टिप्पणी नहीं करेगा। उसका बयान अमेरिकी प्रकाशक अल्फ्रेड ए. नॉफ द्वारा किताब को 10 नवंबर को जारी करने की घोषणा के कुछ दिनों बाद आया है। अल्फ्रेड ए. नॉफ, पेंग्विन रैंडम हाउस समूह का हिस्सा है।

फिलहाल भारत में किताब के आधिकारिक प्रकाशक और डिस्ट्रीब्यूटर को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। हालांकि, अमेजन पर इसका ई-बुक संस्करण 2,615 रुपये में प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध बताया गया है। अमेजन की जानकारी के अनुसार, ई-बुक का प्रकाशन विलियम कॉलिन्स ने किया है, जो हार्पर कॉलिन्स यूके का हिस्सा है।

# अभिनेता सैफ अली खान पर चाकू से हमला : आरोपी ने जुर्म कबूल करने की जताई इच्छा, कोर्ट से मांगी रहम की अपील

मुंबई। पिछले साल फिल्म अभिनेता सैफ अली खान के बांद्रा स्थित घर में घुसकर उन पर चाकू से हमला करने के मामले में गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद शरीफुल इस्लाम ने शुक्रवार को मुंबई सत्र न्यायालय में एक आवेदन दायर कर अपना अपराध कबूल करने की इच्छा जताई है। आरोपी ने अदालत से अनुरोध किया है कि वह अपना गुनाह स्वीकार करना चाहता है और सजा सुनाते समय उसके प्रति सहानुभूति बरती जाए। आरोपी की ओर से उसके वकील विपुल दुशिंग ने यह आवेदन अदालत में पेश किया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति जी.पी. देशमुख ने सरकारी पक्ष को अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 11 सितंबर तक टाल दी है।

### - आरोपी पर गंभीर धाराओं में आरोप तय

यह मामला 16 जनवरी 2025 की रात का है। सैफ अली खान मुंबई के बांद्रा स्थित अपने घर में थे, तभी एक शख्स ने उन पर चाकू से कई वार किए। हमले में सैफ को गंभीर चोटें आई थीं। उन्हें इलाज के लिए लीलावती अस्पताल ले जाया गया था, जहां उनकी सर्जरी हुई थी। मोहम्मद शरीफुल इस्लाम पर सैफ अली खान के बांद्रा स्थित आवास में घुसकर धारदार हथियार से हमला करने का आरोप है। मुंबई सत्र न्यायालय में हाल ही में उसके खिलाफ आरोप तय किए गए थे। आरोपी पर घातक हथियार का इस्तेमाल कर लूट का प्रयास करने, गंभीर चोट पहुंचाने और घर में अनधिकृत प्रवेश सहित भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में है।

### - दो दिन बाद ठाणे से हुई थी गिरफ्तारी

पुलिस के मुताबिक, घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था। पुलिस ने तलाश के दौरान उसे करीब दो दिन बाद ठाणे इलाके से गिरफ्तार किया था। जांच में उसके बांग्लादेशी नागरिक होने और कथित तौर पर अवैध तरीके से भारत में प्रवेश करने की जानकारी सामने आई थी। पुलिस जांच में यह भी आरोप सामने आया कि भारत में रहने के दौरान उसने अपनी पहचान बदलकर विजय दास नाम का इस्तेमाल किया था।

### - चोरी के इरादे से घर में घुसने का आरोप

पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, आरोपी कथित तौर पर चोरी के इरादे से सैफ अली खान के घर में दाखिल हुआ था। घटना देर रात करीब दो बजे हुई थी। घर में घुसने के बाद आरोपी बच्चों के कमरे तक पहुंच गया था। इस दौरान सैफ अली खान ने उसका विरोध किया, जिसके बाद दोनों के बीच हाथापाई हुई और आरोपी ने अभिनेता पर धारदार चाकू से हमला कर दिया। हमले में सैफ अली खान गंभीर रूप से घायल हो गए थे। परिवार के सदस्यों ने उन्हें तत्काल ऑटो रिक्शा से लीलावती अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज किया गया।

# एमएलसी मिर्जा रहमत बेग को पार्टी से निकाला

हैदराबाद। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने तेलंगाना विधान परिषद के सदस्य (एमएलसी) मिर्जा रहमत बेग को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। पार्टी ने शुक्रवार व शनिवार रात यह कार्रवाई करते हुए बेग को तत्काल प्रभाव से विधान परिषद के सभापति को अपना इस्तीफा सौंपने का निर्देश दिया है। एआईएमआईएम ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए मिर्जा रहमत बेग के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी दी। पार्टी के संयुक्त सचिव एसए हुसैन अनवर की ओर से बेग को यह निर्देश जारी किया गया। हालांकि, पार्टी की ओर से अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि किन कारणों या आरोपों के चलते उन्हें पार्टी से बाहर किया गया है।

मिर्जा रहमत बेग ने वर्ष 2023 में हैदराबाद लोकल अथॉरिटीज सीट से तेलंगाना विधान परिषद का चुनाव जीता था। चुनाव में जीत के बाद वह एआईएमआईएम के प्रतिनिधि के तौर पर विधान परिषद पहुंचे थे।

# सीएम के आगमन से पहले मलेरिया ने फिर ली 10 वर्षीय बच्ची की जान, तीन दिन में दूसरी मौत

## थमने का नाम नहीं ले रहा आदिवासी बच्चों की मौत का सिलसिला, मृतका काजल का शव लेकर लौट रही एम्बुलेंस के पीछे लगा रहा प्रशासनिक वाहन, रास्ते में एम्बुलेंस रोकने पर चालक को कथित तौर पर लगाई फटकार

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

**जिले के आदिवासी अंचलों में बच्चों की लगातार हो रही मौतों का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बालाघाट आगमन से ठीक पहले शनिवार को परसवाड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मोहनपुर पंचायत की 10 वर्षीय बालिका काजल पिता प्रभुलाल सैयाम की मलेरिया से मौत हो गई।बताया गया कि काजल ने गोंदिया के निजी अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। बीते तीन दिनों में मलेरिया से यह दूसरी मौत है। इसके साथ ही बैहर और परसवाड़ा क्षेत्र में खसरा, मलेरिया, स्किन सहित अन्य बीमारियों से जान गंवाने वाले बच्चों की संख्या 26 तक पहुंचने का दावा किया जा रहा है।**

### मृत बेटी को लेकर लौट रहे परिवार के पीछे लगा प्रशासनिक वाहन

परिजनों के अनुसार काजल की मौत के बाद परिजन शनिवार सुबह एम्बुलेंस से उसका शव लेकर अपने गांव लौट रहे थे।तभी रजेगांव के पास से एक प्रशासनिक वाहन भी एम्बुलेंस के पीछे चलता रहा।बताया गया कि कोसमी के पास जब एम्बुलेंस को रोककर परिजनों से घटना की जानकारी लेने का प्रयास किया गया, तब कथित प्रशासनिक वाहन में मौजूद पुरुष एवं महिला सदस्यों ने एम्बुलेंस चालक को वाहन क्यो रोका कहकर फटकार लगानी शुरू कर दी और एम्बुलेंस को नान स्टाफ चलाने के लिए कहकर एम्बुलेंस आगे बढ़ावा दी।

### प्रशासन का नही आया स्पष्टीकरण

अक्सर देखने मे आ रहा है की बच्चो की मौत वाले मामले में जिम्मेदार आधिकारिक ब्यान देने में हिचकिचा रहे है।अन्य मामलो की तरह इस मामले में भी ऐसा ही देखने को मिला।मौके पर मौजूद महिलाओं से प्रशासनिक टीम के संबंध में जानकारी लेने और उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया और वाहन का गेट बंद कर एम्बुलेंस के पीछे रवाना हो गई। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम को लेकर प्रशासन की ओर से आधिकारिक रूप से कोई स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है।

### 24 अगस्त को चला था मलेरिया का पता, गोंदिया में तोड़ा दम

परिजनों के अनुसार काजल को 24 अगस्त को मलेरिया होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद 27 अगस्त को उसे बालाघाट के एक निजी केयर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां रातभर उपचार चला। स्वास्थ्य में अपेक्षित सुधार नहीं होने पर परिजन उसे गोंदिया के यूनाइटेड अस्पताल लेकर गए।जहा शनिवार सुबह उपचार के दौरान काजल की मौत हो गई।

### दो दिन पहले ही लवकुश की हुई थी मौत

आपको बताए कि काजल की मौत से महज दो दिन पहले मोहनपुर पंचायत के बैगाटोला निवासी बालक लवकुश मरकाम की भी मलेरिया से मौत होने की बात सामने आई थी। इस मामले में परिजनों ने आरोप लगाया था कि प्रशासनिक अमला माता-पिता के घर पहुंचने से पहले ही अंतिम संस्कार कराए जाने की स्थिति में पहुंच गया था। लगातार सामने आ रहे इन मामलों ने प्रशासन की कार्यप्रणाली और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

### लगातार मौतों के बीच व्यवस्था पर सवाल

बैहर और परसवाड़ा क्षेत्र के आदिवासी गांवों में पिछले कुछ समय से बच्चों के बीमार पड़ने और मौतों के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। मलेरिया के साथ खसरा, त्वचा संबंधी बीमारी और अन्य संक्रमणों की शिकायतें भी बताई जा रही हैं। बच्चों की मौतों का आंकड़ा 26 तक पहुंचने के दावे के बीच अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर इन दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों में बीमारी की रोकथाम, समय पर जांच और बेहतर उपचार की व्यवस्था कितनी प्रभावी है।मुख्यमंत्री के आगमन से पहले हुई काजल की मौत ने एक बार फिर पूरे मामले को सुर्खियों में ला दिया है। मृत बच्ची के शव को लेकर लौट रही एम्बुलेंस के पीछे प्रशासनिक वाहन के चलने और उसे रास्ते में नहीं रोकने को लेकर कथित निर्देश दिए जाने की घटना ने प्रशासन की संवेदनशीलता पर भी सवाल खड़े किए हैं। अब जरूरत इस बात की है कि लगातार हो रही बाल मौतों के प्रत्येक मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच हो तथा बीमारी की वास्तविक वजह, उपचार की स्थिति और प्रशासनिक स्तर पर हुई चूक को सार्वजनिक किया जाए।ऐसी मांग स्थानीय जनों द्वारा की जा रही है।

### एम्बुलेंस रोकने नही दे रहे थे अधिकारी-राजेन्द्र

दुरभाष पर की गई चर्चा के दौरान मृतक काजल के चाचा राजेंद्र सैयाम ने बताया कि एम्बुलेंस चालक को रास्ते में फोन आया था। फोन पर उसे एम्बुलेंस कहीं भी नहीं रोकने के लिए कहा गया। उनका कहना है कि परिवार सुबह अस्पताल से बेटी का शव लेकर निकला था और रास्ते में परिजनों की जरूरतों का भी ध्यान रखना जरूरी था। परिजनों के मुताबिक, रजेगांव से बालाघाट तक उन्हें रुकने का पर्याप्त अवसर नहीं दिया गया।

## न्यूज गैलरी

# घर के सामने गाली गलौज करने से रोका तो महिला से की मारपीट

## दो पड़ोसियों पर अश्लील गाली देने मारपीट और जान से मारने की धमकी का आरोप

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम चारटोला अंतर्गत भरतनगर में पूर्व विवाद को लेकर दो पड़ोसियों ने एक महिला के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया। घटना के बाद मलाजखंड पुलिस ने महिला की शिकायत पर गोविंद धुर्वे और अनिल धुर्वे के खिलाफ गाली-गलौज, मारपीट एवं जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

### घर के सामने कर रहे थे गाली-गलौज

प्राप्त जानकारी के अनुसार महावती मर्सकोले 42 वर्ष अपने पति राधेलाल और बच्चों के साथ मजदूरी करती है। उसकी बड़ी बेटी का विवाह हो चुका है जबकि छोटा बेटा संजय रक्षाबंधन पर्व पर अपनी बहन से राखी बंधवाने जबलपुर गया हुआ था। गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे महावती घर में अकेली थी उसका पति राधेलाल बाजार गया था।इसी दौरान घर के सामने कुछ लोगों के गाली-गलौज करने की आवाज सुनकर महावती बाहर आई। उसने देखा कि उसके पड़ोसी गोविंद धुर्वे और अनिल धुर्वे घर के सामने खड़े होकर गाली-गलौज कर रहे थे। महावती ने उन्हें घर के सामने गाली देने से मना किया और कहा कि मोहल्ले में अन्य लोग भी रहते हैं। जिन्हें इस तरह की भाषा सुनना अच्छा नहीं लगता।

### विरोध करने पर करने लगे मारपीट

महावती के द्वारा गाली देने से मना करने पर दोनों आरोपी विवाद करने लगे और अश्लील गालियां देने लगे। इसके बाद दोनों ने उसके साथ हाथ-बुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। झगड़े की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। मारपीट में महावती को चोटें आईं। जाते समय दोनों ने महावती को जान से मार डालने की धमकी भी दी। घटना के बाद महावती ने फोन से अपने पति को घटना की जानकारी दी और पड़ोसी राजू दास धावे के साथ मलाजखंड थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।मलाजखंड पुलिस ने घायल महावती का अस्पताल में उपचार कराया। इसके बाद उसकी शिकायत के आधार पर गोविंद धुर्वे और अनिल धुर्वे के विरुद्ध अश्लील गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# बालाघाट आने निकली 16 वर्षीय नाबालिग रहस्यमय ढंग से लापता-अपहरण का मामला दर्ज

## तिरोड़ी थाना क्षेत्र में सामने आया मामला, अज्ञात आरोपी के खिलाफ जांच शुरू

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** तिरोड़ी थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली 16 वर्षीय नाबालिग लड़की रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई। वह 24 अगस्त की सुबह करीब 9 बजे अपने घर से बस द्वारा बालाघाट आने के लिए निकली थी लेकिन इसके बाद वापस घर नहीं पहुंची। परिजनों ने आसपास और संभावित स्थानों पर काफी तलाश की लेकिन नाबालिग का कोई पता नहीं चल सका। प्राप्त जानकारी के अनुसार नाबालिग ने कक्षा नौवीं तक पढ़ाई की है। उसके अचानक लापता होने के बाद परिजनों ने मामले की सूचना तिरोड़ी पुलिस को दी। परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर नाबालिग का अपहरण किए जाने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत अपराध दर्ज किया है।तिरो?ी पुलिस ने नाबालिग की तलाश और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा उसके घर से निकलने के बाद के घटनाक्रम संभावित संपर्कों और उसके आने-जाने के रास्तों की जानकारी जुटाई जा रही है। फिलहाल नाबालिग के लापता होने के कारणों और उसके साथ किसी व्यक्ति के जाने को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है।जिले में नाबालिग लड़कियों के बिना बताए घर से चले जाने की घटनाएं लगातार चिंता का विषय बन रही हैं। ऐसे मामलों में परिजनों के साथ साथ पुलिस के सामने भी नाबालिगों को सुरक्षित तलाशने की चुनौती रहती है।

# रोड किनारे से एक व्यक्ति का शव बरामद

## परसवाड़ा थाना क्षेत्र की घटना

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** परसवाड़ा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कुरेन्डा के बर्राटोला मैं रोड किनारे एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया मृतक की पहचान बुधराम पिता जीतू लाल भलावी 38 वर्ष ग्राम बड़गांव थाना परसवाड़ा निवासी के नाम से की गई इस व्यक्ति की अत्यधिक शराब के सेवन और फिट का दौरा आने से मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधराम भलावी मजदूरी करता था और वह कमाने के लिए बाहर शहर जाता था हाल ही में बुधराम अपने घर बड़गांव आया हुआ था। बताया गया कि बुधराम को फिट का दौरा आते रहता था और वह अत्यधिक शराब पीने का भी आदि था जिसके परिवार में मां के अलावा पत्नी है। 29 अगस्त को सुबह बुधराम घर से निकला था किंतु वह घर नहीं लौटा। 11ः00 बजे करीब ग्राम कुरेन्डा के बर्राटोला रोड किनारे बुधराम का शव देखा गया। सूचना मिलती ही परसवाड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और बुधराम के शव को अपने कब्जे में लिए। जिसका शव का पोस्टमार्टम नहीं हो पाया है। शव परसवाड़ा अस्पताल के मर्च्युरी में सुरक्षित रखवा दिया गया है। जिसका पोस्टमार्टम 30 अगस्त को किया जाएगा। इस व्यक्ति की मौत अत्यधिक शराब के सेवन या फिट का दौरा पड़ने से होने की संभावना व्यक्त की जा रही है परसवाड़ा पुलिस धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
**प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट